

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस पर मनोज बाजपेयी का रिएक्शन, कहा- उस समय पूरी इंडस्ट्री निशाने पर


# रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 29
न्यूनतम - 15

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 314 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर गुरूवार 12 नवम्बर 2026 ● कार्तिक शुक्ल 3 विक्रमी संवत ● पृष्ठ :12 ● मूल्य 4 रूपया


## अब ब्लैक कैट कमांडो की भी बदलेगी यूनिफॉर्म

● सांस लेने वाली यूनिफॉर्म बनाने की सिफारिश ● देश के 5 राज्यों में चुनाव से पहले मिल सकती है नई वर्दी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ब्लैक कैट कमांडो की मशहूर काली वर्दी अब बदलने जा रही है। वजह है- भयंकर गर्मी। नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) ने अपने वीआईपी सुरक्षा में लगे कमांडो के लिए नई ब्रीदेबल यानी सांस लेने वाली यूनिफॉर्म बनाने की सिफारिश की है। ये यूनिफॉर्म नायको कपड़े से बनेगी, जिसमें नायलॉन और कॉटन होता है। यह कपड़ा हवा और नमी को आसानी से बाहर निकलने देता है। अप्रैल में विजयवाड़ा में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की सुरक्षा में तैनात कमांडो करीब 44 डिग्री तापमान में बेहोश हो गया था। इसके बाद ही यह फैसला लिया गया। एनएसजी को उम्मीद है कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की घोषणा तक कमांडो नई यूनिफॉर्म पहनने लगेंगे।



**विजयवाड़ा में कमांडो को आया था हीटस्ट्रोक-** एनएसजी के सूत्रों ने बताया कि अप्रैल 2026 में हुई एक घटना के बाद नई यूनिफॉर्म का फैसला लिया गया। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की सुरक्षा में तैनात एक कमांडो ड्यूटी के दौरान ही बेहोश होकर गिर गया। उस दिन विजयवाड़ा में तापमान लगभग 44 डिग्री था। कमांडो ने काली ओवरऑल यूनिफॉर्म के ऊपर 6 किलो की बुलेटप्रूफ जैकेट पहन रखी थी। सिर पर काली बेरेट थी और कमर पर छोटे हथियार लगे थे। कमांडो को हीटस्ट्रोक और थकान हुई। घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

### कोबरा कमांडो भी पहनते हैं नायको से बनी यूनिफॉर्म

नायको नायलॉन और कॉटन से बना कपड़ा है। यह हवा और नमी की भाप को आसानी से बाहर निकलने देता है। इससे शरीर ठंडा रहता है। सीआरपीएफ के कोबरा कमांडो भी नायको की यूनिफॉर्म पहनते हैं। कोबरा कमांडो जंगलों में युद्ध अभियान के लिए विशेषज्ञ होते हैं। उन्हें कई बार तेज धूप और उमस में काम करना पड़ता है। नई यूनिफॉर्म के कपड़े का ट्रायल हो चुका है। एनएसजी जल्द ही यह सामग्री खरीदेगा। उम्मीद है कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की घोषणा तक हस्त कमांडो नई यूनिफॉर्म पहनने लगेंगे। इन चुनावों के प्रचार अभियान में एनएसजी की सुरक्षा वाले कई वीआईपी शामिल होंगे।

## अब कुलगाम में आतंकी हमला

● तीन जवान गंभीर रूप से घायल, इलाके की सुरक्षा की गई सख्त

● बाइक सवार हमलावरों ने सीआरपीएफ जवानों पर फायरिंग की



श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में बुधवार दोपहर बाइक सवार अज्ञात हमलावरों ने सीआरपीएफ के अखरान कैंप में नाका ड्यूटी पर तैनात जवानों पर फायरिंग कर दी। घटना करीब 2.15 बजे की है। इसमें तीन जवान घायल हो गए। उन्हें अनंतनाग के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फायरिंग के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सुरक्षाबल हमलावरों की तलाश में जुटे हैं। हालांकि किसी आतंकी संगठन ने तत्काल इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन माना जा रहा है कि यह हमला लश्कर ए तैयबा का हिट स्क्वाड कहे जाने वाले द रजिस्टेंस फ्रंट टीआरएफ के आतंकी लतीफ बट के माडयूल ने किया है।

● एक जवान की टांग, दूसरे के बाजू और तीसरे की पीठ में लगी गोली- हमले की सूचना मिलते ही निकटवर्ती शिविरों से सुरक्षाबलों की अतिरिक्त टुकड़ियां भी मौके पर पहुंच गई। उन्होंने उसी समय पूरे इलाके की घेराबंदी करते हुए घायल जवानों को उपचार के लिए निकटवर्ती अस्पताल पहुंचाया। जहां उनकी पहचान हेड कांस्टेबल सोमवीर, कांस्टेबल शांतनु और कास्टेबल राकेश दास के रूप में हुई है। डाक्टरों के अनुसार, एक जवान की टांग में, एक अन्य के बाजू में और एक की पीठ में गोली लगी है। इस बीच, सुरक्षाबलों ने घटनास्थल के आस पास के सभी इलाकों में तलाशी अभियान चलाया है। घटनास्थल के आस पास उपलब्ध सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की भी जांच की जा रही है।

**संक्षिप्त समाचार**

### अरे प्रदूषण हुआ है तो समाप्त भी हो जाएगा काहे चिंता कर रहे

**लखनऊ (एजेंसी)।** अगर पब्लिक एक दिन आतिशबाजी कर ले तो प्रदूषण हो गया। अरे हुआ है तो समाप्त भी हो जाएगा... । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ये बातें बुधवार को लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम में कहीं। सीएम योगी ने इस दौरान राजस्व विभाग के लिए चुने गए 1146 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र बांटे। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत 215 करोड़ रुपये की सहायता राशि का भी वितरण किया। कार्यक्रम में



सीएम योगी ने दीपावली पर पटाखे जलाने के मुद्दे पर भी अपने अंदाज में जवाब दिया। सीएम योगी ने कहा, साल 2017 से पहले कोई भी त्योहार आता था, चाहे होली हो, दीपावली हो, विजयादशमी हो, जन्माष्टमी हो, शिवरात्रि हो, क्रिसमस हो, ईद हो, गुरु पर्व हो या मकर संक्रांति, हर त्योहार से पहले दंगे शुरू हो जाते थे। पीएसी बल दंगाइयों का काल था, लेकिन समाजवादी पार्टी की सरकार ने यूपी पीएसी की 34 कंपनियां भी समाप्त कर दी। महीनों-महीनों तक कर्फ्यू लगे रहते थे, लेकिन अब आपने देखा होगा कि धनतेरस के दिन पूरी मार्केट में चहल-पहल थी। अयोध्या का दीपोत्सव शानदार रहा।

### काशी विश्वनाथ कॉरिडोर संजय गांधी का ड्रीम प्रोजेक्ट था

**वाराणसी (एजेंसी)।** कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अपनी किताब बिलॉन्गिंग अ जर्नी ऑफ लव में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर से जुड़े पुराने प्रस्ताव का जिक्र किया है। उन्होंने इसे इंदिरा गांधी के कार्यकाल से जोड़ते हुए आपातकाल के दौरान इसकी योजना बनाए जाने की बात लिखी है। किताब में लिखा- आपातकाल के दौरान संजय गांधी ने काशी विश्वनाथ क्षेत्र के चौड़ीकरण और वहां सुधार का प्रस्ताव रखा था। विश्व के सबसे प्राचीन शहर में मकानों की भारी तोड़फोड़ और जनता के विरोध की आशंका को देखते हुए इंदिरा



गांधी ने इसमें हस्तक्षेप किया था और उस काम को रुकवा दिया था। **बनारस रोड शो में बेहोश हुई थीं, कंधे में हुआ था फ्रैक्चर-** सोनिया गांधी ने अपनी किताब में अगस्त 2016 के वाराणसी दौरे के दौरान हुई घटना का भी जिक्र किया है। उस समय सपा और कांग्रेस का गठबंधन हुआ था। राहुल गांधी और अखिलेश यादव के रोड शो से पहले सोनिया गांधी ने वाराणसी में चुनावी रैली की थी। किताब में लिखा है कि करीब पांच घंटे लंबे रोड शो के दौरान अत्यधिक थकान के कारण सोनिया गांधी बेहोश होकर गिर गई थीं। उन्हें इलाज के लिए दिल्ली लाया गया था। उनका कंधा बुरी तरह टूट गया था, जिसके चलते उन्हें गंभीर ऑपरेशन से गुजरना पड़ा था। तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें एक होटल में रखा गया। देर रात बाबतपुर एयरपोर्ट से एयर एंबुलेंस के जरिए दिल्ली ले जाया गया।

**दस महीने का नुकसान**

## एक महीने में 'रिकवर'

● बीते एक माह में बम-बम बाजार, 15 फीसदी की रही उछाल ● सेंसेक्स 400 अंक चढ़कर 81,500 पर, निफ्टी में भी तेजी

**मुंबई (एजेंसी)।** शेयर बाजार में सेंसेक्स बुधवार को 400 अंक चढ़कर 81,500 के पार पहुंच गया। यानी, इसमें 0.5 फीसदी की बढ़त है और इससे निवेशकों की दौलत ?6 लाख करोड़ से ज्यादा बढ़ गई। इधर, निफ्टी 100 अंक की तेजी के साथ 25,130 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसमें 0.34 फीसदी की तेजी है। आज बैंकिंग और ऑटो शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त है। 1 जनवरी 2026 को सेंसेक्स 85,188 के स्तर पर था। इसके बाद बाजार में गिरावट का सिलसिला शुरू हुआ और 1 अक्टूबर को सेंसेक्स 71,292 के इस साल के सबसे निचले स्तर पर आ गया। इस दौरान बाजार 16 फीसदी या 13,896 अंक टूटा। 1 अक्टूबर को 71,292 का निचला स्तर छूने के बाद बाजार में तेजी आई। बीते एक महीने में सेंसेक्स 15 फीसदी या 11,228 अंक बढ़कर 82,520 के स्तर पर पहुंच गया है, जिससे पिछले 10 महीनों में हुई गिरावट की लगभग भरपाई हो गई है।




### शेयर बाजार में तेजी की तीन बड़ी वजह

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट : अमेरिका ने कहा है कि वो ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई नहीं करेगा, जिससे मिडिल ईस्ट से तेल की सप्लाई रुकने या प्रभावित होने का डर कम हो गया है। इस खबर के बाद ब्रेंट क्रूड तेल की कीमतें घटकर दो महीने के निचले स्तर यानी 89.16 डॉलर प्रति बैरल पर आ गईं हैं। भारत अपनी जरूरत का 80 फीसदी से ज्यादा कच्चा तेल विदेशों से खरीदता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल सस्ता होने पर देश का आयात बिल घट सकता है, जो इकोनॉमी को मजबूती दे सकता है। डॉलर के मुकाबले रुपया 20 पैसे मजबूत : रुपया मजबूत शुरुआत के साथ 0.2 फीसदी यानी 20 पैसे चढ़ गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले यह 93.72 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि इससे पहले यह 93.92 पर बंद हुआ था।

### असम में ट्रेन पटरी से उतरी, 50 पैसेंजर घायल

**गुवाहाटी (एजेंसी)।** असम के कामरूप में बुधवार सुबह करीब 6.54 बजे कोलकाता-सैरंग एक्सप्रेस का इंजन और 5 डिब्बे पटरी से उतर गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसे में 50 पैसेंजर घायल हुए हैं। हालांकि रेलवे का कहना है कि सभी यात्री सुरक्षित हैं। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुताबिक, डिगारू स्टेशन पर ट्रेन को दूसरी लाइन पर लेने के दौरान लोको पायलट स्पीड कम नहीं कर सका, इससे ट्रेन डेड एंड पर लगे बैरिकेड्स से टकरा गई। 45 सेकेंड के वीडियो में इंजन के लोको पायलट केबिन का अंदरूनी हिस्सा दिखाई दे रहा है। इसमें कंट्रोल पैनल, डिजिटल डिस्प्ले, स्विच और इंजन के उपकरण लगे हुए हैं। इसमें लोको पायलट कह रहे हैं- 'कुछ भी काम नहीं कर रहा। सिग्नल रेड हैं। इमरजेंसी लगा है।

## फेस्टिव सीजन हुआ खत्म, अब यूपीआई पेमेंट पर लगेगा चार्ज

● 2,000 से ज्यादा के पेमेंट पर 0.4 फीसदी एमडीआर देना होगा ● तारीख का ऐलान बाकी दीवाली तक टाला गया था यह फैसला

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भाईदूज के त्योहार के साथ ही फेस्टिव सीजन खत्म हो गया है। अब सबकी नजरें यूपीआई के नए नियमों पर हैं। कल से दुकानदार को 2,000 से ज्यादा का यूपीआई के जरिए लेने पर 0.4 फीसदी मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) यानी चार्ज देना पड़ सकता है। पहले एनपीसीआई इन नए चार्जेस को 15 अक्टूबर से लागू करने वाला था, लेकिन त्योहारों के कारण इसे टाल दिया गया था। एनपीसीआई ने कहा था कि इसे दीवाली के तुरंत बाद लगाया जाएगा, हालांकि तारीख अभी तक नहीं बताई गई है। अगर ग्राहक दुकानदार को 2,000 से ज्यादा का यूपीआई पेमेंट करता है, तो दुकानदार को कुल रकम पर 0.4 फीसदी का एमडीआर चार्ज देना होगा। अगर 75,000 का पेमेंट करता है, तो 300 का फ्लैट चार्ज लागू होगा।




## 25 बड़े प्रोजेक्ट में देरी, 2 लाख करोड़ खर्च बढ़ा

● इतने में 4200 स्कूल बनते, 1400 से ज्यादा अस्पताल ● केंद्र सरकार के पैमाना पोर्टल की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** देश की बड़ी परियोजनाओं में देरी अब सरकारी खजाने पर भारी पड़ रही है। केंद्र सरकार के पैमाना पोर्टल की अक्टूबर 2026 की रिपोर्ट के मुताबिक, 1,853 चालू परियोजनाओं की लागत 3.22 लाख करोड़ रुपए बढ़ गई है। सबसे ज्यादा प्रभावित 25 मेगा परियोजनाओं का बजट ही 2.11 लाख करोड़ रुपए बढ़ चुका है। यह कुल लागत-वृद्धि का करीब 65 फीसदी हिस्सा है। यह राशि इतनी बड़ी है कि इससे 50 करोड़ की लागत वाले 4,200 से अधिक स्कूल या 150 करोड़ रुपए वाले 1,400 से ज्यादा अस्पताल बनाए जा सकते थे। इससे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे जैसे दो प्रोजेक्ट भी तैयार हो सकते थे।




**कर्नाटक की हुबली-अंकोला रेल लाइन 30 साल पीछे-** समय-सीमा के मामले में भी स्थिति चिंताजनक है। कर्नाटक की हुबली-अंकोला रेल लाइन इसमें सबसे ऊपर है। इसे मार्च 2005 तक पूरा करना था, लेकिन अब इसका लक्ष्य मार्च 2030 कर दिया गया है यानी परियोजना 25 साल पीछे चली गई है। इसके बाद सुबनसिरी और तपोवन-विष्णुगढ़ जैसी जलविद्युत परियोजनाएं हैं, जिनकी समय-सीमा में 16 साल से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। इसका मतलब यह है कि जिन सुविधाओं का लाभ जनता को एक-दो दशक पहले ही मिल जाना चाहिए था, उनके लिए अभी भी इंतजार करना पड़ रहा है।

### सरकार बदलने से प्राथमिकता बदलती है, फंड में देरी होती है

पीडब्ल्यूडी के पूर्व प्रमुख हरिओम शर्मा के मुताबिक, कई बार लंबे प्रोजेक्ट के दौरान सरकार बदलने से जब नई सरकार की प्राथमिकता बदल जाती है तो फंड जारी होने में दिक्कतें भी आती हैं, उससे प्रोजेक्ट और डिले होते हैं लेकिन अब ऐसे उदाहरण चुनिंदा ही हैं। कुछ मेगा प्रोजेक्ट्स प्रशासनिक और नीतिगत बाधाओं के कारण अटके हैं। अब देश में इंफ्रा प्रोजेक्ट्स दो चरणों में होते हैं। पहले चरण में जमीन अधिग्रहण, पर्यावरण और वन मंजूरियां ली जाती हैं, जबकि दूसरे चरण में निर्माण कार्य शुरू होता है। 2013 के कानून से उचित मुआवजा मिलने के कारण विरोध कम हुआ है। टेंडर में प्रतिस्पर्धा के कारण कई प्रोजेक्ट्स तय बजट से 10-15 फीसदी कम लागत में बन रहे हैं। आने वाले समय में बहुस्तरीय निगरानी की वजह से देरी और लागत बढ़ने की समस्या तेजी से कम होगी।

## रिटायर्ड अफसरों पर भी लागू होगी आचार संहिता

● 5 राज्यों में चुनाव से पहले चुनाव आयोग का फैसला ● कैंपेनिंग से दूर रहना होगा, कहीं पर मीटिंग भी नहीं करेंगे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** चुनाव आयोग ने आचार संहिता को लेकर एक बड़ा फैसला लिया है। इसके तहत आचार संहिता सिर्फ मौजूदा सरकारी कर्मचारियों पर ही नहीं, बल्कि रिटायर होकर फिर से सरकार के लिए काम कर रहे अफसरों और लोगों पर भी लागू होगी। आयोग ने यह फैसला कुछ लोगों पर सरकारी पद के गलत इस्तेमाल की शिकायतों के बाद लिया। अब उन्हें राजनीतिक निष्पक्षता बनाए रखनी होगी और चुनाव प्रचार या कैंपेनिंग से दूर रहना होगा। चुनाव आयोग ने इस फैसले को लेकर गोवा, मणिपुर, पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के मुख्य सचिवों और मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को 9 नवंबर को लेटर भेजा है। आयोग ने चुनाव वाले क्षेत्रों में अधिकारियों के साथ बैठकें और वीडियो कॉन्फ्रेंस करने पर भी रोक लगाई है।




**शिकायतों के बाद आयोग का फैसला-** एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पहले भी ऐसी शिकायतें मिली थीं। इनमें कहा गया था कि राज्य सरकारों से अलग-अलग भूमिकाओं में जुड़े रिटायर्ड अधिकारी चुनाव के दौरान सरकारी अधिकारियों की बैठकें बुलाते हैं। चुनाव आयोग ने कहा कि राज्य सरकारों से जुड़े, नियुक्त या दोबारा नियुक्त किए गए लोगों पर भी सरकारी कर्मचारियों जैसी पाबंदियां लागू होंगी। ये पाबंदियां आचार संहिता लागू रहने तक प्रभावी रहेंगी। आयोग ने निर्देश दिया कि ऐसे लोग किसी विधानसभा क्षेत्र या जिले के चुनाव से जुड़े अधिकारी को आधिकारिक चर्चा या बैठक के लिए नहीं बुला सकते।

यह रोक उन क्षेत्रों में लागू होगी, जहां चुनाव घोषित हो चुके हैं। वे इन अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस या बैठक भी नहीं कर सकते। आयोग ने कहा कि निर्देशों के उल्लंघन में किया गया कोई भी काम या लापरवाही गंभीरता से ली जाएगी। राज्यों को इन निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

**2022 में भी ऐसा हुआ था, लेकिन दायरा छोटा था-** इन्हीं 5 राज्यों के 2022 में चुनाव से पहले आयोग ने कहा था कि जिन अफसरों का कार्यकाल बढ़ाया गया है या जिन्हें फिर से नौकरी दी गई है, उन्हें चुनाव ड्यूटी नहीं दी जाएगी। सिर्फ पीडब्ल्यूडी ऑफिस वालों को छोड़कर। इस बार एजेंसी ने इस आदेश का दायरा बड़ा करके लागू कर दिया है।

## राजस्थान के वीर शासकों की गौरव गाथाओं पर बनेगी फिल्म 'शासक'

### पिक्चर का फर्स्ट लुक जारी, नरेंद्र सिंह मीणा करेंगे निर्देशन, मुख्य भूमिका में दिखेंगे मुकेश चावंडिया

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की धरती ने इतिहास में ऐसे कई वीर शासकों को जन्म दिया, जिनकी वीरता, शौर्य, पराक्रम और युद्ध कौशल की गाथाएं आज भी देशभर में गर्व के साथ सुनाई जाती हैं। अब राजस्थान के इसी गौरवशाली इतिहास को बड़े पर्दे पर जीवंत करने की तैयारी की जा रही है। निर्देशक नरेंद्र सिंह मीणा पहली बार ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित फीचर फिल्म 'शासक' लेकर आ रहे हैं। फिल्म का फर्स्ट लुक जारी कर दिया गया है। इसमें अभिनेता मुकेश चावंडिया मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म को भव्य ऐतिहासिक एक्शन फिल्म के रूप में तैयार किया जा रहा है, जिसके जरिए राजस्थान के वीर शासकों के संघर्ष, साहस और गौरवशाली विरासत को सिनेमाई अंदाज में प्रस्तुत किया जाएगा। मेकर्स ने बताया कि फिल्म 'शासक' का उद्देश्य राजस्थान के इतिहास को दिखाना है।



## अनमोल वचन

कितनी अद्भुत बात है कि जीव किसी भी योनि में हो वह मृत्यु से भय खाता है। मनुष्य योनि में तो इसलिये डरता है कि मृत्यु के पश्चात यह मनुष्य का चोला फिर मिले न मिले। किन्तु निकृष्ट योनियों में तो यह भय होना नहीं चाहिये। इस रहस्य को तो प्रभु ही जाने किन्तु मनुष्य योनि में युवावस्था में तो कुछ आधार इस भय का है भी कि कुछ महत्वपूर्ण कार्य, कुछ पारिवारिक सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करना है। फिर कुछ रचनात्मक कार्य करने की शक्ति, क्षमता और ऊर्जा भी है। फिर कुछ आकांक्षाये भी मन में रहती हैं। उन्हें पूरा करना चाहता है। किन्तु बुढ़ापे में जबकि सब उत्तरदायित्व पूरे हो चुके होते हैं, शरीर की सभी इन्द्रिया और नस नाड़ियाँ साथ देने से इन्कार करने लगती हैं। फिर मृत्यु जो नये जीवन का संदेश है क्यों कष्टप्रद प्रतीत होनी चाहिये। अधिकंशतः मनुष्य अपने द्वारा किये गये पापों से भय खाता है। सोचता है मैंने जो कर्म किये हैं उनके परिणाम स्वरूप संभव है कि अगले जन्म में मनुष्य योनि प्राप्त ही न हो। यदि मनुष्य योनि मिल भी गई तो क्या पता वहाँ जाति, शारीरिक सौंदर्य, आर्थिक स्वरूप इस स्तर का हो न हो। मृत्यु का भय निकालने का इस एक मात्र उपाय है केवल शुभ कर्म ही किये जाये जिससे अगले जन्म में भी कोई अशुभ कर्म का विचार मन में भी न आये।

## दहेज में 20 लाख रुपये और कार की मांग पूरी नहीं हुई तो विवाहिता को बेरहमी से पीटा, गला घोंटकर मारने का प्रयास

मुजफ्फरनगर। दहेज में 20 लाख रुपये और चार पहिया वाहन की मांग पूरी नहीं होने पर विवाहिता का कथित रूप से शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न करने तथा जान से मारने का प्रयास करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोगों ने विवाहिता के साथ सामूहिक रूप से मारपीट की। इस दौरान सास ने उसके गले में पड़े दुपट्टे से गला घोंटकर हत्या करने का प्रयास किया, जबकि जेठानी और ननद ने उसके हाथ पकड़ लिए। जेठ पर विवाहिता के कपड़े फाड़ने का भी आरोप लगाया गया है। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद किसी तरह विवाहिता की जान बच सकी। मामले में महिला थाना पुलिस ने पति, सास-ससुर, जेठ, जेठानी और ननद समेत छह आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तितावी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी विवाहिता की शादी 16 अप्रैल 2025 को बुढ़ाना थाना क्षेत्र के गांव सैनपुर निवासी सूरज के साथ हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार हुई थी। विवाहिता ने महिला थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके परिजनों ने अपनी हैसियत से बढ़कर शादी में करीब 20 लाख रुपये खर्च किए थे। शादी में सोने-चांदी के जेवर, फर्नीचर और घरेलू जरूरत का सभी सामान देने के साथ ही पांच लाख रुपये नकद भी दिए गए थे।

शादी के बाद शुरू हुई अतिरिक्त दहेज की मांग आरोप है कि शादी के बाद पति सूरज राणा, सास शारदा, ससुर प्रमोद, जेठ रवि, जेठानी प्रिया और ननद टीना दिए गए दान-दहेज से संतुष्ट नहीं थे। सभी ने विवाहिता से मायके से 20 लाख रुपये और चार पहिया गाड़ी लाने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। विवाहिता ने अपने ससुराल वालों को बताया कि उसके मायके वालों की आर्थिक स्थिति इतनी अच्छी नहीं है कि वे इतनी बड़ी रकम और गाड़ी दे सकें। इसके बावजूद आरोपियों ने कथित रूप से अपनी मांग जारी रखी और विवाहिता का शारीरिक एवं मानसिक उत्पीड़न किया। विवाहिता ने अपनी शिकायत में ससुर प्रमोद पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह घर में उसके आसपास आते-जाते समय उसके साथ छेड़छाड़ करता था। इस संबंध में जब उसने अपने पति और सास से शिकायत की तो उन्होंने उसका साथ देने के बजाय उसे मुंह बंद रखने की हिदायत दी। विवाहिता का आरोप है कि उसे लगातार प्रताड़ित किया जाता रहा और वह परिवार टूटने के डर से सब कुछ सहन करती रही। मोबाइल फोन पर भी उसके साथ गाली-गलौज करते हुए अतिरिक्त दहेज की मांग दोहराई गई। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि मोबाइल फोन में बातचीत की रिकॉर्डिंग भी मौजूद है।

## गाजियाबाद में 20 वर्षीय आयुष की चाकुओं से गोदकर हत्या, परिवार ने पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

*दो दिन पहले हुआ था विवाद, जेल से छूटकर आने के बाद युवक की हत्या का आरोप; घटना से इलाके में आक्रोश*



गाजियाबाद। थाना विजयनगर क्षेत्र की चरण सिंह कॉलोनी में 20 वर्षीय युवक आयुष की चाकुओं से गोदकर निर्मम हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई, वहीं मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। जानकारी के अनुसार, दो दिन पहले आयुष का सागर और अभिषेक के साथ किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि शिकायत के आधार पर पुलिस ने एकतरफा कार्रवाई करते हुए आयुष को जेल भेज दिया था।

परिजनों का आरोप है कि जेल से छूटकर आने के बाद आज शाम सागर, अभिषेक, किशोरी, रच्चन और बलमा ने मिलकर आयुष पर चाकुओं से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक के परिवार ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस की कथित मिलीभगत और एकतरफा कार्रवाई के चलते आज आयुष को अपनी जान गंवानी पड़ी। परिजनों का आरोप है कि यदि पुलिस ने निष्पक्ष कार्रवाई की होती तो शायद यह घटना नहीं होती।

# भैया दूज पर उमड़ा यात्रियों का सैलाब, बसों और ट्रेनों में पैर रखने तक की जगह नहीं, घंटों इंतजार के बाद भी नहीं मिली सीट

*रोडवेज बस अड्डे से रेलवे स्टेशन तक यात्रियों की भारी भीड़ से चरमराई परिवहन व्यवस्था, महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को उठानी पड़ी सबसे ज्यादा परेशानी; डग्गामार वाहनों का लेना पड़ा सहारा, शहर के प्रमुख चौराहों पर भी लगा जाम*

मुजफ्फरनगर। भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और अटूट रिश्ते का प्रतीक भैया दूज का पर्व जहां घरों में हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया, वहीं अपने भाइयों और बहनों तक पहुंचने के लिए निकले लोगों का सफर काफी मुश्किलों भरा रहा। त्योहार पर यात्रियों की भारी भीड़ के सामने सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था पूरी तरह दबाव में नजर आई। सुबह से ही रोडवेज बस अड्डे से लेकर रेलवे स्टेशन तक यात्रियों का सैलाब उमड़ पड़ा। बसों और रेलगाड़ियों में जगह पाने के लिए लोगों को भारी मशक्कत करनी पड़ी। हालात ऐसे रहे कि कई यात्रियों को घंटों इंतजार करने के बावजूद बैठने की जगह नहीं मिली। मजबूरी में लोगों को खड़े होकर और भीड़ के बीच जोखिम उठाकर सफर करना पड़ा।

बस अड्डे पर सुबह से लगी रही यात्रियों की भीड़

भैया दूज पर यात्रियों की संभावित भीड़ को देखते हुए रोडवेज विभाग की ओर से अतिरिक्त बसें चलाने और विभिन्न मार्गों पर बसों के फेरे बढ़ाने की व्यवस्था की गई थी, लेकिन यात्रियों की संख्या के सामने ये इंतजाम नाकाफी साबित हुए। सुबह से ही रोडवेज बस अड्डे पर यात्रियों की भारी भीड़ जमा होने लगी थी। बस के पहुंचते ही उसमें सवार होने के लिए यात्रियों के बीच होड़ मच जाती थी। हर कोई जल्द से जल्द अपने गंतव्य तक पहुंचने की कोशिश में लगा रहा। कई बसें पहले से ही यात्रियों से खचाखच भरी हुई पहुंचीं। बस अड्डे पर खड़े यात्रियों को बस में चढ़ने तक के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। सीट पाने की उम्मीद में लोग एक बस से दूसरी



बस की ओर दौड़ते दिखाई दिए। अतिरिक्त बसों और फेरे बढ़ाने के बावजूद यात्रियों को राहत नहीं मिल सकी।

महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा परेशानी

त्योहार पर परिवार के साथ यात्रा करने वाले लोगों को सबसे अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ा। महिलाओं, छोटे बच्चों और बुजुर्गों के लिए भीड़भरी बसों में चढ़ना और उतरना किसी चुनौती से कम नहीं रहा। कई परिवारों को बसों में बैठने की जगह नहीं मिली, जिसके चलते उन्हें काफी देर तक बस अड्डे पर इंतजार करना पड़ा। कुछ यात्रियों ने मजबूरी में खड़े होकर ही अपनी यात्रा पूरी की। रोडवेज बसों में जगह नहीं मिलने के कारण अनेक यात्रियों को निजी और डग्गामार वाहनों का सहारा लेना पड़ा। छोटे वाहनों में भी क्षमता से अधिक सवारियां बैठाई गईं। इसके बावजूद लोग किसी तरह अपने गंतव्य तक पहुंचने की कोशिश करते नजर आए। आसपास के गांवों और कस्बों में जाने वाले कई लोगों ने दोपहिया वाहनों से यात्रा करना बेहतर समझा। हालांकि दूरदराज के क्षेत्रों और दूसरे शहरों में जाने वाले यात्रियों के सामने परिवहन के सीमित विकल्प होने के कारण परेशानी बनी रही। रोडवेज बस अड्डे की तरह रेलवे स्टेशन पर भी भैया दूज के चलते यात्रियों की भारी भीड़ देखने को मिली। सामान्य दिनों की अपेक्षा रेलगाड़ियों में कहीं अधिक यात्री नजर आए। विशेष रूप से सामान्य श्रेणी के डिब्बों में पैर रखने तक की जगह नहीं बची। ट्रेन के प्लेटफार्म पर पहुंचते ही यात्रियों की भीड़ दरवाजों पर उमड़ पड़ी। डिब्बों में प्रवेश करने के लिए यात्रियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी।परिवार के साथ सफर कर रहे लोगों को बच्चों और बुजुर्गों को संभालते हुए ट्रेन में चढ़ना पड़ा। कई यात्रियों को अपनी बारी का इंतजार करना पड़ा, जबकि कुछ लोग डिब्बों में जगह नहीं मिलने के कारण परेशान दिखाई दिए। त्योहार पर अपनों से मिलने की जल्दी और सीमित जगह के कारण रेलवे स्टेशन पर भी पूरे दिन गहमागहमी बनी रही।

शिव चौक से भगत सिंह रोड तक यातायात प्रभावित

त्योहार की वजह से शहर की यातायात व्यवस्था पर भी खासा दबाव रहा। बाजारों में खरीदारी और लोगों की आवाजाही बढ़ने से प्रमुख चौराहों और व्यस्त मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लगती रहीं।

## भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का पर्व भैया दूज धूमधाम से मनाया

*बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक कर की दीर्घायु की कामना, भाइयों ने बहनों को उपहार देकर निभाया रक्षा का संकल्प; घरों से लेकर बाजारों तक रही पर्व की रौनक*

मुजफ्फरनगर। भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का प्रतीक भैया दूज का पर्व जनपद में हर्षोल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही घरों में पर्व की तैयारियां शुरू हो गई थीं। बहनों ने पूजा की थाली सजाकर अपने भाइयों के माथे पर तिलक किया और उनकी लंबी आयु, सुख-समृद्धि तथा खुशहाल जीवन की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट कर उनकी रक्षा और हर परिस्थिति में साथ निभाने का वचन दिया। सुबह से घरों में शुरू हुई पर्व की तैयारियां भैया दूज को लेकर महिलाओं और युवतियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। बहनों ने स्नान के बाद नए अथवा साफ-सुथरे वस्त्र धारण कर पूजा की तैयारी की। पूजा की थाली में रोली, अक्षत, मिठाई, दीपक और अन्य पूजन



सामग्री सजाई गई। शुभ मुहूर्त में बहनों ने भाइयों को तिलक लगाकर उनकी सुख-समृद्धि और लंबी उम्र के लिए प्रार्थना की।

मिठाई खिलाकर साझा कीं खुशियां

तिलक की रस्म के बाद बहनों ने भाइयों को मिठाई खिलाई और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार और शगुन देकर पर्व की खुशियां दोगुनी कर दीं। जिन बहनों के भाई दूसरे शहरों में रहते हैं, उन्होंने फोन और वीडियो कॉल के माध्यम से शुभकामनाएं देकर पर्व मनाया।

बाजारों में भी दिखाई दी पर्व की रौनक

भैया दूज के अवसर पर बाजारों में भी विशेष चहल-पहल देखने को मिली। मिठाई की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ रही। उपहार, कपड़े और पूजन सामग्री की दुकानों पर भी खरीदारी का सिलसिला चलता रहा। मिठाइयों और उपहारों की खरीदारी के लिए लोग बाजारों में पहुंचे। पर्व के चलते बाजारों में त्योहार जैसा माहौल बना रहा।

परिवारों में बढ़ा प्रेम और अपनत्व का भाव

भैया दूज केवल तिलक लगाने और उपहार देने का पर्व नहीं, बल्कि भाई-बहन के रिश्ते में प्रेम, विश्वास और जिम्मेदारी को मजबूत करने का अवसर भी है। इस पर्व पर विवाहित बहनें भी अपने मायके पहुंचीं और भाइयों के साथ समय बिताकर पुरानी यादें ताजा कीं। परिवार के सदस्यों ने एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं। पूरे जनपद में भैया दूज का त्योहार उल्लास, उमंग और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया।

## अमूल ने बढ़ाए दूध के दाम, 12 नवंबर से नई कीमतें होंगी लागू



नई दिल्ली। देश की प्रमुख डेयरी कंपनी 'अमूल' ने ताजा दूध की कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान किया है। गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (जीसीएमएमएफ) ने बताया कि 12 नवंबर 2026 से देशभर में अमूल के प्रमुख दूध उत्पादों की कीमतों में लगभग 4 से 5 प्रतिशत तक की वृद्धि की जाएगी। फेडरेशन के अनुसार, सबसे अधिक बिकने वाले अमूल ताजा टोंड दूध (3 प्रतिशत फैट) की कीमत में 2 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है, जो लगभग 3.3 प्रतिशत की वृद्धि है। वहीं अमूल गोल्ड दूध (6 प्रतिशत फैट) के दाम 4 रुपए प्रति लीटर बढ़ाए गए हैं, जो करीब 5.5 प्रतिशत की वृद्धि है। अमूल ने कहा कि दूध उत्पादन और प्रोसेसिंग की लागत में लगातार बढ़ोतरी के कारण कीमतें बढ़ाने का फैसला लिया गया है। कंपनी के मुताबिक, पिछले एक वर्ष में हरे और सूखे चारे, पशु आहार में इस्तेमाल होने वाले तेल खली (ऑयल केक), मक्का, शीरा (मोलासेस), दूध पैकेजिंग फिल्म और ईंधन की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

अमूल ने बताया कि गुजरात सहित देश के कई हिस्सों में कम और असमान बारिश के कारण डेयरी किसानों को मुश्किल परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे हालात में उत्पादकों को बेहतर भुगतान देने और उनका समर्थन करने के लिए दूध की उपभोक्ता कीमतों में संशोधन करना आवश्यक हो गया है। फेडरेशन के अनुसार, अमूल से जुड़े सदस्य दुग्ध संघों ने पिछले एक साल में किसानों को दिए जाने वाले दूध खरीद मूल्य में 4 से 5 प्रतिशत की वृद्धि की है। ताजा मूल्य संशोधन से किसानों को और बेहतर भुगतान मिल सकेगा।

अमूल ने कहा कि सहकारी ढांचे के तहत उपभोक्ताओं से प्राप्त कुल राजस्व का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा उसके 36 लाख दुग्ध उत्पादक किसानों को वापस दिया जाता है। कंपनी ने स्पष्ट किया कि दूध की बिक्री कीमत में हुई बढ़ोतरी का बड़ा हिस्सा सीधे किसानों तक पहुंचेगा, जिससे उन्हें अधिक दूध उत्पादन के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

## ऑपरेशन सवेरा के तहत नई मंडी पुलिस की मुठभेड़, 22 किलो गांजे के साथ तस्कर आशीष गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

*भोपा रोड पर पुलिस चेकिंग के दौरान बाइक से यू-टर्न लेकर भागने लगा आरोपी, घेराबंदी पर पुलिस टीम पर झोंका फायर; जवाबी कार्रवाई में घायल हुआ बदमाश, तमंचा, खोखा कारतूस और बाइक बरामद*

मुजफ्फरनगर।;जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नई मंडी कोतवाली पुलिस ने ऑपरेशन सवेरा के अंतर्गत बड़ी कार्रवाई की है। थाना प्रभारी निरीक्षक आनंद देव मिश्रा के नेतृत्व में चेकिंग कर रही पुलिस टीम की भोपा रोड पर गांजा तस्कर से मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान आशीष पुत्र रामबीर निवासी अमित विहार, कुकड़ा के रूप में हुई है। उसके कब्जे से करीब 22 किलो अवैध गांजा, एक मोटरसाइकिल, देसी तमंचा और खोखा कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस आरोपी के आपराधिक इतिहास और गांजा तस्करी के नेटवर्क की जानकारी जुटाने में लगी है।

भोपा रोड पर चेकिंग के दौरान पुलिस को देखकर भागने लगा बाइक सवार

सीओ नई मंडी राजू कुमार साव ने बताया कि ऑपरेशन सवेरा अभियान के तहत थाना नई मंडी प्रभारी निरीक्षक आनंद देव मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान भोपा रोड की ओर से तेज गति से एक बाइक सवार आता दिखाई दिया। पुलिस टीम को चेकिंग करते देखकर बाइक सवार ने अचानक यू-टर्न लिया और मौके से भागने का प्रयास करने लगा। तेज गति के कारण उसकी बाइक फिसलकर गिर



गई। इसके बाद पुलिस टीम ने घेराबंदी करते हुए उसे रोकने का प्रयास किया।

पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से किया फायर

पुलिस के अनुसार घिरता देखकर आरोपी ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस-ाकर्मियों ने अपना बचाव करते हुए जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस की गोली बदमाश के पैर में जा लगी, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस टीम ने तत्काल उसे अपने कब्जे में ले लिया। मुठभेड़ के बाद घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया।

पूछताछ में आशीष के रूप में हुई पहचान, 22 किलो गांजा बरामद

पुलिस द्वारा पकड़े गए घायल बदमाश से पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम आशीष पुत्र रामबीर निवासी अमित विहार, कुकड़ा बताया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से करीब 22 किलो अवैध गांजा बरामद हुआ। इसके अलावा एक देसी तमंचा, खोखा कारतूस और एक मोटरसाइकिल भी बरामद की गई। इतनी बड़ी मात्रा में गांजे की बरामदगी के बाद पुलिस आरोपी से नशे के अवैध कारोबार से जुड़े लोगों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

सीओ नई मंडी राजू कुमार साव ने दी कार्रवाई की जानकारी

सीओ नई मंडी राजू कुमार साव ने बताया कि ऑपरेशन सवेरा अभियान के तहत नई मंडी पुलिस चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान भोपा रोड की तरफ से तेज गति से आ रहा बाइक सवार पुलिस को देखकर यू-टर्न लेकर भागने लगा। बाइक फिसलने के बाद पुलिस ने उसे घेरकर रोकने का प्रयास किया तो आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से आरोपी घायल हो गया। उसकी पहचान आशीष पुत्र रामबीर निवासी अमित विहार, कुकड़ा के रूप में हुई है। आरोपी के कब्जे से करीब 22 किलो गांजा, देसी तमंचा, खोखा कारतूस और मोटरसाइकिल बरामद हुई है।

गांजा कहां से लाया, किन लोगों को करनी थी सप्लाई, जांच में जुटी पुलिस

आरोपी के पास से करीब 22 किलो गांजा मिलने के बाद पुलिस अब तस्करी के पूरे नेटवर्क की पड़ताल कर रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आशीष गांजा कहां से खरीदकर लाया था और इसकी सप्लाई कहां की जानी थी। उसके साथ इस अवैध कारोबार में कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं और गांजा तस्करी के लिए किन रास्तों का इस्तेमाल किया जा रहा था, इसकी भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस आरोपी के पुराने आपराधिक रिकॉर्ड को भी खंगाल रही है। आनंद देव मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस की कार्रवाई

थाना नई मंडी प्रभारी निरीक्षक आनंद देव मिश्रा के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई को मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। एसएसपी सूरज कुमार राय के निर्देशन में जनपद में अपराधियों और नशे के अवैध कारोबारियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल लोगों को चिह्नित कर उनके खिलाफ प्रभावी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

## किराया मांगने पर बस कंडक्टर पर ब्लेड से जानलेवा हमला, जांघ पर वार कर किया लहूलुहान

*मीरापुर से मेरठ जा रही लोकल बस में किराये को लेकर हुआ विवाद, पुट्ठी इब्राहिमपुर बस अड्डे पर यात्री ने किया हमला*

मुजफ्फरनगर। रामराज थाना क्षेत्र के गांव पुट्ठी इब्राहिमपुर में बस का किराया मांगना एक कंडक्टर को भारी पड़ गया। किराया देने को लेकर हुए विवाद में बस में सफर कर रहे एक यात्री ने कंडक्टर पर ब्लेड से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। आरोपी ने जान से मारने की नीयत से कंडक्टर पर वार किया। बचने के प्रयास में ब्लेड उसकी जांघ पर जा लगा, जिससे वह लहूलुहान हो गया। घटना के बाद बस में सवार यात्रियों और मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी बस से उतरकर भागने लगा, लेकिन ग्रामीणों और मौके पर पहुंची पुलिस ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। घायल कंडक्टर को रामराज के एक निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है। जानकारी के अनुसार मेरठ के नई सड़क निवासी अनिल पुत्र महेंद्र प्रकाश बिजनौर-मीरापुर से मेरठ के बीच चलने वाली लोकल बस में कंडक्टर का काम करता है। बुधवार दोपहर बस मीरापुर



से मेरठ के लिए रवाना हुई थी। इसी दौरान मीरापुर स्थित थावर वाली मस्जिद के पास से गांव कैथोड़ा निवासी तनवीर पुत्र सलीम बस में सवार हुआ। बस अपने गंतव्य की ओर बढ़ रही थी। इसी बीच कंडक्टर अनिल यात्रियों से किराया लेने लगा। कंडक्टर अनिल के अनुसार जब वह किराया लेने के लिए तनवीर के पास पहुंचा तो उसने किराया देने से इनकार कर दिया। अनिल ने यात्री से बस का किराया देने का आग्रह किया, जिस पर वह नाराज हो गया और उसके साथ गाली-गलौज करने लगा। दोनों के बीच कहासुनी होती रही।

## उत्तर प्रदेश भाजपा ने घोषित किए विधानसभा प्रभारी: मुजफ्फरनगर की पांचों सीटों की जिम्मेदारी तय, शामली की तीनों सीटों पर भी नियुक्तियां

## सहारनपुर की बेहट सीट की कमान रामकुमार सहरावत को सौंपी

लखनऊ/मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी की संस्तुति के बाद प्रदेश भाजपा ने जारी की विधानसभा प्रभारियों की सूची, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर, शामली, मेरठ, सहारनपुर और मुरादाबाद समेत कई जिलों में संगठनात्मक जिम्मेदारियां सौंपी गईं। भाजपा प्रदेश कार्यालय से जारी पत्र में स्पष्ट किया गया है कि प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की संस्तुति के बाद विधानसभा प्रभारियों की घोषणा की गई है। उपलब्ध सूची में क्रमांक 32 से 62 तक की प्रविष्टियां दिखाई गई हैं। इसलिए इसे प्रदेश के सभी विधानसभा प्रभारियों की संपूर्ण सूची नहीं, बल्कि जारी सूची का उपलब्ध हिस्सा माना जाना चाहिए। मुजफ्फरनगर और शामली की सभी आठ विधानसभा सीटों पर नियुक्तियों के साथ ही मेरठ, मुरादाबाद, रामपुर और संभल में भी संगठनात्मक जिम्मेदारियां तय की गई हैं। अब इन पदाधिकारियों के सामने अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी संगठन को सक्रिय रखने और प्रदेश नेतृत्व की अपेक्षाओं के अनुरूप काम करने की जिम्मेदारी होगी। उत्तर प्रदेश में आगामी राजनीतिक और संगठनात्मक गतिविधियों को धार देने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने विधानसभा स्तर पर प्रभारियों की नियुक्तियों की घोषणा की है। भाजपा उत्तर प्रदेश के प्रदेश कार्यालय, लखनऊ से 11 नवंबर 2026 को जारी सूची के अनुसार प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की संस्तुति के उपरांत विधानसभा प्रभारियों के नाम घोषित किए गए हैं। इस सूची में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई महत्वपूर्ण जिलों को शामिल किया गया है। मुजफ्फरनगर जिले की सभी पांच विधानसभा सीटों पर अलग-अलग प्रभारियों की जिम्मेदारी तय की गई है। इनमें चरथावल विधानसभा क्षेत्र से प्रमोद सैनी अट्टा, पुरकाजी (सु.) से सत्येंद्र भराला, मुजफ्फरनगर सदर से विमल शर्मा, खतौली से साहब सिंह पुंडीर और मीरापुर से अंकुर मुखिया को विधानसभा प्रभारी बनाया गया है। इस तरह जिले की सभी पांचों सीटों पर संगठनात्मक जिम्मेदारी सौंपकर भाजपा ने विधानसभा स्तर पर अपनी तैयारियों को व्यवस्थित करने का संकेत दिया है। विधानसभा प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में पार्टी संगठन और कार्यकताओं के बीच समन्वय स्थापित करने तथा निर्धारित संगठनात्मक



कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। भाजपा की ओर से जारी सूची में शामली जिले की तीनों विधानसभा सीटों के प्रभारी भी घोषित किए गए हैं। कैराना विधानसभा क्षेत्र की जिम्मेदारी सत्यपाल पाल को सौंपी गई है, जबकि थानाभवन विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी राजपाल सिंह गुर्जर को बनाया गया है। शामली विधानसभा क्षेत्र में हेमंत अरोड़ा को प्रभारी नियुक्त किया गया है। शामली जिले की तीनों सीटों पर अलग-अलग पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दिए जाने को संगठन की क्षेत्रवार कार्ययोजना का हिस्सा माना जा रहा है। इन नियुक्तियों के माध्यम से पार्टी स्थानीय स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों, कार्यकताओं के साथ संपर्क और विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी के कार्यक्रमों के संचालन को मजबूत करने की दिशा में काम कर सकेगी। मेरठ जिले और महानगर की सात सीटों पर भी नियुक्तियां

भाजपा की सूची में मेरठ जिले और मेरठ महानगर की विधानसभा सीटों के प्रभारी भी शामिल हैं। मेरठ जिला क्षेत्र की सिवालखास विधानसभा सीट पर दिनेश सिवाच, सरधना पर राकेश जैन, हस्तिनापुर (सु.) पर जितेंद्र चितौड़ा और किठौर पर डॉ. अशोक नागर को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं मेरठ महानगर की तीन विधानसभा सीटों में मेरठ कैंट का प्रभारी के.के. शुक्ला, मेरठ शहर का प्रभारी राजेश त्यागी और मेरठ दक्षिण का प्रभारी हरीश अहलावत को बनाया गया है। इस प्रकार सूची में मेरठ जिले और महानगर की कुल सात विधानसभा सीटों के प्रभारी घोषित किए गए हैं।

मुरादाबाद जिले की कांठ विधानसभा सीट पर डॉ. वीरपाल सिंह, ठाकुरद्वारा पर राजकुमार चौहान, कुंदरकी पर अमय गुप्ता और बिलारी पर पंकज गुप्ता को प्रभारी बनाया गया है। मुरादाबाद महानगर की मुरादाबाद ग्रामीण विधानसभा सीट की जिम्मेदारी ओमवीर खड़गवंशी को और मुरादाबाद नगर की जिम्मेदारी महेंद्र धनोरिया को सौंपी गई है। रामपुर जिले की पांच विधानसभा सीटों पर भी नियुक्तियां की गई हैं। स्वार विधानसभा सीट पर संजय शर्मा, चमरौआ पर राहुल शर्मा, बिलासपुर पर दिनेश सिसोदिया, रामपुर पर राकेश सिंह और मिलक (सु.) पर राजन विश्नोई को प्रभारी बनाया गया है। संभल जिले की चंदौसी (सु.) विधानसभा सीट पर दिनेश ठाकुर, असमोली पर वीरेंद्र चौधरी, संभल पर बृजेश चौधरी और गुन्नौर विधानसभा क्षेत्र में रविंद्र राजौरा को प्रभारी नियुक्त किया गया है।

## भोपा क्षेत्र में जंगली चोरों का तांडव: कसौली के बाद अब बरुकी में सरकारी नलकूप पर धावा, केबिल और स्टार्टर चोरी, पुलिस में मामला दर्ज

*क्षेत्र में जंगल में नलकूपों पर लगातार चोरियों से ग्रामीणों में रोष*



मोरना (मुजफ्फरनगर)। भोपा थाना क्षेत्र के अंतर्गत चोरों के हौसले बुलंद हैं। कसौली गांव में बीते शनिवार की रात आधा दर्जन किसानों के नलकूपों में हुई भीषण चोरी का पुलिस अभी सुराग भी नहीं लगा पाई थी कि चोरों ने सोमवार की रात बरुकी गांव स्थित राजकीय नलकूप को निशाना बना डाला। शातिर चोरों ने सरकारी नलकूप के कोठरे में तोड़फोड़ करते हुए वहां रखा महंगा स्टार्टर और केबिल चोरी कर लिया। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से किसानों और ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है। कसौली में छह किसानों के ट्यूबवेल से हुई थी चोरी

गौरतलब है कि भोपा थाने की बरुकी चौकी क्षेत्र के ग्राम कसौली में बीते शनिवार की रात अज्ञात चोरों ने जमकर तांडव मचाया था। चोरों ने किसान रियासत पुत्र अब्दुल करीम, कामिल पुत्र जमाल, बुदेसवरा पुत्र छोटन, इस्तकार पुत्र शब्बीर तथा शाने आलम पुत्र मुस्तफा के नलकूपों के ताले व दीवार तोड़कर अंदर दाखिल हुए थे। वहां से चोर हजारों रुपये कीमत के केबिल, स्टार्टर, कटआउट व अन्य सामान चुराकर ले गए थे। इस घटना के बाद किसानों ने पुलिस से गुहार लगाई थी, लेकिन पुलिस अभी तक चोरों तक पहुंचने में नाकाम रही थी।

सोमवार रात बरुकी के राजकीय नलकूप को बनाया निशाना

पुलिस की ढिलाई का फायदा उठाते हुए दुस्साहसी चोरों ने सोमवार की रात ग्राम बरुकी में स्थित राजकीय नलकूप (संख्या 63 एमजी) पर धावा बोल दिया। चोरों ने नलकूप के कमरे में जमकर तोड़फोड़ की और अंदर लगा भारी-भरकम स्टार्टर तथा केबिल उखाड़कर ले गए। मंगलवार सुबह जब घटना की जानकारी हुई, तो मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। नलकूप में तोड़फोड़ और सामान चोरी होने के कारण सिंचाई व्यवस्था भी ठप हो गई है। ऑपरेटर ने थाने में दी तहरीर, कार्रवाई की मांग

घटना का पता चलते ही राजकीय नलकूप चालक अतुल कुमार ने तुरंत पुलिस को सूचित किया और भोपा थाने पहुंचकर अज्ञात चोरों के खिलाफ लिखित तहरीर दी। क्षेत्र के किसानों का कहना है कि नलकूपों से लगातार हो रही केबिल व सामान की चोरी के कारण उनकी फसलों की सिंचाई प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि बरुकी और कसौली में हुई चोरी की घटनाओं का जल्द से जल्द खुलासा कर गश्त बढ़ाई जाए।

रॉयल बुलेटिन
स्वामी, मु



रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
गुरूवार 12 नवम्बर 2026 पृष्ठ 3



# ई-रिक्शा चालक की हत्या का 48 घंटे में खुलासा, पुलिस मुठभेड़ में दो बदमाशों को लगी गोली, तीन गिरफ्तार

**विश्वकर्मा चौक से बाकरनगर जाने के लिए बुक किया था ई-रिक्शा, जंगल में चालक के हाथ-पैर बांधकर मुंह में कपड़ा ठूंसकर की थी हत्या; शव ईख के खेत में फेंककर ई-रिक्शा और मोबाइल लूटा**

मुजफ्फरनगर। शहर के ई-रिक्शा चालक मोहम्मद शमीम की हत्या कर ई-रिक्शा और मोबाइल लूटने की सनसनीखेज वारदात का सिविल लाइन पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान दो आरोपियों को गोली लगने के बाद घायल अवस्था में गिरफ्तार किया, जबकि उनके एक अन्य साथी को घेराबंदी कर दबोच लिया। गिरफ्तार तीनों आरोपी थाना भोपा क्षेत्र के गांव रसूलपुर के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मृतक का लूटा गया ई-रिक्शा, मोबाइल फोन, वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू, दो अवैध तमंचे, कारतूस और खोखे बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी ई-रिक्शा बुक कराने के बहाने चालकों को सुनसान स्थानों पर ले जाते थे और वहां लूटपाट कर ई-रिक्शा के पुर्जे तथा बैटरियां बेच देते थे।

विश्वकर्मा चौक से बाकरनगर जाने के लिए बुक किया था ई-रिक्शा

एसपी सिटी अमृत जैन के अनुसार थाना सिविल लाइन क्षेत्र के हाजीपुरा सरवट निवासी मोहम्मद शमीम पुत्र बाबू ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। छह नवंबर को आरोपियों ने मुजफ्फरनगर के विश्वकर्मा चौक से ग्राम बाकरनगर जाने के लिए उसका ई-रिक्शा बुक किया था। आरोपियों की नीयत पहले से ही ई-रिक्शा लूटने की थी। उन्होंने चालक को अपने भरोसे में लिया और उसे बाकरनगर की ओर चलने के लिए कहा। इसके बाद वे ई-रिक्शा को ग्राम जटमुझेडा और बाकरनगर जाने वाले मार्ग पर स्थित सुनसान जंगल की ओर ले गए। पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि सुनसान जंगल में पहुंचने के बाद आरोपियों ने ई-रिक्शा चालक मोहम्मद शमीम के हाथ-पैर बांध दिए। इसके बाद उसके मुंह में कपड़ा ठूंस दिया, जिससे वह शोर न मचा सके। आरोपियों ने उसकी हत्या कर दी और शव को ईख के खेत में फेंक दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मृतक का ई-रिक्शा और मोबाइल फोन लेकर मौके से फरार हो गए। एक ई-रिक्शा चालक की इस तरह हत्या किए जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। आठ नवंबर को थाना नई मंडी पुलिस



को ग्राम जटमुझेडा के जंगल में बाकरनगर मार्ग पर एक खेत में अज्ञात व्यक्ति का शव पड़े होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही एसपी सिटी अमृत जैन, सहायक पुलिस अधीक्षक एवं सीओ सिटी सिद्धार्थ के. मिश्रा तथा एफएसएल टीम मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और फॉरेंसिक टीम ने जरूरी साक्ष्य जुटाए। शव की शिनाख्त कराने पर मृतक की पहचान हाजीपुरा सरवट निवासी ई-रिक्शा चालक मोहम्मद शमीम के रूप में हुई। मृतक के परिजनों की तहरीर के आधार पर थाना सिविल लाइन में मुकदमा अपराध संख्या 290/2026 धारा 103(1) और 309 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारियों ने हत्याकांड के शीघ्र खुलासे के लिए अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया। हत्याकांड के खुलासे के लिए सिविल लाइन पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने घटनास्थल से लेकर ई-रिक्शा बुक किए जाने वाले स्थान और आसपास के मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। पुलिस ने 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग देखी। इसके साथ ही सर्विलांस, तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय स्तर पर जुटाई गई जानकारी के आधार पर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास किया गया। लगातार जांच और सुराग जुटाने के बाद पुलिस टीम आरोपियों तक पहुंचने में सफल रही। पुलिस के अनुसार, दस नवंबर को थाना सिविल लाइन पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम संधावली अंडरपास के पास संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान संधावली अंडरपास की तरफ से मेरठ-रुड़की रोड की ओर एक ई-रिक्शा पर सवार होकर तीन संदिग्ध व्यक्ति आते दिखाई दिए। पुलिस टीम ने उन्हें रुकने का इशारा किया तो वे घबरा गए और ई-रिक्शा मोड़कर भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस टीम ने उनका पीछा किया तो आरोपियों ने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें दो आरोपी गोली लगने से घायल हो गए। तीसरे आरोपी को पुलिस टीम ने घेराबंदी कर मौके से गिरफ्तार कर लिया।

# दतियाना जाने के लिए ई-रिक्शा बुक कर चालक को खेत में ले गए चार बदमाश, हाथ-पैर बांधकर बेरहमी से पीटा

*भोपा पुल के पास रात डेढ़ बजे दिया वारदात को अंजाम, मोबाइल भी गायब, किसी तरह बंधनमुक्त होकर घर पहुंचा चालक, चार दिन बाद पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा*

मुजफ्फरनगर। नई मंडी थाना क्षेत्र में भोपा पुल के पास चार अज्ञात लोगों ने ई-रिक्शा चालक को किराये पर ले जाने के बहाने रोक लिया। आरोप है कि किराये को लेकर कहासुनी होने पर आरोपी चालक को धक्का देकर खेत में ले गए और जान से मारने की नीयत से उसके साथ मारपीट की। इसके बाद आरोपियों ने चालक के हाथ-पैर बांध दिए और मौके से फरार हो गए। किसी तरह शोर मचाने पर वहां से गुजर रहे राहगीरों ने चालक को बंधनमुक्त कराया। घटना के दौरान चालक का मोबाइल भी गायब हो गया। पीड़ित की तहरीर पर नई मंडी पुलिस ने चार अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांधीनगर कूकड़ा निवासी ट्विंकल पुत्र सतवीर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि चार नवंबर 2026 की रात करीब डेढ़ बजे वह अपनी ई-रिक्शा लेकर भोपा पुल की तरफ जा रहा था। वहां पहले से चार व्यक्ति खड़े थे। उन्होंने हाथ देकर उसकी ई-रिक्शा रुकवाई और दतियाना जाने के लिए 300 रुपये किराये में तय कर लिया। पीड़ित के अनुसार, कुछ दूरी आगे चलने पर चारों में से एक व्यक्ति ने उससे कहा कि वह ज्यादा किराया ले रहा है। इस पर उसने निर्धारित किराया ही होने की बात कही। आरोप है कि इसी बात को लेकर आरोपियों ने ई-रिक्शा रुकवा दी और उसे धक्का देकर सड़क किनारे खेत की तरफ ले गए। वहां चारों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से हमला करते हुए उसके हाथ-पैर बांध दिए और उसे वहीं छोड़कर फरार हो गए। ट्विंकल ने बताया कि आरोपियों के जाने के बाद उसने किसी तरह शोर मचाया। उसकी आवाज सुनकर वहां से गुजर रहे राहगीर मौके पर पहुंचे और उसे बंधनमुक्त कराया। पीड़ित के अनुसार, घटना के दौरान उसका मोबाइल फोन भी गायब हो गया। इसके बाद वह किसी तरह अपनी ई-रिक्शा लेकर घर पहुंचा।

डर के कारण तत्काल नहीं दी पुलिस को सूचना

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि घटना के बाद वह काफी डरा और सहमा हुआ था। उसने उसी दिन पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई और घर पर ही अपना उपचार करता रहा। कई दिन तक भयभीत रहने के बाद स्वस्थ होने पर वह थाने पहुंचा और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए तहरीर दी। चार अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज नई मंडी पुलिस ने ट्विंकल की तहरीर के आधार पर चार अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

# बेटे की जिंदगी बचाने की मन्नत में जलाई अखंड ज्योत से कारोबारी के मकान में लगी भीषण आग, मंदिर का कमरा जलकर राख

*दिवाली की रात पटाखे छुड़ाते समय झुलस गया था कारोबारी का बेटा, निजी अस्पताल में चल रहा उपचार*

मुजफ्फरनगर। बेटे की सलामती के लिए मंदिर में जलाई गई अखंड ज्योत एक कारोबारी परिवार के लिए बड़ी मुसीबत का कारण बन गई। दिवाली की रात पटाखे छुड़ाते समय झुलसे बेटे के जल्द स्वस्थ होने की कामना लेकर परिवार ने घर के मंदिर में अखंड ज्योत प्रज्वलित की थी, लेकिन बुधवार सुबह इसी ज्योत से मकान की पहली मंजिल पर बने मंदिर वाले कमरे में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे कमरे को अपनी चपेट में ले लिया। कमरे में रखा सामान आग की लपटों में घिरकर जलने लगा। मकान से धुआं और आग की लपटें उठती देख परिवार में चीख-पुकार और अफरातफरी मच गई। सूचना पर दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने कई घंटे तक कड़ी मशक्कत करते हुए आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन मंदिर वाले कमरे में रखा सामान जलकर राख हो गया। बेटे का उपचार अभी एक निजी अस्पताल में चल रहा है। यह घटना नई मंडी थाना क्षेत्र में माड़ी की धर्मशाला के पास स्थित कारोबारी एमके गुप्ता के मकान में हुई। बताया गया कि दिवाली की रात उनके 34 वर्षीय बेटे के पटाखे छुड़ाते समय झुलसने की घटना हुई थी। हादसे के बाद परिवार के लोग काफी परेशान थे। बेटे को उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया,



जहां उसका इलाज जारी है। परिवार लगातार उसके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहा था। इसी बीच बेटे की सलामती के लिए मकान की पहली मंजिल पर बने घरेलू मंदिर में अखंड ज्योत जलाई गई थी। परिवार को उम्मीद थी कि धार्मिक आस्था और प्रार्थना के साथ उनका बेटा जल्द स्वस्थ होकर घर लौटेगा। बुधवार सुबह करीब सात बजे परिवार के लिए एक और मुसीबत खड़ी हो गई। मकान की पहली मंजिल पर बने मंदिर वाले कमरे में जल रही अखंड ज्योत से आग लगने की बात सामने आई।

शुरूआती स्तर पर लगी आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया। कमरे में मौजूद सामान आग की चपेट में आ गया और लपटें तेजी से फैलने लगीं। अचानक कमरे से धुआं निकलता और आग की लपटें उठती देखकर परिवार के लोगों में हड़कंप मच गया। घर में मौजूद लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग के तेजी से फैलने के कारण उस पर काबू पाना मुश्किल हो गया। आग की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं।

# 13.10 लाख रुपये लेकर भी नहीं कराया प्लॉट का बैनामा, दूसरे को बेचकर हड़पी रकम, तीन महिलाओं-पुरुषों समेत चार के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा

*चित्तौड़ा गांव में 295.803 वर्गमीटर के प्लॉट का 13.10 लाख रुपये में हुआ था सौदा, खरीदार ने अलग-अलग तारीखों में नकद और पेटीएम से दिए थे रुपये, पुलिस थाने में समझौते के बावजूद दूसरे के नाम कर दिया प्लॉट का बैनामामचा हड़कंप*

मुजफ्फरनगर। प्लॉट बेचने के नाम पर लाखों रुपये लेने और बाद में उसी संपत्ति को किसी दूसरे व्यक्ति के हाथों बेच देने का मामला सामने आया है। किदवई नगर निवासी एक व्यक्ति ने चित्तौड़ा गांव में स्थित 295.803 वर्गमीटर के प्लॉट का सौदा 13 लाख 10 हजार रुपये में तय किया था। आरोप है कि प्लॉट मालिकों ने अलग-अलग तारीखों में उससे नकद और ऑनलाइन माध्यम से कुल 11 लाख 10 हजार रुपये प्राप्त कर लिए, लेकिन निर्धारित समय में उसके नाम बैनामा नहीं कराया। इतना ही नहीं, आरोपियों ने कथित रूप से उसी प्लॉट का बैनामा दूसरी महिला के नाम कर दिया। पीड़ित को जब इसकी जानकारी हुई और उसने अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपियों ने पैसे लौटाने से इनकार कर दिया। पीड़ित की शिकायत पर जानसठ पुलिस ने धोखाधड़ी सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। किदवई नगर निवासी अफरोज पुत्र आले नबी ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि वह मूल रूप से गांव चित्तौड़ा थाना जानसठ का रहने वाला है। उसके पैतृक गांव के रहने वाले सादा उर्फ शहजाद पुत्र बुंदी और शमा हैदर पुत्र नवाब हैदर जून 2022 में उसके किदवई नगर स्थित आवास पर पहुंचे थे।

दोनों ने बताया कि गांव चित्तौड़ा में उनका एक प्लॉट है, जिसे वे बेचना चाहते हैं। प्लॉट का क्षेत्रफल 295.803 वर्गमीटर बताया गया था। उसकी चारों दिशाओं में स्थित संपत्तियों का विवरण भी पीड़ित को दिया गया। पीड़ित के अनुसार, उसने प्लॉट के संबंध में जानकारी करने के बाद 12 जुलाई 2022 को दोनों पक्षों के बीच बातचीत आगे बढ़ाई। इसके लिए उसने अपने बहनोई इकरार नबी के सिटी प्लाईवुड शोरूम, कादिर राणा की पुरानी कोठी पर दोनों लोगों को बुलाया। यहां प्लॉट का सौदा 13 लाख 10 हजार रुपये में तय हुआ। आरोप है कि इसी दौरान दो लाख रुपये बयाने के तौर पर नकद दिए गए। यह रकम इकरार नबी पुत्र मोहम्मद नबी निवासी गांव संधावली थाना मंसूरपुर और शहनवाज हुसैन पुत्र शमशाद हुसैन निवासी खालापार की मौजूदगी में दी गई थी। शेष रकम दो साल के अंदर देकर प्लॉट का बैनामा कराने की सहमति बनी थी। अफरोज ने तहरीर में बताया कि सौदा तय होने के बाद 18 जुलाई 2022 को उसने आरोपियों को 1.25 लाख रुपये और दिए।

इसके बाद 21 अप्रैल 2023 को छह लाख 50 हजार रुपये इकरार नबी और शहनवाज हुसैन की मौजूदगी में सिटी प्लाईवुड शोरूम पर दिए गए। पीड़ित का दावा है कि इन रकमों के भुगतान के संबंध में उसके पास बातचीत की रिकॉर्डिंग भी मौजूद है। पीड़ित के अनुसार, आरोपियों की ओर से उसे अलग-अलग बारकोड भेजे गए थे। इनमें एक बारकोड हिंदुस्तान गुड्स ट्रेडर्स के नाम से था। इस पर उसने अपने मोबाइल से पेटीएम के माध्यम से 85 हजार रुपये भेजे।

इसके अलावा बिना देवी नाम से भेजे गए दूसरे बारकोड पर 13 अप्रैल 2023 को 30 हजार रुपये और 21 अप्रैल 2023 को 20 हजार रुपये का भुगतान किया। इन ऑनलाइन लेनदेन के स्क्रीनशॉट भी उसके पास सुरक्षित हैं।

# सर्दी की शुरूआत होते ही चोरों का आतंक, सुजडू की रतन मार्केट में मेडिकल स्टोर को बनाया निशाना, हजारों की नकदी चोरी

*छत के रास्ते सेंध लगाकर अबरार मेडिकल स्टोर में दाखिल हुए बेखौफ चोर, गल्ले से नकदी समेटकर फरार*

मुजफ्फरनगर। सर्दी का मौसम शुरू होते ही चोरों ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। शहर और आसपास के इलाकों में चोरी की घटनाओं को लेकर व्यापारियों की चिंता बढ़ने लगी है। खालापार थाना क्षेत्र के सुजडू स्थित रतन मार्केट में अज्ञात चोरों ने एक मेडिकल स्टोर को निशाना बनाते हुए चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर देर रात छत के रास्ते दुकान में सेंध लगाकर अंदर दाखिल हुए और गल्ले में रखी हजारों रुपये की नकदी चोरी कर फरार हो गए। सुबह जब मेडिकल स्टोर संचालक दुकान खोलने पहुंचे तो अंदर सामान बिखरा देखकर उनके होश उड़ गए। घटना की सूचना पुलिस की आपातकालीन सेवा 112 पर दी गई, जिसके बाद पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल शुरू की। जानकारी के अनुसार, सुजडू स्थित रतन मार्केट में अबरार उस्मानी का अबरार मेडिकल स्टोर है। बीती देर रात अज्ञात चोरों ने मेडिकल स्टोर को अपना निशाना बनाया। चोरों ने छत के रास्ते सेंध लगाई और दुकान के अंदर प्रवेश कर लिया।




इसके बाद दुकान में रखे सामान को खंगाला और गल्ले में मौजूद हजारों रुपये की नकदी लेकर फरार हो गए। चोरों ने वारदात को इतनी सफाई से अंजाम दिया कि रात के समय किसी को इसकी भनक तक नहीं लग सकी। सुबह मेडिकल स्टोर संचालक अबरार उस्मानी रोजाना की तरह अपनी दुकान खोलने पहुंचे। दुकान का शटर खोलकर अंदर पहुंचे तो सामान इधर-उधर बिखरा हुआ मिला। गल्ले की जांच की तो उसमें रखी नकदी गायब थी। दुकान की हालत देखकर उन्हें चोरी होने का पता चला। इसके बाद उन्होंने तत्काल पुलिस की आपातकालीन सेवा 112 पर फोन कर घटना की जानकारी दी। मेडिकल स्टोर में चोरी की सूचना मिलते ही 112 पर तैनात पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने दुकान का निरीक्षण किया और मेडिकल स्टोर संचालक से घटना के संबंध में जानकारी जुटाई। चोरों के दुकान में प्रवेश करने के रास्ते और चोरी की परिस्थितियों की जांच की जा रही है। पुलिस आसपास के क्षेत्र में भी घटना से जुड़े साक्ष्य जुटाने का प्रयास कर रही है। इस घटना में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि अबरार मेडिकल स्टोर में पहले भी चोरी हो चुकी है। मेडिकल स्टोर संचालक अबरार उस्मानी का कहना है कि करीब तीन-चार साल पहले भी अज्ञात चोरों ने इसी दुकान को निशाना बनाया था। उस समय भी उन्होंने पुलिस को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की थी, लेकिन उनके अनुसार पुरानी चोरी की घटना का आज तक खुलासा नहीं हो सका।

# शाहपुर में पुलिस मुठभेड़: गोलियां चलाने वाले दो गौकश बदमाश पैर में गोली लगने से घायल, तीसरा गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। जनपद में गोकशी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शाहपुर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस मुठभेड़ के दौरान दो शातिर गौकशों को गोली लगने के बाद गिरफ्तार कर लिया, जबकि उनके एक अन्य साथी को पुलिस ने घेराबंदी और कॉम्बिंग के दौरान दबोच लिया। पुलिस के अनुसार, बदमाशों ने खुद को घिरा देखकर पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की थी। जवाबी कार्रवाई में दो बदमाश घायल हो गए। पुलिस ने मौके से तीन जिंदा गोवंश, तीन अवैध तमंचे, कारतूस, गोकशी के उपकरण, दो मोटरसाइकिल और एक हुंडई क्रेटा कार बरामद की है। मुठभेड़ के दौरान तीन अन्य आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल में फरार हो गए। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। मुखबिर की सूचना पर तावली-लच्छेड़ा रोड के जंगल में पहुंची पुलिस पुलिस के अनुसार, 10 और 11 नवंबर 2026 की मध्यरात्रि थाना शाहपुर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम तावली के जंगल में कुछ गौकश गोवंश के साथ मौजूद हैं और गोकशी की घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थानाध्यक्ष गजेन्द्र सिंह ने पुलिस टीम के साथ तत्काल ग्राम तावली से लच्छेड़ा रोड की ओर स्थित जंगल में पहुंचकर घेराबंदी शुरू कर दी। पुलिस टीम को मौके पर तीन गोवंश के पास कुछ संदिग्ध व्यक्ति खड़े दिखाई दिए। उनके पास दो मोटरसाइकिल और एक कार भी खड़ी थी। पुलिस टीम ने आरोपियों की घेराबंदी की तो उन्होंने खुद को पुलिस से घिरा देखकर पुलिसकर्मियों पर जान से मारने की नीयत



से फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई फायरिंग से पुलिस टीम में हलचल मच गई। पुलिसकर्मियों ने अपना बचाव किया और आरोपियों को फायरिंग बंद कर आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन बदमाशों पर इसका कोई असर नहीं हुआ। इसके बाद पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की, जिसमें दो आरोपी गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में नदीम पुत्र सलीम निवासी गहराबाग थाना खालापार और बिलाल पुत्र अलीशेर निवासी रहमतनगर थाना खालापार गोली लगने से घायल हो गए। वहीं कॉम्बिंग के दौरान आसिफ पुत्र आबिद निवासी ग्राम तावली थाना शाहपुर को गिरफ्तार कर लिया गया। घायल दोनों आरोपियों को पुलिस ने उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। पुलिस के मुताबिक, मुठभेड़ के दौरान तीन अन्य आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल से फरार हो गए। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे और मौके से तीन जिंदा गोवंश बरामद किए हैं। इसके अलावा गोकशी में इस्तेमाल किए जाने वाले दाव, कसला, छूरा और पॉलीथिन भी बरामद हुई है। पुलिस का कहना है कि आरोपी मौके पर गोवंश के साथ गोकशी की तैयारी में थे। बरामद गोवंश को सुरक्षित स्थान पर भिजवाने की कार्रवाई की गई। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने मौके से तीन अवैध तमंचे 315 बोर, तीन जिंदा कारतूस और तीन खोखा कारतूस बरामद किए। इसके साथ ही एक बजाज पल्सर और एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल तथा हुंडई क्रेटा कार संख्या उ०प्र-5उद-1438 भी कब्जे में ली गई। पुलिस अब बरामद वाहनों और हथियारों के संबंध में भी जानकारी जुटा रही है। पुलिस के अनुसार, मुठभेड़ के दौरान फरार हुए आरोपियों में आरिफ पुत्र अकबर और शहनवाज पुत्र इरफान उर्फ फानू निवासी ग्राम तावली थाना शाहपुर तथा फैसल पुत्र एहसान निवासी रहमतनगर थाना खालापार शामिल हैं।

# अपराध नियंत्रण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, लंबित विवेचनाओं का समयबद्ध निस्तारण करें: एसएसपी

मुजफ्फरनगर। जनपद में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने और लंबित मामलों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अपराध नियंत्रण, वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी और आमजन की शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। पुलिस अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए।

बुधवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने रिजर्व पुलिस लाइन स्थित सभागार में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं उनकी पेशी में कार्यरत पुलिसकर्मियों के साथ साप्ताहिक एवं पाक्षिक अपराध समीक्षा गोष्ठी आयोजित की। बैठक में जनपद में घटित अपराधों की स्थिति, पुलिस की



ओर से की जा रही कार्रवाई और विभिन्न मामलों में लंबित विवेचनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। गोष्ठी में पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक, पुलिस अधीक्षक अपराध इंदु सिद्धार्थ, पुलिस अधीक्षक यातायात अतुल कुमार चौबे, समस्त क्षेत्राधिकारी और विभिन्न अधिकारियों की पेशी में कार्यरत पुलिसकर्मी मौजूद रहे। एसएसपी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि थानों में लंबित विवेचनाओं का गुणवत्तापूर्ण और निर्धारित समयसीमा के भीतर निस्तारण कराया जाए। विवेचनाओं में अनावश्यक देरी न हो और प्रत्येक मामले में साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही वांछित और वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष प्रयास करने तथा अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने निरोधात्मक कार्रवाई को और अधिक प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया, ताकि अपराध की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके और शांति व्यवस्था प्रभावित करने वाले तत्वों के खिलाफ समय रहते कार्रवाई हो।

# पंचायत चुनाव के पंपलेट पर टिप्पणी से भड़की चिंगारी ने लिया हिंसक संघर्ष का रूप, पुलिस पर भी हमला, दो गिरफ्तार

*एक दिन पहले ही शहजाद पक्ष ने मीरापुर पुलिस को दी थी तहरीर, समय रहते कार्रवाई होती तो टल सकता था बड़ा टकराव!*

मुजफ्फरनगर। मीरापुर थाना क्षेत्र के गांव कैथोड़ा में आगामी पंचायत चुनाव को लेकर शुरू हुआ विवाद अब पुलिस पर हमले और गंभीर धाराओं में मुकदमे तक पहुंच गया है। भावी प्रत्याशी हाजी इसरार के चुनावी पंपलेट को व्हाट्सएप स्टेटस पर लगाने और उस पर टिप्पणी करने को लेकर दो पक्षों के बीच शुरू हुई कहासुनी ने देखते ही देखते हिंसक संघर्ष का रूप ले लिया। दोनों पक्षों के लोग लाठी-डंडे, सरिये और ईंट-पत्थर लेकर आमने-सामने आ गए। विवाद शांत कराने पहुंची पुलिस टीम को भी हमले का सामना करना पड़ा। इस पूरे घटनाक्रम में एक महत्वपूर्ण बात सामने आई है कि विवाद की शुरूआत के अगले दिन ही शहजाद पक्ष ने मीरापुर पुलिस को तहरीर देकर शिकायत की थी। ऐसे में गांव में चर्चा है कि यदि पहली शिकायत पर समय रहते प्रभावी कार्रवाई होती तो शायद अगले दिन हुए बड़े टकराव को टाला जा सकता था। हाजी इसरार के पंपलेट पर टिप्पणी से शुरू हुआ विवाद गांव कैथोड़ा निवासी शहजाद ने आगामी पंचायत चुनाव में भावी प्रत्याशी हाजी इसरार का चुनावी पंपलेट अपने मोबाइल के व्हाट्सएप स्टेटस पर लगाया था। आरोप है कि गांव के ही फरमान पुत्र अशरफ ने इस पंपलेट पर टिप्पणी कर दी। इसी टिप्पणी को लेकर दोनों पक्षों के बीच 9 नवंबर की रात कहासुनी हो गई। शुरूआत में मामला आपसी विवाद तक सीमित था, लेकिन धीरे-धीरे दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ता चला गया। इस मामले में घटनाक्रम का अहम पहलू यह है कि 9 नवंबर को हुए विवाद के बाद शहजाद पक्ष की ओर से मीरापुर पुलिस को तहरीर दी गई थी। यानी पुलिस को दोनों पक्षों के बीच चल रहे विवाद और उसके पीछे की वजह की जानकारी पहले ही हो चुकी थी। इसके बावजूद अगले दिन विवाद ने इतना गंभीर रूप ले लिया कि गांव में दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए और पुलिसकर्मियों पर भी हमला हो गया। पहली शिकायत पर पुलिस की ओर से क्या कार्रवाई की



गई थी, शिकायत की जांच किस स्तर पर पहुंची थी और दोनों पक्षों को विवाद न बढ़ाने के लिए क्या समझाइश दी गई थी, यह भी महत्वपूर्ण सवाल है। ग्रामीणों के बीच चर्चा है कि यदि पहली शिकायत को गंभीरता से लेते हुए समय रहते दोनों पक्षों के बीच विवाद का समाधान कराया जाता तो 10 नवंबर को हुई हिंसक घटना को रोका जा सकता था।

समझौते के लिए बाबू लियाकत के घेर में जुटे थे दोनों पक्ष

9 नवंबर की रात हुए विवाद के बाद 10 नवंबर को दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने का प्रयास किया गया। इसके लिए गांव में बाबू लियाकत के घेर में दोनों पक्षों के लोग एकत्र हुए थे। पुलिस की तहरीर के अनुसार, बातचीत के दौरान दोनों पक्षों के बीच फिर से मनमुटाव बढ़ गया। कहासुनी के बाद दोनों तरफ के लोग उग्र हो गए और एक-दूसरे के सामने आकर हंगामा करने लगे। देखते ही देखते मामला समझौते की बातचीत से निकलकर मारपीट और पथराव तक पहुंच गया। पुलिस के अनुसार, उस समय उपनिरीक्षक प्रवीन कुमार हमराह हेड कांस्टेबल जितेंद्र सिंह के साथ कैथोड़ा चौकी क्षेत्र में गश्त और त्योहारों के मद्देनजर शांति व्यवस्था की ड्यूटी पर थे। इसी दौरान मुखबिर से गांव में दोनों पक्षों के बीच झगड़ा होने और किसी अप्रिय घटना की आशंका की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस की तहरीर के मुताबिक, मौके पर प्रथम पक्ष के छह और दूसरे पक्ष के आठ नामजद लोग मौजूद थे। इनके साथ 8 से 10 अन्य अज्ञात लोग भी थे। आरोप है कि सभी के हाथों में लाठी-डंडे, ईंट-पत्थर और सरिये थे। उपनिरीक्षक प्रवीन कुमार ने हमराह पुलिसकर्मी के साथ दोनों पक्षों को काफी समझाने और विवाद शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन लोग शांत होने के बजाय पुलिसकर्मियों के साथ ही गाली-गलौज करने लगे। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि दोनों पक्षों के लोगों ने एक राय होकर पुलिस पार्टी को घेर लिया और जान से मारने की नीयत से लाठी-डंडों, सरियों तथा ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया।

# संपादकीय

## सड़क हादसों में जाती जानें और सुरक्षा के प्रति व्यवस्था की जवाबदेही

मुजफ्फरनगर हादसे में कार के भीतर जिंदा जलकर छह युवकों की मौत ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा के दावों, निर्माण संबंधी खामियों और व्यवस्था की जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में सड़क हादसे में छह युवकों की जिंदा जलकर मौत केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि सड़क सुरक्षा के दावों और सरकारी व्यवस्था की जवाबदेही पर सवाल है। हरियाणा के हिसार से हरिद्वार जा रहे छह युवकों की कार तड़के पथ-विभाजक और बिजली के खंभे से टकराकर पलट गई।

देखते ही देखते उसमें आग लगी और छह जिंदगियां खत्म हो गईं।खबरों के मुताबिक, कार की रफ्तार अधिक थी और चालक ने नियंत्रण खो दिया। तेज रफ्तार निस्संदेह जानलेवा है, पर जिस राजमार्ग पर कार पथ-विभाजक से टकराई, वहां बिजली का खंभा सड़क के इतने करीब क्यों था कि वह मौत का सामान बन गया? सड़कें बनाते समय सुरक्षित दूरी और परावर्तक संकेतकों के मानक कहां गए?

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी भी स्वीकार कर चुके हैं कि सड़क की बनावट और अभियांत्रिकी संबंधी खामियां हादसों की वजह बनती हैं। फिर भी सड़क निर्माण और रखरखाव में सुरक्षा के मानकों को सर्वोच्च प्राथमिकता क्यों नहीं दी जाती?इस हादसे का एक भयावह पहलू यह है कि कार में आग लगने के बाद भीतर फंसे लोग बाहर नहीं निकल सके। घटना की जांच के बाद इसके कारण शायद साफ होंगे।

मगर आधुनिक कारों में टक्कर के बाद दरवाजों के स्वचालित तरीके से बंद होने या उनके जाम होने की आशंका भी वाहन में फंसे लोगों की मौत का एक कारण बन रहे हैं।वाहन निर्माता कंपनियों और नियामक संस्थाओं से पूछे जाने की जरूरत है कि आग लगने अथवा दुर्घटना के बाद आपात स्थिति में दरवाजा खोलने और यात्रियों के बाहर निकलने की व्यवस्था कितनी भरोसेमंद है।

सड़क सुरक्षा के नाम पर नियम, अभियान व जागरूकता कार्यक्रम चलते रहते हैं, लेकिन दुर्घटनाओं के बाद व्यवस्थागत जवाबदेही तय नहीं हो पाती।सड़क की खामियां, संकेतकों की कमी, आपातकालीन सहायता, वाहनों की सुरक्षा और रफ्तार पर नियंत्रण की प्रणाली आदि की भी जांच होनी चाहिए।

सड़क सुरक्षा प्रशासनिक जवाबदेही, इंजीनियरिंग गुणवत्ता और वाहन सुरक्षा का संयुक्त प्रश्न है। अक्सर देखने को मिलता है कि हादसों की जांच वास्तव में कारण खोज कर उन्हें रोकने के लिए नहीं, बल्कि जिम्मेदारी टालने के लिए होती है।

# विकास की वेदी पर बलि चढ़ती प्रकृति

**जब हम एक लाख पेड़ काटते हैं, तो हम केवल लकड़ी का नुकसान नहीं कर रहे होते, बल्कि हम हिमालय की संवेदनशील और दरकती पहाड़ियों की जड़ों को कमजोर कर रहे होते हैं, जिससे भविष्य में विनाशकारी भूस्खलन, अचानक आने वाली बाढ़ और बड़े पर्यावरणीय असंतुलन का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। विकास और पर्यावरण के इस अंतहीन टकराव में अब हमें पुराने प्रशासनिक तौर-तरीकों से हटकर सोचने की सख्त जरूरत है। यदि इन पेड़ों को काटना एक अपरिहार्य तकनीकी मजबूरी है।**



(अशोक भाटिया)

जब हम एक लाख पेड़ काटने की बात करते हैं, तो प्रशासनिक फाइलों पर यह केवल एक निर्जीव संख्या की तरह दिखता है, लेकिन प्रकृति के विज्ञान में यह सदियों की अनवरत तपस्या का अंत है। इंसानी हाथों द्वारा लगाए जाने वाले कृत्रिम बागानों और प्राकृतिक वनों के बीच एक ऐसा अंतर होता है जिसे कभी पाटा नहीं जा सकता। अरुणाचल प्रदेश केशी योमी और सियांग जिलों में सियोम नदी पर प्रस्तावित 1,000 मेगावाट की नायिंग जलविद्युत परियोजना को पर्यावरण मंत्रालय की वन सलाहकार समिति द्वारा प्राथमिक मंजूरी दे दी गई है। राष्ट्रीय सुरक्षा और ग्रिड स्थिरता के लिहाज से बेहद अहम मानी जा रही इस परियोजना के लिए लगभग 470 हेक्टेयर वन भूमि का इस्तेमाल होगा, जिसके कारण इस अति-संवेदनशील हिमालयी क्षेत्र से एक लाख से अधिक हरे-भरे पेड़ों को काट दिया जाएगा। यह खबर औद्योगिक और ढांचागत विकास के मोर्चे पर जितनी सकारात्मक लगती है, पारिस्थितिकी और पर्यावरण संरक्षण के लिहाज से उतनी ही भयावह है। पूर्वोत्तर भारत, विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश, अपने सघन वर्षावनों और दुर्लभ जैव-विविधता के लिए दुनिया भर में मशहूर है। ऐसे में विकास के नाम पर एक लाख से अधिक जीवित वृक्षों की सामूहिक बलि देना कई गंभीर सवाल खड़े करता है। क्या यह प्राकृतिक तबाही वाकई अपरिहार्य थी? क्या इस अभूतपूर्व नुकसान की भरपाई संभव है? और इस विनाश के बदले अरुणाचल प्रदेश तथा वहां के मूल निवासियों को वास्तव में क्या हासिल होने वाला है?

गौरतलब है कि बिजली घर, सुरंगें और भारी मशीनरी स्थापित करने के लिए एक बहुत बड़े भूभाग की जरूरत है। इस विवाद में सबसे बुनियादी सवाल यह है कि क्या इतने बड़े पैमाने पर जंगलों को उजाड़े बिना बांध का निर्माण संभव नहीं था? जलविद्युत परियोजनाओं की तकनीकी रूपरेखा पूरी तरह से नदियों के प्रवाह और पानी के विशाल संचय पर टिकी होती है। नायिंग परियोजना के लिए विशालकाय बांधजिस क्षेत्र में यह बांध प्रस्तावित है, वह उच्च संरक्षण मूल्य वाले घने जंगलों के अंतर्गत आता है। इंजीनियरिंग और जलविज्ञान के नियमों के मुताबिक, जब बांध के जरिए नदी के पानी को रोका जाता है, तो उसके पीछे का एक बहुत बड़ा इलाका पूरी तरह से जलमग्न हो जाता है। इस डूब क्षेत्र में आने वाले सभी पेड़ों और वनस्पतियों को पहले ही काट देना तकनीकी और सुरक्षा कारणों से जरूरी माना जाता है। यदि इन पेड़ों को बिना काटे वैसे ही पानी में डूबने के लिए छोड़ दिया जाए, तो पानी के भीतर वे सड़ने लगते हैं। इस सड़न से बड़े पैमाने पर मीथेन और कार्बन डाइऑक्साइड जैसी खतरनाक ग्रीनहाउस गैसों का भारी उत्सर्जन होता है, जो पानी की गुणवत्ता को नष्ट कर पूरे जलीय पारिस्थितिकी तंत्र को तबाह कर देती हैं। यही वजह है कि जलाशय की जलधारण क्षमता बनाए रखने के लिए इन एक लाख पेड़ों को हटाना सरकारी ब्लूप्रिंट में एक व्यावहारिक विवशता बन जाता है।

जब हम एक लाख पेड़ काटने की बात करते हैं, तो प्रशासनिक फाइलों पर यह केवल एक निर्जीव संख्या की तरह दिखता है, लेकिन प्रकृति के विज्ञान में यह सदियों की अनवरत तपस्या का अंत है। इंसानी हाथों द्वारा लगाए जाने वाले कृत्रिम बागानों और प्राकृतिक वनों के बीच एक ऐसा अंतर होता है जिसे कभी पाटा नहीं जा सकता। एक सामान्य पौधा लगाने के बाद उसे एक परिपक्व वृक्ष बनने में भले ही 15 से 20 वर्ष का समय लगता हो, लेकिन जब हम एक वास्तविक जंगल की बात करते हैं, तो वह केवल पेड़ों का समूह नहीं बल्कि एक जटिल और आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र होता है। अरुणाचल प्रदेश के ये जंगल अत्यधिक घने वन की श्रेणी में आते हैं, जिनमें सदियों पुराने विशालकाय ओक, पाइन और देवदार के वृक्ष शामिल हैं। इस तरह के एक समृद्ध वर्षावन को पूरी तरह से अपने मूल प्राकृतिक स्वरूप में लौटने के लिए कम से कम 80 से 150 वर्ष का लंबा वक्त लगता है। इन प्राकृतिक वनों में कई स्तरों पर वनस्पतियां, मिट्टी की सूक्ष्म जैविक संरचना, कवक और स्थानीय जीव-जंतुओं का एक पूरा संसार विकसित होता है। विडंबना यह है कि इंसानी प्रयासों द्वारा किए जाने वाले प्रतिपूरक वनीकरण में लगाए गए पौधों में से केवल 20 से 25 प्रतिशत ही जीवित रह पाते हैं। इसलिए कोई भी कृत्रिम रोपण कभी भी उस प्राकृतिक जैव-विविधता का विकल्प नहीं बन सकता जो प्रकृति ने सदियों के क्रमिक विकास से तैयार की है।

भारतीय वन कानूनों के तहत, जब भी किसी विकास परियोजना के लिए वन भूमि का डायवर्जन किया जाता है, तो निर्माण एजेंसी से प्रतिपूरक वनीकरण के तहत भारी आर्थिक हर्जाना वसूला जाता है। नायिंग परियोजना के लिए भी समिति ने सख्त शर्तें लगाई हैं, जिसके तहत काटे गए पेड़ों की संख्या से दोगुनी संख्या में नए पेड़ लगाने और नष्ट हुए वन्यजीव आवासों के पुनरुद्धार के लिए व्यापक योजना का खर्च उठाना होगा। परंतु, इस हर्जाने की नीति में एक बहुत बड़ी भौगोलिक विसंगति हमेशा से मौजूद रही है। अरुणाचल प्रदेश का लगभग 80 प्रतिशत भूभाग पहले से ही सघन वनों से ढका हुआ है, जिसके कारण राज्य के भीतर वनीकरण के लिए अतिरिक्त गैर-वन भूमि मिलना लगभग नामुमकिन होता है। इसी वजह से पूर्व की कई परियोजनाओं के अनुभवों को देखें, तो अरुणाचल में काटे जाने वाले वनों का हर्जाना और नया वनीकरण मध्य प्रदेश या अन्य मैदानी राज्यों में सैकड़ों किलोमीटर दूर खाली पड़ी भूमि पर करने का प्रस्ताव दिया जाता रहा है। यह प्रक्रिया कानूनी कागजों पर भले ही हर्जाना मान ली जाए, लेकिन पारिस्थितिकी के तराजू पर यह पूरी तरह निरर्थक है। अरुणाचल के संवेदनशील पूर्वी हिमालयी क्षेत्र में जो एक लाख पेड़ कटेंगे, उससे वहां की स्थानीय जलवायु, वर्षा का चक्र, भूस्खलन की आवृत्ति और वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा, जिसकी भरपाई देश के किसी अन्य कोने में पेड़ लगाकर कभी नहीं की जा सकती।

इस भारी प्राकृतिक कीमत को चुकाने के बाद यह जानना जरूरी है कि इस पूरे सौदे से अरुणाचल प्रदेश और उसके नागरिकों को अंततः क्या हासिल होने वाला है। सरकार के आर्थिक तथा रणनीतिक रोडमैप के अनुसार, यह परियोजना अरुणाचल को बिजली आधिक्य राज्य बनाने और उसकी आर्थिक रीढ़ को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी। इसके क्रियान्वयन से अरुणाचल प्रदेश को उत्पादित होने वाली कुल बिजली का 12 प्रतिशत हिस्सा रॉयल्टी के रूप में पूरी तरह मुफ्त मिलेगा, जिसे ग्रिड या अन्य राज्यों को बेचकर राज्य सरकार हर साल करोड़ों रुपये का राजस्व अर्जित कर सकती है। इसके अतिरिक्त, निर्माण और संचालन के चरणों में स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। सुदूरवर्ती और दुर्गम जिलों में पक्की सड़कों, पुलों, अस्पतालों और आधुनिक स्कूलों का विकास होगा, जो स्थानीय कनेक्टिविटी और जीवन स्तर को ऊपर उठाएगा। सबसे महत्वपूर्ण पहलू इसका सामरिक सुरक्षा से जुड़ा है; चीन की सीमा के निकट होने के कारण इस नदी के निचले हिस्से पर भारत द्वारा इन बड़े बांधों का निर्माण करना बेहद जरूरी है, ताकि ऊपरी तटीय क्षेत्र में चीन द्वारा बनाए जा रहे विशाल बांधों के जवाब में भारत अपने अंतरराष्ट्रीय जल अधिकारों को मजबूती से सुरक्षित कर सके।

निष्कर्ष के तौर पर यह स्पष्ट है कि नायिंग जलविद्युत परियोजना को मंजूरी मिलना भारत की ऊर्जा सुरक्षा और सामरिक नीतियों की एक बड़ी जीत हो सकती है, लेकिन एक लाख पेड़ों की यह सामूहिक बलि इस जीत पर पर्यावरण की ओर से एक गहरा दाग भी है। जब हम एक लाख पेड़ काटते हैं, तो हम केवल लकड़ी का नुकसान नहीं कर रहे होते, बल्कि हम हिमालय की संवेदनशील और दरकती पहाड़ियों की जड़ों को कमजोर कर रहे होते हैं, जिससे भविष्य में विनाशकारी भूस्खलन, अचानक आने वाली बाढ़ और बड़े पर्यावरणीय असंतुलन का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। विकास और पर्यावरण के इस अंतहीन टकराव में अब हमें पुराने प्रशासनिक तौर-तरीकों से हटकर सोचने की सख्त जरूरत है। यदि इन पेड़ों को काटना एक अपरिहार्य तकनीकी मजबूरी है, तो इसके हर्जाने के तहत होने वाले वनीकरण को महज कागजी खानापूर्ति या दूसरे राज्यों में पेड़ लगाने की औपचारिकता तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। इसके बजाय सरकार और निर्माण कंपनियों को अरुणाचल के ही स्थानीय, भूस्खलन-संवेदनशील इलाकों में वैज्ञानिक पद्धतियों और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके युद्धस्तर पर सघन वनों को पुनर्जीवित करने का जिम्मा उठाना होगा, क्योंकि विकास केवल तभी तक टिकाऊ और सार्थक है जब तक प्रकृति हमें खुलकर सांस लेने की अनुमति देती है। **(लेखक वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार, लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार। इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)**

# तेज आर्थिक विकास पर..कुपोषण की चुनौती अब भी गंभीर

(देवेंद्रराज सुथार)

वैश्विक भूख सूचकांक 2026 के ताजा आंकड़ों ने एक बार फिर नीति-निर्माताओं को आत्मचिंतन के लिए विवश कर दिया है। आयरलैंड की संस्था कंसर्न वर्ल्डवाइड और जर्मनी की वेल्टहंगरहिल्फे की ओर से जारी इस वार्षिक रिपोर्ट में 122 देशों की सूची में भारत 100वें स्थान पर है। देश का भूख अंक 24.1 है, जो उसे 'गंभीर' श्रेणी में रखता है। वैश्विक औसत 18.1 है, यानी 'मध्यम' स्तर।

विडंबना यह है कि एक ओर हम दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में गिने जाते हैं, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुमान के मुताबिक 2027 तक चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर हैं, दूसरी ओर बुनियादी पोषण की कसौटी पर हमारा प्रदर्शन विकास के दावों की जमीनी हकीकत सामने रख देता है। जब एक बड़ी आबादी को पौष्टिक भोजन के लिए रोज संघर्ष करना पड़े, तो आर्थिक प्रगति की चमक फीकी लगने लगती है। यह सूचकांक केवल पेट की आग का पैमाना नहीं, बल्कि मानव संसाधन की सेहत का आईना है। इसकी गणना चार संकेतकों पर होती है। अल्पपोषण, बाल 'स्टंटिंग', यानी उम्र के हिसाब से कम कद, बाल 'वेस्टिंग' यानी कद के हिसाब से कम वजन और पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर। भारत में करीब 9.8 फीसद आबादी अल्पपोषित है, यानी उसे जरूरी न्यूनतम कैलोरी भी नहीं मिल पाती। पांच साल से कम उम्र के लगभग 29.3 फीसद बच्चे ठिगनेपन के शिकार हैं, जिसका अर्थ है कि उनके शारीरिक और मानसिक विकास की नींव बचपन में ही कमजोर पड़ गई। कम वजन वाले बच्चों की दर 19 फीसद है, जो दक्षिण एशिया में सबसे ऊंची है और बच्चों में गंभीर, तात्कालिक कुपोषण की ओर संकेत करती है। पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर 2.7 फीसद दर्ज हुई है।

यह भी सच है कि सन 2000 में भारत का स्कोर 38.1 था और ठिगनापन 50 फीसद था, यानी लंबी अवधि में सुधार हुआ है। मगर सवाल उसकी रफ्तार का है। जब लगभग हर दस में से तीन बच्चे ठिगनेपन के शिकार हों, तो डिजिटल और सशक्त भविष्य की कल्पना अधूरी ही रहेगी। सरकारी गलियारों से अक्सर ऐसी अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए जाते हैं। तर्क दिया जाता है कि नमूने का आकार छोटा है या अध्ययन की पद्धति दोषपूर्ण है। पद्धति पर बहस जरूर होनी चाहिए, लेकिन क्या इससे जमीनी सच्चाई बदल जाती है? राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) के सरकारी आंकड़े भी बताते हैं कि 15 से 49 वर्ष की 57 फीसद महिलाएं और 15 से 19 वर्ष की 59.1 फीसद किशोरियां एनीमिया यानी रक्ताल्पता से ग्रस्त हैं। जब मां खुद कमजोर और कुपोषित होगी, तो स्वस्थ शिशु को जन्म देना कठिन हो जाता है। यह कुपोषण का ऐसा दुश्चक्र है, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी देश की कार्यक्षमता को क्षीण करता है। रिपोर्ट के अनुसार 2018 से 2026 के बीच भारत का स्कोर 25.8 से घटकर केवल 24.1 हुआ है, यानी महज 1.7 अंक की कमी। इसी अवधि में नेपाल का स्कोर 18.4 से 14.5 पर आ गया, अर्थात 3.9 अंक का सुधार। आंकड़ों को नकारने से न पेट की भूख मिटती है, न किसी बच्चे का कद बढ़ता है।

भारतीय कृषि हर साल भारी पैदावार देती है और सरकार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन देती है। यह योजना करोड़ों लोगों को भुखमरी के तात्कालिक संकट से बचाती है, मगर नीतिगत चूक तब होती है जब 'पेट भरने' को ही 'पोषण' मान लिया जाए। केवल गेहूं और चावल से कैलोरी तो मिल जाती है, पर संपूर्ण विकास नहीं होता। बढ़ते बच्चे, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को प्रोटीन, आयरन, विटामिन और अन्य सूक्ष्म पोषक तत्त्व चाहिए, जो दाल, दूध, अंडे, फल और हरी पत्तेदार सब्जियों से मिलते हैं। पोषण केवल पेट की नहीं, थाली की गुणवत्ता की चिंता है। यदि भोजन में विविधता न हो, तो छिपी हुई भूख, यानी सूक्ष्म पोषक तत्त्वों की कमी बनी रहती है, जिसका असर बच्चों की सीखने और बढ़ने की क्षमता पर पड़ता है। खाद्य महंगाई ने इन चीजों को कई परिवारों की पहुंच से दूर कर दिया है। जब एक दिहाड़ी मजदूर की आमदनी बुनियादी राशन जुटाने में ही खप जाए, तो संतुलित आहार की गुंजाइश कहां बचती है?

इसके साथ ही पोषण अभियान, स्कूलों में मध्याह्न भोजन और आंगनबाड़ी सेवाओं के क्रियान्वयन की कमियां भी संकट को गहरा करती हैं। जिन आंगनबाड़ी केंद्रों पर नवजातों और माताओं को कुपोषण से निकालने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है, वे अक्सर भवन, पेयजल, संसाधनों और कार्यकर्ताओं के कम मानदेय की समस्या से जूझते हैं। पोषण सामग्री की गुणवत्ता और वितरण को लेकर शिकायतें भी समय-समय पर सामने आती रही हैं। सार्वजनिक वितरण प्रणाली का जोर भी अब तक मुख्य रूप से गेहूं और चावल पर ही रहा है, जबकि जरूरत थाली में विविधता लाने की है। नीतिगत सुधार केवल फाइलों में नहीं हो सकते। इसके लिए योजनाओं की निगरानी को अंतिम छोर तक पारदर्शी बनाना होगा, ताकि हर लाभार्थी तक पूरा और गुणवत्तापूर्ण पोषण पहुंचे। क्षेत्रीय तुलना में तस्वीर और असहज करती है। श्रीलंका 53वें स्थान पर है और नेपाल व बांग्लादेश भी भारत से बेहतर स्थिति में हैं, जबकि चीन उन देशों में है, जिनका स्कोर 5 से कम है। पाकिस्तान 106वें स्थान पर और अफगानिस्तान भारत से पीछे हैं, पर किसी से बेहतर होना संतोष का आधार नहीं हो सकता। इससे साफ है कि भूख और कुपोषण से मुक्ति के लिए केवल जीडीपी की ऊंची विकास दर काफी नहीं, बल्कि सही प्राथमिकताएं और क्रियान्वयन भी जरूरी हैं।

# बदलाव का जरिया बन सकेगी रामलीला मैदान की रैली

**रामलीला मैदान पर पांच और रैलियां आयोजित कर चुके हैं। हर रैली में मोदी को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया गया। लेकिन कुछ-एक राज्यों की सत्ता को छोड़ दें तो विपक्षी दलों की रैलियां 1977 की तरह कामयाब नहीं रहीं। हालांकि सरकार को अपने कुछ कदम जरूर पीछे खींचने पड़े। नरेंद्र मोदी के सत्ता में आए अभी एक साल भी पूरा नहीं हुआ था, जब 19 अप्रैल 2015 को कांग्रेस की अगुआई में विपक्षी दलों ने किसान-खेत मजदूर रैली आयोजित की थी। मोदी सरकार द्वारा लाए गए भूमि अधिग्रहण अध्यादेश के विरोध में आयोजित इस रैली के बाद सरकार को अपने कदम पीछे खींचने पड़े थे।**

(उमेश चतुर्वेदी)

केंद्रीय सत्ता पर नरेंद्र मोदी के काबिज होने के बाद विपक्षी दल बदलाव के प्रतीक माने जाने वाले रामलीला मैदान पर पांच और रैलियां आयोजित कर चुके हैं। हर रैली में मोदी को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया गया। लेकिन कुछ-एक राज्यों की सत्ता को छोड़ दें तो विपक्षी दलों की रैलियां 1977 की तरह कामयाब नहीं रहीं। सत्ता के खिलाफ विपक्षी दल जब भी रामलीला मैदान में रैली करते हैं, उनकी स्मृति में सात फरवरी 1977 की तारीख होती है। आपातकाल के बाद दिल्ली की उतरती ठंड के बीच जेपी के नाम से विख्यात जयप्रकाश नारायण की अगुआई में हुई रैली में ही सत्ता परिवर्तन के बीज पड़े थे। इसे संयोग ही कहेंगे कि करीब आधी सदी बाद इसी रामलीला मैदान में आयोजित रैली के किरदार बदले हुए थे। 1977 में जिस रैली के निशाने पर कांग्रेस थी, करीब पांच दशक बाद की रैली में कांग्रेस बदली हुई भूमिका में रही। इंदिरा के पोते राहुल गांधी की अगुआई में हुई 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली में निशाने पर वह भारतीय जनता पार्टी रही, जो तब जेपी की अगुआई में इंदिरा के खिलाफ खड़ी थी। यह बताने की जरूरत नहीं कि इसके कुछ ही दिनों बाद हुए आम चुनावों में सर्वशक्तिमान मानी जाने वाली इंदिरा गांधी की सत्ता का शिराजा बिखर गया था। ऐसे में सवाल यह उठना लाजमी है कि क्या राहुल की अगुआई वाली रामलीला मैदान की रैली देश की सत्ता को बदलने में कामयाब हो पाएगी? सवाल यह भी है कि क्या मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार अपने पद से हटने के लिए मजबूर हो जाएंगे।




केंद्रीय सत्ता पर नरेंद्र मोदी के काबिज होने के बाद विपक्षी दल बदलाव के प्रतीक माने जाने वाले रामलीला मैदान पर पांच और रैलियां आयोजित कर चुके हैं। हर रैली में मोदी को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया गया। लेकिन कुछ-एक राज्यों की सत्ता को छोड़ दें तो विपक्षी दलों की रैलियां 1977 की तरह कामयाब नहीं रहीं। हालांकि सरकार को अपने कुछ कदम जरूर पीछे खींचने पड़े। नरेंद्र मोदी के सत्ता में आए अभी एक साल भी पूरा नहीं हुआ था, जब 19 अप्रैल 2015 को कांग्रेस की अगुआई में विपक्षी दलों ने किसान-खेत मजदूर रैली आयोजित की थी। मोदी सरकार द्वारा लाए गए भूमि अधिग्रहण अध्यादेश के विरोध में आयोजित इस रैली के बाद सरकार को अपने कदम पीछे खींचने पड़े थे। कांग्रेस की ही अगुआई में विपक्षी दलों ने 14 दिसंबर 2019 को इसी रामलीला मैदान में भारत बचाओ रैली की थी। जिसका मकसद, देश की आर्थिक स्थिति, गिरते जीडीपी, बेरोजगारी और नागरिकता संशोधन कानून जैसे मुद्दों पर मोदी सरकार को घेरना रहा। इस रैली का असर यह हुआ कि नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ देश के कई हिस्से महीनों तक आंदोलनरत रहे।

कांग्रेस की अगुआई में विपक्षी दलों ने रामलीला मैदान में चार सितंबर 2022 को महंगाई पर हल्ला बोल रैली के जरिए मोदी सरकार को घेरने की कोशिश की। इस रैली में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी लगाने का विरोध किया गया। 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली में राहुल गांधी के भाषण की खूब चर्चा है। कुछ इसी तरह इस रैली में भी राहुल गांधी ने जो कहा था, उसे लेकर कई दिनों तक चर्चा और विमर्श जारी रहा। पिछले आम चुनाव के ठीक पहले 31 मार्च 2024 को फिर कांग्रेस ने विपक्षी दलों की लोकतंत्र बचाओ महारैली आयोजित की। इस रैली का मकसद शराब घोटाले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और भूमि घोटाले में झारखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी का विरोध करना रहा। इस रैली मोदी सरकार के विरोध में गठित विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन की ताकत दिखाना भी रहा।

मोदी सरकार के गठन के बाद कांग्रेस की अगुआई में आयोजित हुई रामलीला मैदान की रैलियों के परिणामों पर नजर डालें तो देखेंगे कि 2024 की रैली के अलावा किसी दूसरी रैली का मोदी सरकार की सेहत पर खास असर नहीं दिखा। 2024 के आम चुनावों में बीजेपी का बहुमत के आंकड़े से दूर होने के पीछे इस रैली के असर को देखा-समझा जा सकता है। फिर भी कहा जा सकता है कि इस रैली ने मोदी के अजेयता के मिथ को चोट जरूर पहुंचाई। यह बात और है कि इससे बीजेपी निराश नहीं हुई। अगर वह निराश हुई होती तो वह बिहार, असम, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र के चुनाव नहीं जीत सकती थी। विपक्ष चाहे लाख दावा करे कि इन राज्यों में एसआईआर के बहाने वोटों की चोरी हुई, लेकिन इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि मोदी की अगुआई में बीजेपी निराशा झाड़कर उठ खड़ी होती रही और चुनाव-दर-चुनाव सफलताएं हासिल करती रही।

राहुल गांधी के निशाने पर इन दिनों चार लोग हैं और अपने हर भाषण और प्रेस कांफ्रेंस में वह अशोभन ढंग से इन नामों पर हमला करते रहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, संघ प्रमुख मोहन भागवत और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का नाम लेकर राहुल टिप्पणियां कर रहे हैं। रामलीला मैदान में भी उन्होंने अशोभन तरीके से नाम लिए, लेकिन लगे हाथों यह कहने से भी नहीं चूके कि वे किसी से नफरत नहीं करते। राहुल का यह रूप दिलचस्प ही कहा जाएगा कि नफरत नहीं भी करते, लेकिन उनके शब्दों में नकारात्मकता ठीक से झलकती है। कांग्रेस के रणनीतिकार मानें या न मानें, लेकिन अमर्यादित तरीके से निशाना बनाने के चलते राहुल के शब्दों को आम जन गंभीरता से नहीं ले पाता। लोकसभा के चुनाव में अभी दो साल का वक्त है, लेकिन अगले कुछ महीनों में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। उत्तर प्रदेश को छोड़कर हर राज्य में कांग्रेस प्रमुख प्रतिद्वंद्वी है। पंजाब में उसका मुकाबला विपक्षी खेमे के ही आम आदमी पार्टी से है। यहां उसके लिए कशमकश की स्थिति है। उत्तर प्रदेश में वह समाजवादी पार्टी की पिछलग्गू है। हालांकि वह कोशिश कर रही है कि पिछलग्गू का ठप्पा उसके दामन से साफ हो सके। बाकी तीन राज्यों में वह बीजेपी के बरक्स मुकाबले में है। रामलीला मैदान की रैली का घोषित उद्देश्य भले ही मोदी, शाह, और भागवत का विरोध एवं ज्ञानेश का इस्तीफा लेना हो। लेकिन अघोषित मकसद इन राज्यों के चुनावी समर में बीजेपी को मात देना है। इस दिशा में अभी से माहौल बनाना है। मोदी के उभार के बाद रामलीला मैदान में आयोजित अतीत की रैलियों और एक नवंबर की रैली में एक अंतर साफ दिखता है। पहले ममता समेत कुछ विपक्षी दल राहुल को नेता मानने से कतराते थे। लेकिन इस रैली में एक तरह से राहुल की अगुआई स्वीकार कर ली गई है।

## देश में अब शाम को भी लगेंगी अदालतें: केंद्र सरकार का न्याय व्यवस्था में सुधार पर बडा फैसला, करीब 4.8 करोड़ लंबित मामलो के निपटान की तैयारी

*शाम को 3-4 घंटे चलने वाली इवनिंग कोर्ट्स की नई व्यवस्था में सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की ली जाएंगी सेवाएं*




नई दिल्ली। देश की अदालतों में वर्षों से लंबित पड़े मुकदमों के तेजी से निस्तारण और आम जनता को सुलभ न्याय दिलाने के लिए केंद्र सरकार एक व्यापक कार्ययोजना पर काम कर रही है। अब नियमित अदालती समय खत्म होने के बाद शाम के वक्त भी तीन से चार घंटे अतिरिक्त अदालतें चलाई जाएंगी। शुरूआत में इसे एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया जाएगा। इसके अतिरिक्त दशकों पुराने मामलों के निस्तारण के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की सेवाएं ली जाएंगी और मुकदमों का 'एजिंग एनालिसिस' कराकर प्राथमिकता तय की जाएगी। केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने देश की न्यायिक व्यवस्था में होने जा रहे इन ऐतिहासिक बदलावों की जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री ने देश की अदालतों में लंबित मुकदमों के आंकड़ों को रेखांकित करते हुए कहा कि न्यायिक प्रक्रिया के सामने मामलों की भारी संख्या एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट में 96 हजार से अधिक, देश के 25 उच्च न्यायालयों में करीब 70 लाख और जिला व अधीनस्थ न्यायालयों में लगभग 4.30 करोड़ मामले लंबित चल रहे हैं। समय पर न्याय न मिलने से आम जनता को होने वाली परेशानियों को देखते हुए सरकार कई आधुनिक और व्यावहारिक विकल्पों पर काम कर रही है। चार दशक पुराने मामलों की होगी प्राथमिकता से सुनवाई

इन लंबित मुकदमों को वर्गीकृत करने के लिए पहली बार 'एजिंग एनालिसिस' की पहल की जा रही है। इसके तहत 20, 30 और 40 वर्ष पुराने मुकदमों की पहचान कर उन्हें कॉज लिस्ट (कारण सूची) में प्राथमिकता दी जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कई मामले इतने पुराने हो चुके हैं कि गवाहों की मृत्यु के बाद भी सुनवाई जारी है। इसके अलावा चेक बाउंस के मामलों की बड़ी संख्या भी अदालती बोझ का एक प्रमुख कारण है। एंइवनिंग कोर्ट व्यवस्थाः नियमित अदालती कार्यवाही समाप्त होने के बाद शाम को 3 से 4 घंटे अतिरिक्त सुनवाई होगी। यद्यपि कुछ अधिवक्ताओं ने इसका विरोध किया है, लेकिन इस व्यवस्था से नए और युवा वकीलों को काम के नए अवसर मिलेंगे।संविधान के तहत सेवानिवृत्त जजों की नियुक्तिः संविधान में निहित प्रावधानों के तहत पुराने मुकदमों का बोझ घटाने के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की सेवाएं ली जाएंगी। न्यायिक प्रक्रिया में आधुनिक तकनीक के प्रयोग पर बात करते हुए अर्जुन राम मेघवाल ने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित टूल्स का उपयोग भाषाई अनुवाद के लिए शुरू हो चुका है। उदाहरण स्वरूप, सुप्रीम कोर्ट द्वारा अंग्रेजी में दिए गए निर्णयों को तमिल जैसी क्षेत्रीय भाषाओं में तुरंत अनूदित किया जा रहा है। इससे आम नागरिकों को अपनी भाषा में फैसले समझने में आसानी होगी। विपक्ष द्वारा संविधान पर संकट के आरोपों को खारिज करते हुए मंत्री ने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संविधान का सर्वोच्च सम्मान करते हैं। उन्होंने इतिहास याद दिलाते हुए कहा कि आपातकाल के दौरान ही लोकतंत्र और संविधान पर वास्तविक संकट आया था, जब पत्रकारों तक की कलम पर पाबंदी लगा दी गई थी।

## वैदिक मंत्रोच्चारण एवं विधिवत पूजा-अर्चना के साथ त्रिवेणी शुगर मिल, शामली के पेराई सत्र 2026-27 का शुभारंभ



शामली। त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड, शुगर यूनिट-शामली में आज दिनांक 11 नवंबर 2026 को पेराई सत्र 2026-27 का शुभारंभ हर्षोल्लास, उत्साह एवं धार्मिक वातावरण में विधिवत पूजा-अर्चना तथा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न हुआ। इस शुभ अवसर पर चीनी मिल के उपाध्यक्ष एवं इकाई प्रमुख श्री संजय शर्मा द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना एवं हवन संपन्न कराया गया तथा नए पेराई सत्र के सफल, सुचारू एवं निर्विघ्न संचालन के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। पूजा-अर्चना के उपरांत जिलाधिकारी शामली की गरिमामयी उपस्थिति में गन्ना कैरियर में गन्ना डालकर पेराई सत्र 2026-27 का औपचारिक शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, कृषक प्रतिनिधियों, चीनी मिल के समस्त विभागाध्यक्षों एवं अधिकारियों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर इकाई प्रमुख श्री संजय शर्मा ने कहा कि चीनी मिल प्रबंधन किसानों के हितों की रक्षा एवं उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि चीनी मिल एवं गन्ना कृषकों के बीच आपसी सहयोग एवं विश्वास ही सफल पेराई सत्र का आधार है। मिल प्रबंधन का निरंतर प्रयास रहेगा कि कृषकों को गन्ना आपूर्ति के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े तथा गन्ना खरीद एवं तौल की प्रक्रिया सुचारू एवं पारदर्शी ढंग से संचालित होती रहे। उन्होंने आगे बताया कि दिनांक 12 नवंबर 2026 को प्रातः 10:45 बजे निर्धारित शुभ मुहूर्त के अनुसार चीनी मिल में विधिवत गन्ना पेराई कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। इसके लिए चीनी मिल की ओर से आवश्यक तैयारियां की गई हैं। समस्त बाह्य गन्ना क्रय केंद्रों पर गन्ने की तौल का कार्य जारी है। इस अवसर पर मिल प्रबंधन ने क्षेत्र के समस्त गन्ना कृषकों से अपील की कि वे चीनी मिल को साफ-सुथरा, ताजा, जड़ एवं अगोला रहित गन्ना ही आपूर्ति करें तथा निर्धारित पर्ची एवं आपूर्ति कार्यक्रम के अनुसार समय से गन्ना क्रय केंद्रों अथवा मिल गेट पर पहुंचाएं। किसानों से यह भी अनुरोध किया गया कि वे गन्ने की कटाई आपूर्ति पर्ची प्राप्त होने के उपरांत ही करें, जिससे अनावश्यक रूप से गन्ना खेत में अथवा वाहनों में पड़ा न रहे तथा गन्ने की गुणवत्ता एवं वजन में होने वाली संभावित हानि से बचा जा सके। मिल प्रबंधन ने विश्वास व्यक्त किया कि क्षेत्र के गन्ना कृषकों, जिला प्रशासन, जनप्रतिनिधियों एवं चीनी मिल के अधिकारियों तथा कर्मचारियों के सहयोग से पेराई सत्र 2026-27 सफलतापूर्वक संपन्न होगा।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी अतिथियों, गणमान्य नागरिकों, कृषक प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों का आभार व्यक्त किया गया तथा नए पेराई सत्र की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

## नोएडा के सॉफ्टवेयर इंजीनियर का पूरा परिवार खत्म: हरदोई में गंगा एक्सप्रेस-वे पर डिवाइडर से टकराई कार, पत्नी व दो बच्चों समेत दर्दनाक मौत, छठ पूजा पर घर लौट रहा था परिवार

*हरदोई जिले में एक्सप्रेस-वे पर सांडी थाना क्षेत्र के भटोली माफी गांव के पास हुआ हादसा*



नोएडा/हरदोई। हरदोई जिले में सांडी थाना क्षेत्र के अंतर्गत गंगा एक्सप्रेस-वे पर बुधवार को एक अत्यंत दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया। छठ महापर्व पर नोएडा से अपने गृह जनपद प्रयागराज जा रहे एक ही परिवार के चार सदस्यों की कार हादसे में जान चली गई। एक्सप्रेस-वे के किलोमीटर संख्या 317 पर भटोली माफी गांव के समीप अत्यधिक रफ्तार के कारण कार अनियंत्रित होकर कंक्रीट डिवाइडर में जा घुसी। टक्कर इतनी भयानक थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और वाहन में सवार दंपती की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके दो बेटों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। नोएडा से प्रयागराज जा रहा था परिवार नोएडा से

मूल रूप से प्रयागराज के मुड़ैरा निवासी सौरभ उपाध्याय एक सॉफ्टवेयर कंपनी चलाते थे और वर्तमान में अपने परिवार के साथ नोएडा में रह रहे थे। वे बुधवार को अपनी पत्नी मेनका उपाध्याय और दो छोटे बेटों-शिवओम तथा व्योम उपाध्याय-के साथ छठ पूजा मनाने के लिए अपनी कार से प्रयागराज के लिए रवाना हुए थे। जैसे ही उनकी कार गंगा एक्सप्रेस-वे पर हरदोई जिले के सांडी थाना क्षेत्र स्थित भटोली माफी गांव (किलोमीटर 317) के पास पहुंची, चालक का वाहन से संतुलन बिगड़ गया और तेज रफ्तार कार सीधे डिवाइडर से जा टकराई। मौके पर ही दो की सांसें थमीं, अस्पताल में बच्चों ने तोड़ा दम

भीषण टक्कर के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे में सौरभ उपाध्याय और उनकी पत्नी मेनका की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और एक्सप्रेस-वे पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची और कार में फंसे घायलों को बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायल दोनों बच्चों को तुरंत सांडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और बिलग्राम सीएचसी भिजवाया गया। डॉक्टरों के अथक प्रयासों के बावजूद शिवओम ने सांडी सीएचसी में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जबकि दूसरे बेटे व्योम उपाध्याय की मेडिकल कॉलेज हरदोई में इलाज के दौरान मौत हो गई। इस तरह इस भीषण हादसे में पूरा का पूरा परिवार खत्म हो गया। मदद में देरी से भड़के ग्रामीण, यूपीडा की गाड़ी पलटी

घटना के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों और ग्रामीणों का आरोप था कि दुर्घटना के बाद यूपीडा (UPEIDA) की पेट्रोलिंग टीम और एम्बुलेंस सहायता के लिए काफी देर से पहुंची। इसी बात से नाराज ग्रामीणों ने मौके पर हंगामा शुरू कर दिया और उग्र भीड़ ने एक्सप्रेस-वे पर खड़ी यूपीडा की गाड़ी को पलट दिया।

आला अफसरों ने संभाला मोर्चा

सूचना मिलने के बाद भारी पुलिस बल के साथ वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा प्रयागराज स्थित परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है।

## त्योहार पर सड़कों पर बढ़ा वाहनों का दबाव, मुख्य बस अड्डे पर लगी वाहनों की लंबी कतारें



मुजफ्फरनगर। मीरापुर कस्बे में भैया दूज का पर्व हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। त्योहार के चलते सुबह से ही कस्बे के बाजारों और मुख्य मार्गों पर लोगों की भारी चहल-पहल देखने को मिली। बहनों ने अपने भाइयों के घर पहुंचकर उनका तिलक किया और उनकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। वहीं भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर पर्व की खुशियां साझा कीं।

भैया दूज के अवसर पर कस्बे में बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही रही। बहनें और भाई एक-दूसरे के घर पहुंचने के लिए निजी वाहनों का इस्तेमाल करते नजर आए। वाहनों की संख्या बढ़ने से कस्बे के मुख्य मार्गों पर यातायात का दबाव बढ़ गया और कई स्थानों पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। मुख्य बस अड्डे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिसके चलते राहगीरों और वाहन चालकों को काफी देर तक जाम में फंसे रहना पड़ा। वहीं मुख्य बाजार में भी बार-बार यातायात बाधित हुआ। जाम की सूचना पर पुलिसकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर यातायात व्यवस्था संभाली। पुलिस को जाम खुलवाने और वाहनों को व्यवस्थित तरीके से निकलवाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। काफी प्रयासों के बाद यातायात सुचारु कराया गया। त्योहार की रौनक के बीच जाम की समस्या ने लोगों को परेशान किया।

## गाजियाबाद में फ्लैट की छठी मंजिल से गिरकर बैंक फाइनेंसकर्मी की मौत, पत्नी पर धक्का देने का पिता ने लगाया आरोप

गाजियाबाद। नंदग्राम क्षेत्र में सोमवार रात फ्लैट की छठी मंजिल से गिरकर अमरोहा निवासी अंकित चौहान की मौत हो गई। अंकित निजी बैंक फाइनेंस का काम करते थे और फ्लैट संख्या ठए-606 की रेलिंग पर बैठकर सिगरेट पी रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, संतुलन बिगड़ने पर उन्होंने रेलिंग पकड़कर शोर मचाया, लेकिन लोगों के पहुंचने से पहले उनके हाथ फिसल गए और वह नीचे गिर पड़े।उन्हें संजय नगर स्थित अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया पुलिस के मुताबिक नौ दिन पहले ही अंकित के घर बेटे का जन्म हुआ था वहीं, मृतक के पिता जयपाल सिंह ने बहू पर बेटे को बालकनी से धक्का देने का गंभीर आरोप लगाया है पिता के अनुसार, दंपती के बीच पहले से वैवाहिक विवाद चल रहा था और अंकित नौकरी छूटने के कारण भी मानसिक तनाव में थे पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला संतुलन बिगड़ने से गिरने अथवा आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, जबकि पिता की ओर से लगाए गए हत्या संबंधी आरोपों को भी ध्यान में रखते हुए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। फिलहाल मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा।

## इमरान मसूद के बयान पर विधायक नंद किशोर गुर्जर का पलटवार, बोले-बकरीद पर कुबार्नी से होने वाले प्रदूषण पर भी बोलें

गाजियाबाद । सहारनपुर से सांसद इमरान मसूद के दीपावली को लेकर दिए गए बयान पर लोनी से भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इमरान मसूद पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें दीपावली के प्रदूषण पर सवाल उठाने के साथ बकरीद पर होने वाली पशु कुबार्नी और उससे फैलने वाली गंदगी पर भी बोलने की हिम्मत दिखानी चाहिए।

विधायक ने कहा कि ईद के दौरान निरीह पशुओं की कुबार्नी और खून बहने से फैलने वाले प्रदूषण पर भी सांसद को अपनी राय रखनी चाहिए उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ नेता केवल हिंदू त्योहारों को निशाना बनाते हैं गुर्जर ने इसे सनातन धर्म के प्रति नफरत बताते हुए कैराना की सांसद पर भी सनातन के खिलाफ बयान देने का आरोप लगाया।

सनातन पांडे के बयान पर भी जताई नाराजगी

विधायक ने सपा नेता सनातन पांडे के कारसेवकों पर गोली चलाने की घटना को सही ठहराने संबंधी कथित बयान की निंदा की। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि ऐसी घटना में उनके अपने परिवार का कोई सदस्य मारा जाता, तो क्या तब भी वह इसी तरह की बात कहते?

कीर्ति आजाद के बयान पर पलटवार

टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद के मां जानकी और भगवान श्रीराम को लेकर दिए गए बयान पर गुर्जर ने कहा कि उनका ज्ञान अधूरा है और उन्हें धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन करना चाहिए उन्होंने महर्षि वाल्मीकि रामायण का हवाला देते हुए कहा कि भगवान श्रीराम और माता सीता के चरित्र को लेकर गलत जानकारी प्रस्तुत की जा रही है

उन्होंने आरोप लगाया कि मुगल शासकों और अंग्रेजों के शासनकाल में धार्मिक ग्रंथों के साथ छेड़छाड़ की गई।

रामगोपाल यादव पर भी साधा निशाना

विधायक ने रामगोपाल यादव के बयानों की भी निंदा की। उन्होंने कहा कि कुछ लोग मौलाना के बयानों और कत्लेआम को सही ठहराने की कोशिश करते हैं। जनता सब देख रही है और आने वाले समय में इसका जवाब देगी।

## शराब के ठेके पर उधार में पव्वा न देने पर मारपीट का आरोप, पीड़ित ने पुलिस से लगाई न्याय की गुहार

गाजियाबाद। थाना मुरादनगर क्षेत्र में पाइपलाइन रोड स्थित देशी शराब के ठेके पर विवाद और मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि शराब के ठेके पर उधार में शराब देने से मना करना एक व्यक्ति को भारी पड़ गया। विरोध करने पर कुछ लोगों ने कथित तौर पर गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की।

मामले को लेकर पीड़ित सुरेश पुत्र उदयराज की ओर से थाना मुरादनगर में लिखित शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

शिकायत में पीड़ित ने बताया कि 9 नवंबर 2026 को सुबह करीब 10:30 बजे पाइपलाइन रोड स्थित देशी शराब के ठेके पर कुछ लोग पहुंचे। आरोप है कि वहां शराब का पव्वा उधार मांगने को लेकर विवाद शुरू हो गया। जब उधार देने से मना किया गया तो आरोपियों ने कथित तौर पर गाली-गलौज शुरू कर दी और देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच गया।

पीड़ित का आरोप है कि इसके बाद अन्य लोगों को भी मौके पर बुलाया गया और उसके साथ लात-घूंसों से मारपीट की गई। इतना ही नहीं, शिकायतकर्ता ने जान से मारने की धमकी देने और भविष्य में नुकसान पहुंचाने की आशंका भी जताई है।

पीड़ित ने थाना मुरादनगर पुलिस से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

अब बड़ा सवाल यह है कि आखिर शराब के ठेके पर उधार में शराब न देने पर किसी व्यक्ति के साथ मारपीट करने का अधिकार किसने दिया? क्या पुलिस इस मामले में शिकायत के आधार पर जांच कर उचित कार्रवाई करेगी या पीड़ित को न्याय के लिए इंतजार करना पड़ेगा?

फिलहाल पुलिस की जांच एवं कार्रवाई का इंतजार है। शिकायत में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है।

## जिलाधिकारी व एसएसपी ने मखदूमपुर गंगा घाट मेले का स्थलीय निरीक्षण कर लिया तैयारियो का जायजा, दिये आवश्यक दिशा-निर्देश



मेरठ। जिलाधिकारी डा0 वी0के0 सिंह व एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति ने संबंधित अधिकारियो के साथ मखदूमपुर गंगा घाट मेले का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियो का जायजा लिया। उन्होने वहां श्रद्धालुओ के आवागमन की व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पार्किंग की व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा व्यवस्था, कंट्रोल रूम, ट्रैफिक व्यवस्था, घाटों पर साइनेज, एम्बुलेन्स, मोबाइल टॉयलेट सहित अन्य व्यवस्थाओ का जायजा लिया व संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस अवसर पर एसडीएम मवाना संतोष कुमार, एसपी देहात अभिजीत कुमार, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत वीएस0 कुशवाहा, डीपीआरओ वीरेन्द्र सिंह, अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग सत्येन्द्र सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

## रंग संसार

### टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस पर मनोज बाजपेयी का रिएक्शन, कहा- उस समय पूरी इंडस्ट्री निशाने पर



नई दिल्ली। फिल्मी सितारों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं फिर से शुरू हो गई हैं। अक्टूबर महीने में टाइगर श्रॉफ पर जानलेवा हमला हुआ था। यह घटना 902 के दौर की याद दिलाता है, जब अंडरवर्ल्ड से कई बॉलीवुड सेलिब्रिटीज को धमकियां मिलती थीं। अब मनोज बाजपेयी ने रिएक्शन दिया है। मनोज बाजपेयी का कहना है कि मौजूदा हालात की तुलना सीधे तौर पर पुराने समय से नहीं की जानी चाहिए, क्योंकि आज के समय में आपराधिक नेटवर्क अलग तरह से काम करते हैं। मनोज बाजपेयी ने हिंदुस्तान टाइम्स के साथ बातचीत में कहा, "अब वह पुराना दौर कभी वापस नहीं आएगा। उस समय पूरी इंडस्ट्री निशाने पर थी, लेकिन अभी ऐसा नहीं है। अपराध का तरीका और उसकी परिभाषा पूरी तरह बदल चुकी है। अब कोई कहीं और बैठकर अपने शूटरों को किसी पर हमला करने के लिए भेजता है और हो सकता है कि वह व्यक्ति असल में उनका निशाना हो ही न।"टाइगर श्रॉफ नहीं थे निशाना मनोज बाजपेयी ने टाइगर श्रॉफ के फायरिंग केस को लेकर कहा कि असल में वह शूटरों का टारगेट थे ही नहीं। उन्होंने कहा, "पूरी बातचीत उन अन्य सितारों के बारे में थी जो असल टारगेट थे और अब उन्हें अपनी सुरक्षा के लिए बहुत ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है।" एक्टर ने बेहतर हालात होने की उम्मीद जताई है। 18 अक्टूबर की शाम को मुंबई में फुटबॉल ग्राउंड के बाहर टाइगर श्रॉफ के ऊपर कई राउंड फायरिंग हुई। कार में मौजूद टाइगर को तो ज्यादा चोटें नहीं आईं, लेकिन उनके ड्राइवर घायल हो गए थे। रिपोर्ट्स की मानें तो इसकी जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी। गिरफ्तार किए गए लोगों ने पहले अक्षय कुमार, अमिताभ बच्चन और आमिर खान जैसे अभिनेताओं के घरों की रेकी की थी। उनके निशाने पर पहले ये सितारे थे।

## राज काज

### उत्तरी हॉलीवुड में वाहन की टक्कर से तीन लोगों की मौत, सड़क के किनारे काम करने वाले बने हादसे का शिकार

एपी, लॉस एंजिल्स। उत्तरी हॉलीवुड में एक मेट्रो स्टेशन के पास फुटपाथ पर एक वाहन की टक्कर से तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए हैं। लॉस एंजिल्स फायर डिपार्टमेंट से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार ये हादसा हुआ। लॉस एंजिल्स पुलिस डिपार्टमेंट ने बताया कि शाम छह बजे से ठीक पहले, एक व्यस्त चौराहे पर सफेद एसयूवी कम से कम पांच लोगों से टकरा गई। उन्होंने बताया कि ड्राइवर समेत कम से कम तीन लोगों को अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों ने अभी तक दुर्घटना के कारण का पता नहीं लगाया है और किसी भी संभावना से इनकार नहीं किया है। मंगलवार रात एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में लॉस एंजिल्स पुलिस विभाग के कैप्टन वार्नर कैस्टिलो ने बताया कि हमें नहीं पता कि यह जानबूझकर किया गया था या कोई हादसा था। कैस्टिलो ने बताया कि ड्राइवर, जिसका नाम अभी जारी नहीं किया गया है, 60 साल के आसपास का है। अधिकारी यह जांच कर रहे हैं कि कहीं वह किसी नशे की हालत में तो नहीं था। सड़के के किनारे सामान बेचने वाले लोग बने शिकार मेयर करेन बास ने बताया कि पीड़ितों में सड़क किनारे सामान बेचने वाले विक्रेता और पैदल चलने वाले लोग शामिल थे। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स (ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा कि इस घटना से प्रभावित सभी लोगों के परिवारों के प्रति दुख जताया। लॉस एंजिल्स पुलिस विभाग चीफ जिम मैकडॉनेल ने कहा कि अधिकारी इलाके के वीडियो फुटेज की जांच करेंगे। उन्होंने इसे "लंबी लेकिन बहुत बारीकी से की जाने वाली जांच" बताया।ऑनलाइन पोस्ट की गई तस्वीरों और वीडियो में एक सफेद वाहन फुटपाथ पर, विक्रेताओं के टेंट के पास दिखाई दे रहा है। साथ ही वहां इमरजेंसी टीमें भी मौजूद हैं। कुछ पोस्ट में देखा जा सकता है कि बचाव दल एक व्यक्ति को स्ट्रेचर पर ले जा रहा है।

## दैनिक राशिफल गुरूवार 12 नवम्बर 2026

**मेष** - व्यायाधिक्य का अवसर आ सकता है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग।

**वृष** - सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। यात्रा का योग हैं। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा।

**मिथुन :** प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी।

**कर्क** - शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे।

**सिंह-** शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़े अपने काम पर ध्यान दीजिए।

**कन्या** - परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे।

**तुला** - स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बने रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी।

**वृश्चिक** - लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी।

**धनु** - सुख आरोग्य प्रभावित होगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी।

**मकर** - स्वविवेक से कार्य करें। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहें। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। पूजा-पाठ आदि धार्मिक कार्य संपन्न होंगे।

**कुंभ** - प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। धर्म-कर्म में रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा।

**मीन** - श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है।

### दैनिक पंचांग

12 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति




| ग्रह | स्थिति |
|---|---|
| सूर्य | तुला में |
| चंद्र | वृश्चिक में |
| मंगल | कर्क में |
| बुध | तुला में |
| गुरु | सिंह में |
| शुक्र | कन्या में |
| शनि | मीन में |
| राहु | कुंभ में |
| केतु | सिंह में |

| लग्नारंभ समय | |
|---|---|
| वृश्चिक | 06.36 ब.से |
| धनु | 08.52 बजे से |
| मकर | 10.57 बजे से |
| कुंभ | 12.44 बजे से |
| मीन | 14.17 बजे से |
| मेष | 15.47 बजे से |
| वृष | 17.27 बजे से |
| मिथुन | 19.25 बजे से |
| कर्क | 21.39 बजे से |
| सिंह | 23.55 बजे से |
| कन्या | 02.07 बजे से |
| तुला | 04.18 बजे से |

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

**गुरुवार** 2026 वर्ष का 316 वा दिन
**दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** शरद।
**विक्रम संवत्** 2083
**शक संवत्** 1948
**मास** कार्तिक
**पक्ष** शुक्ल
**तिथि** तृतीया 18.10 बजे को समाप्त।
**नक्षत्र** ज्येष्ठा 14.19 बजे को समाप्त।
**योग** सुकर्मा 04.27 बजे रात्र को समाप्त।
**करण** गर 18.10 बजे को समाप्त।
**चन्द्रायु** 2.7 घण्टे
**रवि क्रान्ति** दक्षिण 17° 38'
**सूर्य** दक्षिणायन
**कलि अहर्गण** 1872891
**जूलियन दिन** 2461356.5
**कलियुग संवत्** 5128
**कल्पारंभ संवत्** 1972949128
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128
**वीरनिर्वाण संवत्** 2552
**हिजरी सन्** 1448
**महीना** जमादि उस्सानी
**तारीख** 01

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| शुभ | 05.54 से | 07.22 बजे तक | अमृत | 05.40 से | 07.11 बजे तक |
| रोग | 07.22 से | 08.51 बजे तक | चर | 07.11 से | 08.43 बजे तक |
| उद्वेग | 08.51 से | 10.19 बजे तक | रोग | 08.43 से | 10.15 बजे तक |
| चर | 10.19 से | 11.47 बजे तक | काल | 10.15 से | 11.47 बजे तक |
| लाभ | 11.47 से | 01.15 बजे तक | लाभ | 11.47 से | 01.19 बजे तक |
| अमृत | 01.15 से | 02.43 बजे तक | उद्वेग | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| काल | 02.43 से | 04.11 बजे तक | शुभ | 02.51 से | 04.23 बजे तक |
| शुभ | 04.11 से | 05.40 बजे तक | अमृत | 04.23 से | 05.55 बजे तक |

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ

## भोपा रोड पर ग्रांड प्लाजा मॉल के बाहर अवैध पार्किंग से लगा जाम, राहगीर हलकान

### मॉल आने वाले लोग सड़क पर ही खड़े कर रहे वाहन, ई-रिक्शाओं का जमावड़ा बढ़ा रहा मुसीबत; यातायात विभाग से चालान और नई मंडी पुलिस से कार्रवाई की मांग

मुजफ्फरनगर। शहर के भोपा रोड स्थित ग्रांड प्लाजा मॉल के बाहर अव्यवस्थित पार्किंग और ई-रिक्शाओं के जमावड़े के चलते यातायात व्यवस्था बदहाल होती जा रही है। मॉल में खरीदारी और अन्य कामों के लिए आने वाले लोग अपने दोपहिया और चारपहिया वाहन सड़क पर ही खड़े करके चले जाते हैं। इसके चलते सड़क का बड़ा हिस्सा वाहनों की पार्किंग की चपेट में आ जाता है और आवागमन के लिए जगह कम बचती है। रही-सही कसर सड़क किनारे और आसपास खड़े ई-रिक्शा पूरी कर देते हैं। नतीजतन भोपा रोड पर जाम की स्थिति बन जाती है और आम राहगीरों तथा वाहन चालकों को परेशानी उठानी पड़ती है। सड़क को ही बना दिया पार्किंग स्थल ग्रांड प्लाजा मॉल के बाहर की स्थिति को लेकर सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि लोग अपने वाहन मॉल के बाहर सड़क पर ही खड़े करके चले जाते हैं। कई वाहन सड़क के किनारे



इस तरह खड़े रहते हैं कि अन्य वाहनों के निकलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं बचती। व्यस्त मार्ग पर इस तरह की पार्किंग से यातायात प्रभावित होता है। सड़क पर चलने वाले लोगों को बार-बार रुकना पड़ता है और वाहन चालकों को निकलने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती है। मॉल के आसपास ई-रिक्शाओं का जमावड़ा भी जाम की बड़ी वजह बन रहा है। ई-रिक्शाओं के खड़े रहने और सवारियां बैठाने के कारण सड़क पर वाहनों का दबाव और बढ़ जाता है। एक तरफ सड़क पर खड़े दोपहिया और चारपहिया वाहन तथा दूसरी तरफ ई-रिक्शाओं की भीड़ के चलते रास्ता संकरा हो जाता है। ऐसे में जाम लगने से राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। मॉल के बाहर अव्यवस्थित पार्किंग को लेकर लोगों की चिंता केवल जाम तक सीमित नहीं है। क्षेत्र में बाइक चोरी की घटनाओं और वाहन खड़े करने को लेकर मारपीट तथा विवाद होने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। ऐसे में पार्किंग व्यवस्था को व्यवस्थित करना और वाहनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी जरूरी हो गया है। यदि समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो आम लोगों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। स्थानीय लोगों और राहगीरों का कहना है कि भोपा रोड पर यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए यातायात विभाग को नियमित अभियान चलाना चाहिए। सड़क पर गलत तरीके से वाहन खड़े करने वालों के चालान किए जाएं और मॉल के बाहर नो-पार्किंग क्षेत्र में वाहनों को खड़ा होने से रोका जाए। इसके साथ ही ई-रिक्शाओं के खड़े होने और सवारियां बैठाने के लिए भी उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। यह क्षेत्र नई मंडी कोतवाली के अंतर्गत आता है। ऐसे में स्थानीय लोगों ने नई मंडी पुलिस से भी सड़क पर होने वाली अव्यवस्थित पार्किंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि पुलिस और यातायात विभाग संयुक्त रूप से अभियान चलाकर सड़क को अतिक्रमण और अवैध पार्किंग से मुक्त कराएं।

मॉल प्रबंधन को भी अपने यहां आने वाले ग्राहकों के वाहनों की पार्किंग के लिए उचित इंतजाम करने चाहिए, ताकि सड़क पर वाहन खड़े न हों।

## रामपुर तिराहा के पास अंधेरे में डूबा सुभाष चौक: वीआईपी मार्ग होने के बाद भी अधिकारी बेखबर

मुजफ्फरनगर। पुरकाजी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाला अति महत्वपूर्ण रामपुर तिराहा पुलिस चौकी के पास स्थित सुभाष चौक इन दिनों घने अंधेरे के आगोश में है। सबसे ज्यादा हैरान करने वाली बात यह है कि इसी मुख्य मार्ग से आए दिन पुलिस-प्रशासन के आला अधिकारियों से लेकर विभिन्न जनप्रतिनिधियों और मंत्रियों के काफिले गुजरते हैं, इसके बावजूद चौराहे पर प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त कराने की तरफ किसी का ध्यान नहीं जा रहा है। जिम्मेदार अधिकारियों की इस घोर अनदेखी से स्थानीय लोगों और राहगीरों में भारी नाराजगी है। दिन-रात वाहनों का आवागमन, हादसे का मंडराया खतरा

स्थानीय निवासियों और दुकानदारों का कहना है कि सुभाष चौक क्षेत्र



का एक बेहद व्यस्त और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चौराहा है। यहां से दिन-रात छोटी-बड़ी गाड़ियों का भारी आवागमन बना रहता है। संध्या ढलते ही पूरा चौक अंधेरे में डूब जाता है, जिससे सड़क पार करने वाले राहगीरों और वाहन चालकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। चौराहे पर पर्याप्त रोशनी न होने की वजह से आए दिन किसी बड़े सड़क हादसे की आशंका बनी रहती है।

वीआईपी मूवमेंट के बावजूद जिम्मेदार मौन

क्षेत्रीय नागरिकों ने तीखा सवाल खड़ा करते हुए कहा कि जब इसी रास्ते से शासन और प्रशासन के बड़े-बड़े जिम्मेदार अधिकारी और मंत्री रोजाना निकलते हैं, तो क्या उन्हें यह घोर अंधेरा और जनसमस्या नजर नहीं आती?

चौराहे पर हाईमास्क लाइट लगाने की मांग

लोगों का कहना है कि पुलिस चौकी के इतने समीप मुख्य चौराहे पर रोशनी की व्यवस्था न होना प्रशासनिक ढिलाई को दर्शाता है। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि सुभाष चौक पर तुरंत हाईमास्ट लाइट या स्ट्रीट लाइट लगवाकर चौराहे को रोशन किया जाए, ताकि किसी अनहोनी दुर्घटना से बचा जा सके।

## आग की लपटों में गरीब परिवार का आशियाना तबाह, पंखे तक पिघले; छत के लेंटर का सीमेंट भरभराकर गिरा

### किला मोहल्ला पुरानी आबकारी में रेखा वाल्मीकि के मकान में लगी भीषण आग से भारी नुकसान

मुजफ्फरनगर। नगर कोतवाली क्षेत्र के किला मोहल्ला पुरानी आबकारी में एक गरीब परिवार के मकान में लगी आग ने भारी तबाही मचा दी। आग इतनी भीषण थी कि घर में लगे पंखे तक पिघल गए और छत के लेंटर का सीमेंट भरभराकर नीचे गिरने लगा। मकान से उठती आग की लपटों और धुएं को देखकर मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने एकजुट होकर आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि दमकल विभाग को सूचना देने के बावजूद गाड़ियां काफी देर से मौके पर पहुंचीं। गनीमत रही कि घटना के समय घर में कोई मौजूद नहीं था, जिससे जनहानि होने से बच गई। आग रेखा वाल्मीकि के मकान में लगी। परिवार की आर्थिक स्थिति पहले से ही कमजोर है। रेखा का बेटा लवकुश मेहनत-मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता है। परिवार के दोनों बच्चे बुखार से पीड़ित होने के कारण अस्पताल में भर्ती हैं। बच्चों की देखभाल के लिए परिवार के सदस्य अस्पताल गए हुए थे। इसी दौरान घर में आग लग गई। आग से मकान को भारी नुकसान पहुंचा है। बच्चों की बीमारी और घर में आग लगने की दोहरी मार से परिवार के सामने



संकट खड़ा हो गया है। प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार आग ने मकान के अंदर काफी नुकसान पहुंचाया। आग की तपिश इतनी तेज थी कि घर में लगे पंखे तक पिघल गए। छत के लेंटर का सीमेंट भी गर्मी और आग के प्रभाव से भरभराकर गिरने लगा। मकान की हालत देखकर आग की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है। घर में आग लगने की खबर फैलते ही आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और आग को फैलने से रोकने के लिए अपने स्तर पर प्रयास करने लगे। रेखा वाल्मीकि के परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर बताई जा रही है। उनका बेटा लवकुश मेहनत-मजदूरी करके परिवार का खर्च चलाता है। परिवार के दोनों बच्चे पिछले कुछ समय से बुखार से पीड़ित हैं और उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती हैं। परिवार के सदस्य बच्चों की देखभाल में लगे हुए थे। इसी दौरान मकान में आग लग गई। घर से धुआं और लपटें उठती देखकर मोहल्ले के लोगों ने परिवार को सूचना दी। घर पर कोई मौजूद नहीं होने के कारण आग से हुए नुकसान का पता चलने पर परिवार के सामने मुश्किलें और बढ़ गईं। स्थानीय लोगों ने दमकल विभाग की आपातकालीन व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि आग लगने के बाद अग्निशमन विभाग को सूचना देने के लिए लगातार फोन किए गए, लेकिन काफी देर तक फोन नहीं उठाया गया। लोगों का यह भी कहना है कि दमकल की गाड़ियां मौके पर बहुत देर से पहुंचीं। इस बीच मोहल्ले के लोगों ने खुद ही आग बुझाने और उसे दूसरे हिस्सों में फैलने से रोकने के प्रयास किए। स्थानीय लोगों के अनुसार समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो नुकसान और अधिक हो सकता था।

सपा के राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा ने पीड़ित परिवार से की मुलाकात

घटना की जानकारी मिलने पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने रेखा वाल्मीकि और उनके परिवार से मुलाकात कर आग से हुए नुकसान की जानकारी ली तथा परिवार को ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि परिवार बेहद गरीब है और लवकुश मेहनत-मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। दोनों बच्चे बीमारी के चलते अस्पताल में भर्ती हैं। परिवार पहले ही बच्चों के इलाज को लेकर परेशान था, ऐसे में मकान में आग लगने से उसकी मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

नुकसान का आकलन कर तत्काल आर्थिक सहायता दिलाने की मांग

राकेश शर्मा ने प्रशासन से मांग की कि पीड़ित परिवार के मकान का मौके पर निरीक्षण कराकर आग से हुए नुकसान का आकलन कराया जाए। परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति को देखते हुए उसे तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए, ताकि वह अपने घर की स्थिति सुधार सके और बच्चों के इलाज का खर्च भी उठा सके। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में गरीब परिवार को सरकारी मदद मिलनी चाहिए। प्रशासन को मामले का संज्ञान लेकर पीड़ित परिवार को राहत पहुंचानी चाहिए।

बच्चों का इलाज और मकान की मरम्मत बनी परिवार के सामने चुनौती

आग की घटना ने परिवार को दोहरी मुसीबत में डाल दिया है। एक तरफ दोनों बच्चे अस्पताल में भर्ती हैं, वहीं दूसरी ओर मकान में आग से हुए नुकसान के बाद घर को दोबारा व्यवस्थित करना परिवार के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। मेहनत-मजदूरी के सहारे परिवार चलाने वाले लवकुश के सामने बच्चों के इलाज के साथ मकान की मरम्मत और जरूरी सामान की व्यवस्था करने की चिंता भी खड़ी हो गई है। मोहल्ले के लोगों ने प्रशासन से गरीब परिवार की मदद करने के साथ ही दमकल विभाग की आपातकालीन फोन व्यवस्था और समय पर घटनास्थल पहुंचने की व्यवस्था को दुरुस्त कराने की मांग की है।

## मुजफ्फरनगर की बेटी की पंजाब के ईंट भट्ठे पर हुई मौत: बागपत में ससुराल वालों ने घर में नहीं दी जगह, रातभर सड़क पर पड़ा रहा शव, ग्रामीणों में आक्रोश

*पति शव लेकर घर पहुंचा तो परिजनों की मर गई संवेदनाएं, पुलिस की भूमिका पर भी उठे सवाल, सुबह रविदास मंदिर में रखा शव*

मुजफ्फरनगर/बागपत। रिश्तों में संवेदनाएं किस कदर खत्म हो सकती हैं, इसकी एक दर्दनाक तस्वीर बागपत के बिजरौल गांव में सामने आई है। आठ माह की गर्भवती 23 वर्षीय शिवानी की पंजाब में ईंट भट्ठे पर हुए हादसे में मौत हो गई। परिवार के लोग मंगलवार रात उसका शव लेकर गांव पहुंचे, लेकिन घर में प्रवेश को लेकर ऐसा विवाद खड़ा हुआ कि मृतका का शव पूरी रात मकान के सामने सड़क पर पड़ा रहा। आरोप है कि मकान पर ताऊ का कब्जा होने के कारण पति और अन्य परिजनों को शव घर के अंदर नहीं ले जाने दिया गया। बुधवार सुबह परिजनों ने शव को गांव के रविदास मंदिर में रख दिया। घटना को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। परिजनों ने पुलिस पर सूचना देने के बावजूद मौके पर नहीं पहुंचने का आरोप लगाया है। मुजफ्फरनगर जनपद के तालड़ा गांव निवासी शिवानी (23) की शादी करीब छह साल पहले बागपत के बिजरौल गांव निवासी सागर पुत्र महेरदास के साथ हुई थी। परिवार के अनुसार, करीब दो महीने पहले शिवानी अपने पति सागर, देवर शिवम, अरुण और सास सीता के साथ पंजाब में ईंट भट्ठे पर मजदूरी



करने गई थी। वहां परिवार के सभी सदस्य काम करके गुजर-बसर कर रहे थे। बताया गया कि दो दिन पहले ईंट भट्ठे पर काम के दौरान शिवानी का पैर फिसल गया और वह जमीन पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। गिरने से उसके सिर में चोट लगी। चोट इतनी गंभीर थी कि उसकी मौत हो गई। शिवानी आठ माह की गर्भवती थी। उसकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मंगलवार रात सागर और परिवार के अन्य सदस्य शिवानी का शव लेकर बिजरौल गांव पहुंचे। पति की उम्मीद थी कि पत्नी के अंतिम दर्शन और अंतिम संस्कार की तैयारी घर से की जाएगी, लेकिन यहां मकान को लेकर चल रहा पुराना विवाद सामने आ गया। सागर का आरोप है कि मकान पर उसके ताऊ का कब्जा है। जब वह पत्नी का शव लेकर घर पहुंचा तो उसे मकान के अंदर प्रवेश नहीं करने दिया गया। परिवार के लोगों ने काफी प्रयास किया, लेकिन विवाद नहीं सुलझा। आखिरकार शिवानी का शव पूरी रात मकान के सामने सड़क पर ही रखा रहा। एक ओर परिवार में जवान महिला की मौत का मातम था, दूसरी ओर घर में शव रखने तक की जगह नहीं मिलने से परिजन परेशान रहे। इस घटना की जानकारी मिलने पर आसपास के लोग भी मौके पर जुटने लगे।

## नामजदगी के बावजूद गिरफ्तारी न होने से व्यापारियों में नाराजगी

### चरथावल में लाल्ला पर धमकाने और अवैध वसूली के आरोप, पीड़ितों ने एसएसपी से लगाई सुरक्षा की गुहार

मुजफ्फरनगर। चरथावल कस्बे के निवासी लाल्ला की गिरफ्तारी न होने को लेकर स्थानीय व्यापारियों और पीड़ित लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। व्यापारियों का आरोप है कि आरोपी के खिलाफ कई आपराधिक मुकदमे दर्ज होने और हाल ही में एक नया मुकदमा पंजीकृत होने के बावजूद उसकी गिरफ्तारी नहीं हुई है। आरोपी के खुलेआम घूमने और कथित धमकियों से परेशान कुछ पीड़ित व्यापारी अब कस्बे से पलायन करने तक की बात कह रहे हैं।

अवैध वसूली और धमकाने का आरोप

पीड़ित व्यापारियों का आरोप है कि लाल्ला पड़त जमीन संबंधी विवादों और शिकायतों के नाम पर लोगों को परेशान करता है। आरोप है कि झूठी शिकायतों और मुकदमों में फंसाने की धमकी देकर अवैध वसूली का दबाव बनाया जाता है। व्यापारियों का



कहना है कि इस तरह के कथित उत्पीड़न से उनका कारोबार और परिवार की सुरक्षा प्रभावित हो रही है।

कई मुकदमे दर्ज होने का दावा

स्थानीय लोगों के अनुसार, तसनीम के खिलाफ पूर्व में गंभीर धाराओं सहित जुआ अधिनियम, संपत्ति संबंधी कानून और वर्ष 2013 में गुंडा एक्ट के तहत भी कार्रवाई हो चुकी है। उस पर धारा 376, 323 और 504 के तहत मुकदमे दर्ज होने की बात भी कही जा रही है। हालांकि, इन मुकदमों की वर्तमान स्थिति और उनमें हुई कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि आवश्यक है।

मुकदमा दर्ज, गिरफ्तारी का इंतजार

व्यापारियों के मुताबिक, हाल ही में चरथावल थाने में हाल ही में जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज किया गया है। इसमें भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(1), 352, 3(5), 115(2) और 351(3) के तहत लाल्ला को नामजद किया गया है।

पीड़ितों का सवाल है कि मुकदमा दर्ज होने के बाद भी अब तक गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई।

एसएसपी से कार्रवाई की मांग

पीड़ित व्यापारियों और कस्बेवासियों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, आरोपों के आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने और उन्हें सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है। उन्होंने आरोपी के विरुद्ध गुंडा एक्ट की कार्रवाई और हिस्ट्रीशीट खोले जाने की मांग भी उठाई है।

व्यापारियों का कहना है कि यदि उन्हें सुरक्षा का भरोसा नहीं मिला और कथित धमकियों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो वे अपना कारोबार समेटकर कस्बे से पलायन करने को मजबूर होंगे। अब देखना है कि पुलिस प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है।

## दहेज में बुलेट और सोने के झुमके नहीं मिले तो विवाहिता को प्रताड़ित कर घर से निकाला

### आठ लाख रुपये खर्च कर किया था निकाह, मकान खरीदने के नाम पर लिए ढाई लाख रुपये भी नहीं लौटाए

मुजफ्फरनगर। दहेज में बुलेट मोटरसाइकिल और सोने के झुमकों की मांग पूरी नहीं होने पर विवाहिता को प्रताड़ित करने, मारपीट कर भूखा रखने और घर से निकालने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता ने पति, सास, ससुर और पांच ननदों समेत आठ लोगों पर दहेज उत्पीड़न, मारपीट और मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं। विवाहिता का आरोप है कि गर्भावस्था के दौरान उसकी सास ने पेट में लात मारकर गंभीर चोट पहुंचाई थी। इसके कुछ समय बाद ऑपरेशन से जन्मी उसकी नवजात बच्ची की अस्पताल में पांच दिन तक उपचार के दौरान मौत हो गई थी। पीड़िता की शिकायत पर परिवार परामर्श केंद्र के आदेश के बाद महिला थाने में आठ आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। जानसठ थाना क्षेत्र के गांव तिसंग निवासी विवाहिता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका निकाह चार सितंबर 2025 को मेरठ जिले के सरधना थाना क्षेत्र के गांव खिर्वा जलालपुर निवासी शुऐब के साथ मुस्लिम रीति-रिवाज के अनुसार हुआ था। निकाह में उसकी विधवा मां और भाइयों ने करीब आठ लाख रुपये खर्च किए थे। मायके पक्ष की ओर से मोटरसाइकिल सहित घरेलू जरूरत का पूरा सामान दिया गया था। इसके बावजूद ससुराल पक्ष के लोगों का व्यवहार कुछ समय बाद ही बदल गया और अतिरिक्त दहेज की मांग शुरू कर दी गई। विवाहिता के अनुसार निकाह से करीब एक महीने पहले ससुराल पक्ष के लोगों ने खतौली कस्बे में मकान खरीदने के लिए मायके वालों से ढाई लाख रुपये उधार लिए थे। आरोप है कि यह रकम आज तक वापस नहीं की गई। इसके बाद भी ससुराल पक्ष की मांगें कम नहीं हुईं। पति शुऐब, सास नसीमा और अन्य परिजनों ने अतिरिक्त दहेज में बुलेट मोटरसाइकिल तथा सास और ननदों के लिए सोने के झुमके लाने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। पीड़िता का आरोप है कि उसकी ननदें निकाह में मिले स्त्रीधन और अन्य सामान को अपने साथ ले जाने का दबाव बनाती थीं। विरोध करने पर पति शुऐब, सास नसीमा, ससुर शौकीन और ननदें उसके साथ मारपीट करती थीं। उसे कई-कई दिनों तक खाना नहीं दिया जाता था। शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने के बावजूद वह इस उम्मीद में ससुराल में समय गुजारती रही कि शायद कुछ समय बाद परिवार के लोगों के व्यवहार में सुधार आ जाएगा, लेकिन आरोपियों की हरकतें लगातार बढ़ती गईं। विवाहिता ने तहरीर में आरोप लगाया कि पति के साथ दांपत्य संबंधों के दौरान वह गर्भवती हो गई थी। गर्भावस्था के समय भी ससुराल पक्ष के लोगों ने उसे परेशान करना बंद नहीं किया। आरोप है कि उसकी सास नसीमा ने उसके पेट में लात मारकर गंभीर चोट पहुंचाई थी। पीड़िता ने आशंका जताई है कि इसी घटना का उसकी गर्भावस्था पर प्रतिकूल असर पड़ा और बाद में उसकी नवजात बच्ची की मौत हो गई। तहरीर के अनुसार 28 मई 2026 को मेरठ के अंबर अस्पताल में ऑपरेशन के जरिए विवाहिता ने एक बच्ची को जन्म दिया था।

जन्म के बाद बच्ची की हालत गंभीर होने के कारण उसे करीब पांच दिनों तक अस्पताल में मशीन पर रखकर उपचार किया गया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

पीड़िता का आरोप है कि बच्ची के इलाज का पूरा खर्च भी उसके मायके वालों ने ही उठाया।

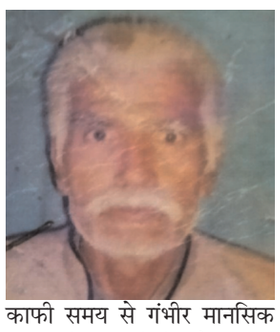
इस दुखद घटना के बाद भी ससुराल पक्ष के लोगों के व्यवहार में कोई बदलाव नहीं आया और उसे लगातार प्रताड़ित किया जाता रहा। विवाहिता के अनुसार करीब चार महीने पहले अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर ससुराल पक्ष के लोगों ने उसे अपने घर में रखने से साफ इनकार कर दिया। आरोप है कि उसे केवल पहने हुए कपड़ों में धक्के देकर घर से बाहर निकाल दिया गया। तब से वह अपनी विधवा मां और भाइयों के साथ मायके में रह रही है।

## भोपा की बेलड़ा गंग नहर पुल से वृद्ध ने लगाई छलांग: तलाश जारी, परिवार में मचा कोहराम

भोपा (मुजफ्फरनगर)। भोपा थाना क्षेत्र के अंतर्गत बेलड़ा गंग नहर पुल पर बुधवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक 68 वर्षीय वृद्ध ने उफनती गंग नहर में छलांग लगा दी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों और परिजनों में हड़कंप मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा बताए गए हुलिए के आधार पर नहर में कूदने वाले व्यक्ति की पहचान कस्बा भोकरहेड़ी निवासी बृजपाल सिंह (68 वर्ष) के रूप में हुई है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस और स्थानीय गोताखोर नहर में उनकी तलाश कर रहे हैं, हालांकि पानी के तेज बहाव के कारण उनका कोई सुराग नहीं मिल सका है।

दोपहर में अचानक बिना बताए घर से निकले थे बृजपाल

कस्बा भोकरहेड़ी के मोहल्ला सुभाष चौक निवासी देवराज उर्फ मोनू कुमार ने बताया कि उनके पिता बृजपाल सिंह (68 वर्ष)



काफी समय से गंभीर मानसिक बीमारी से जूझ रहे थे और उनका इलाज चल रहा था। बुधवार दोपहर करीब 2:00 बजे वे बिना किसी को सूचित किए चुपचाप घर से निकल गए। काफी समय बीत जाने के बाद जब वे वापस नहीं आए, तो परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की, लेकिन उनका कहीं कोई पता नहीं चला।

प्रत्यक्षदर्शियों की सूचना पर पुल पर पहुंचे परिजन

दोपहर करीब 3:15 बजे परिजनों को खबर मिली कि गांव बेलड़ा स्थित गंग नहर पुल से एक वृद्ध व्यक्ति ने नहर में छलांग लगा दी है। यह सुनते ही परिजन और भारी संख्या में ग्रामीण तुरंत बेलड़ा नहर पुल पर पहुंचे। वहां मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा बताए गए शारीरिक हुलिए और पहनावे के आधार पर पुष्टि हुई कि नहर में कूदने वाले व्यक्ति बृजपाल सिंह ही थे।

तलाशी अभियान जारी, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

घटना की जानकारी तुरंत भोपा थाना पुलिस को दी गई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थानीय गोताखोरों की मदद से गंग नहर में तलाशी अभियान शुरू कराया। इस दुखद घटना से परिजनों में मातम छाया हुआ है और उनका रो-रोकर बुरा हाल है। बृजपाल सिंह के परिवार में उनकी पत्नी संतोष, इकलौता पुत्र देवराज कुमार उर्फ मोनू और बड़े भाई राजकुमार हैं। पुलिस मामले में विधिक कार्रवाई कर रही है।

## गर्भपात कराने और घर में घुसकर मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का आरोप, छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

*ऑस्ट्रिया में रह रहे पति ने पत्नी के परिजनों पर लगाए गंभीर आरोप, ढाई साल की बेटी को भी नहीं दिखाने का आरोप; न्यायालय के आदेश पर नई मंडी पुलिस ने दर्ज किया मामला*

मुजफ्फरनगर। नई मंडी थाना क्षेत्र के नया लालबाग, पचेंडा रोड निवासी एक व्यक्ति की शिकायत पर पुलिस ने उसकी पत्नी, ससुराल पक्ष के लोगों और एक अन्य व्यक्ति समेत छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। शिकायतकर्ता ने पत्नी के गर्भवती होने की जानकारी छिपाकर कथित रूप से गर्भपात कराने, विरोध करने पर विवाद करने, घर में घुसकर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों से उसे और उसके परिवार को लगातार खतरा बना हुआ है। थाने में शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर उसने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। न्यायालय के आदेश पर नई मंडी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

वर्ष 2022 में हुई थी शादी, ढाई साल की बेटी है

नया लालबाग, पचेंडा रोड निवासी शिवेन्द्र प्रताप सिंह ने न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसकी शादी चार दिसंबर 2022 को दिल्ली निवासी कीर्ति ठाकुर के साथ हुई थी। दंपती की करीब ढाई साल की एक बेटी है। शिकायतकर्ता के अनुसार वह 12 मई 2025 को कंपनी के एक प्रोजेक्ट के सिलसिले में ऑस्ट्रिया की राजधानी वियाना गया था। वहां से उसने पत्नी और बेटी को भी अपने पास बुलाने के लिए वीजा की प्रक्रिया शुरू कर रखी थी।

पत्नी की गर्भावस्था की जानकारी मिलने पर शुरू हुआ विवाद

शिकायत के अनुसार इसी दौरान उसे पत्नी के गर्भवती होने की जानकारी मिली। इस पर उसने पत्नी से कहा कि गर्भावस्था से संबंधित आवश्यक घोषणा और औपचारिकताएं पूरी कराने के बाद वह उसे वियाना बुला लेगा। आरोप है कि पत्नी ने 23 मई 2025 को अल्ट्रासाउंड कराया और 25 मई को अपने पिता, मां और भाभी के साथ दिल्ली चली गई। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि दिल्ली पहुंचने के बाद पत्नी के पिता प्रदीप, मां रजनी, भाई अभिषेक उर्फ बादल और भाभी अंजली उर्फ बुलबुल ने उसकी जानकारी और सहमति के बिना गर्भपात करा दिया।

अल्ट्रासाउंड की रिपोर्ट मिलने पर हुआ खुलासा

शिवेन्द्र के अनुसार जब उसने पत्नी से गर्भावस्था के संबंध में जानकारी मांगी तो उसे बताया गया कि गर्भावस्था नहीं है। इसके बाद 12 जुलाई 2025 को पत्नी अपनी बेटी को लेकर वियाना पहुंच गई। शिकायतकर्ता ने बताया कि 10 दिसंबर 2025 को वह पत्नी और बेटी के साथ मुजफ्फरनगर आया था। इसी दौरान अपने कुछ कागजात तलाशते समय उसे डॉक्टर निशा मलिक का 23 मई 2025 का अल्ट्रासाउंड संबंधी पर्चा मिला। इसमें सात सप्ताह तीन दिन की गर्भावस्था का उल्लेख था। इस रिपोर्ट के आधार पर उसने पत्नी से सवाल किया तो दोनों के बीच विवाद हो गया।

झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का आरोप

शिकायतकर्ता का आरोप है कि दो जनवरी 2026 को पत्नी ने उसके साथ झगड़ा करते हुए धमकी दी कि यदि उसने दोबारा इस घटना का जिक्र किया तो उसे और उसके परिवार को झूठे मुकदमे में जेल भिजवा दिया जाएगा। आरोप है कि पत्नी के मायके जाने के बाद उसके परिजन भी लगातार उसे धमकाने लगे। इसी बीच पत्नी और उसके बीच वैवाहिक विवाद बढ़ गया तथा उसने पत्नी के खिलाफ न्यायालय में तलाक का मुकदमा भी दायर कर दिया।

घर में घुसकर पति और पिता के साथ मारपीट का आरोप

प्रार्थना पत्र में बताया गया कि 13 जून 2026 को शाम करीब पांच बजे नवादा एक्सटेंशन नवादा नई दिल्ली निवासी प्रदीप, अभिषेक उर्फ बादल और नई मंडी क्षेत्र के अंकित विहार निवासी अनिल उसके घर में घुस आए। आरोप है कि तीनों ने उसके साथ लात-घूंसों से मारपीट की। उसके पिता रजनीश पुन्डीर ने बीच-बचाव कर उसे बचाने का प्रयास किया तो उनके साथ भी दुर्व्यवहार किया गया। शोर सुनकर जावेद, शिवकुमार और अन्य लोग मौके पर पहुंच गए तथा उन्होंने बीच-बचाव कर उसे आरोपियों से छुड़ाया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि जाते समय आरोपी भविष्य में मौका मिलने पर जान से मारने की धमकी देकर चले गए।

बेटी से नहीं मिलने देने और दिल्ली में रहने का दबाव बनाने का आरोप

शिवेन्द्र ने आरोप लगाया कि घटना के बाद से आरोपी उस पर दिल्ली में फ्लैट लेकर रहने का दबाव बना रहे हैं। साथ ही उसकी बेटी से भी उसे मिलने नहीं दिया जा रहा है। पत्नी के साथ चल रहे तलाक के मुकदमे को लेकर भी आरोपी उससे रंजिश रखते हैं।

# भाई दूज पर जिला कारागार में उमड़ा बहनों का सैलाब, भाइयों के माथे पर तिलक कर छलकीं आंखें

## आठ शिफ्टों में कराई गई मुलाकात, बहनों के लिए टेंट, ठंडे पानी, चाय, बिस्कुट और टॉफियों की व्यवस्था

मुजफ्फरनगर। भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और स्नेह का प्रतीक भाई दूज का पर्व जिला कारागार मुजफ्फरनगर में भी भावुक माहौल के बीच मनाया गया। जेल की सलाखों के पीछे बंद अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाने और उनकी लंबी उम्र की कामना करने के लिए बड़ी संख्या में बहनें जिला कारागार पहुंचीं। किसी के हाथ में मिठाई थी तो किसी के पास पूजा की थाली। भाइयों से मुलाकात होते ही कई बहनों की आंखें नम हो गईं। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र और अच्छे भविष्य की कामना की। इस दौरान कई बहनों ने अपने भाइयों को अपराध से दूर रहने और भविष्य में कोई गलत काम नहीं करने की कसम भी दिलाई। भाई दूज पर बहनों की भारी भीड़ को देखते हुए जिला कारागार प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए थे। मुलाकात के लिए पहुंचने वाली महिलाओं को लंबा इंतजार न करना पड़े और व्यवस्था सुचारू बनी रहे, इसके लिए आठ अलग-अलग शिफ्टों में मुलाकात कराई गई। जेल प्रशासन ने स्पष्ट किया कि मुलाकात के लिए आने वाली प्रत्येक बहन को अपने भाई से मिलने का अवसर दिया जाएगा। भाई दूज के पर्व पर जिला कारागार में सुबह से ही बहनों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। बड़ी संख्या में महिलाएं अपने भाइयों से मिलने के लिए पहुंचीं। भीड़ को नियंत्रित करने और सभी की मुलाकात सुनिश्चित करने के लिए जेल प्रशासन ने आठ शिफ्टों में मुलाकात की व्यवस्था की। इससे एक साथ अधिक भीड़ एकत्र



नहीं हुई और बहनों को अपनी बारी के अनुसार भाइयों से मिलने का अवसर मिलता रहा। जिला कारागार प्रशासन ने बहनों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक दिन पहले से ही तैयारियां शुरू कर दी थीं। कारागार परिसर में महिलाओं के बैठने और धूप से बचाव के लिए टेंट लगवाए गए थे। ठंडे पानी की व्यवस्था के साथ छोटे बच्चों और परिजनों के लिए चाय, बिस्कुट और टॉफियों का भी इंतजाम किया गया था। प्रशासन की कोशिश रही कि दूरदराज से अपने भाइयों से मिलने पहुंचीं बहनों और उनके साथ आए बच्चों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। अब तक 500 बहनों ने की मुलाकात, आने वाली सभी बहनों को मिलेगा अवसर जेल अधीक्षक अभिषेक चौधरी ने बताया कि भाई दूज के अवसर पर अब तक लगभग 500 बहनें अपने भाइयों से मुलाकात कर चुकी हैं। बहनों के आने का सिलसिला लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि मुलाकात के लिए जितनी भी बहनें जिला कारागार पहुंचेंगी, उन सभी की मुलाकात कराई जाएगी। किसी भी बहन को बिना मुलाकात के वापस नहीं जाने दिया जाएगा। इसके लिए आठ शिफ्टों में व्यवस्था की गई है, ताकि सभी को सुविधाजनक तरीके से मुलाकात का अवसर मिल सके। भाई दूज के इस अवसर पर कई भावुक दृश्य भी देखने को मिले। बहनों ने अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र और खुशहाल जीवन की कामना की।

# मामा के घर आने-जाने वाले पर नाबालिग किशोरी को प्रेमजाल में फंसाकर भगाने का आरोप, पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज

## माता-पिता के दवाई लेने मुजफ्फरनगर जाने के दौरान घर से गायब हुई किशोरी

मोरना। भोपा थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का मामला सामने आया है। किशोरी के पिता की तहरीर पर पुलिस ने गांव निराना निवासी अनस समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोप है कि अनस ने अपने मामा के परिवार के सहयोग से किशोरी को प्रेमजाल में फंसाया और मौका पाकर माता-पिता की गैरमौजूदगी में उसे घर से अपने साथ ले गया। पुलिस ने मामले की जांच और किशोरी की बरामदगी के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

भोपा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने भोपा थाने में दी गई तहरीर में बताया कि गांव निराना निवासी अनस का उनके गांव में अपने मामा अरशद के यहां आना-जाना था। इसी दौरान अनस की शिकायतकर्ता के परिवार से भी जान-पहचान हो गई। आरोप है कि अनस ने अपनी ममेरी बहन सोफिया के सहयोग से शिकायतकर्ता की नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर अपने प्रेमजाल में फंसा रखा था।

पहले भी अनस और उसके परिवार को समझाया था

पिता के अनुसार, उनकी बेटी की जन्मतिथि 12 अप्रैल 2009 है। जब उन्हें अनस और उनकी बेटी के बीच संपर्क की जानकारी हुई तो उन्होंने अनस को काफी समझाया था। इसके साथ ही अनस के मामा अरशद और उसके परिवार के लोगों को भी इस मामले में समझाते हुए आपत्ति जताई थी। आरोप है कि समझाने के बावजूद अनस ने अपनी गतिविधियां बंद नहीं कीं। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि पांच नवंबर 2026 को वह अपनी पत्नी के साथ मुजफ्फरनगर दवाई लेने गए हुए थे। इसी दौरान घर पर उनकी गैरमौजूदगी का फायदा उठाकर अनस कथित रूप से अपनी ममेरी बहन, मामा अरशद, अरमान और शानू के सहयोग से उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया।

शाम को घर लौटे तो नहीं मिली बेटी

शाम को जब दंपती घर वापस लौटे तो उनकी बेटी घर पर नहीं मिली। अचानक बेटी के गायब मिलने से परिवार में हड़कंप मच गया। परिजनों ने आसपास के इलाकों और रिश्तेदारियों में उसकी तलाश की, लेकिन काफी प्रयासों के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद पिता ने अनस और उसके सहयोगियों पर बेटी को अपने साथ ले जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की। पिता की तहरीर में मुख्य आरोपी अनस निवासी ग्राम निराना, उसकी ममेरी बहन, अनस का मामा अरशद तथा अरमान और शानू निवासी ग्राम बेलड़ा के नाम शामिल हैं। शिकायतकर्ता ने पुलिस को अनस का मोबाइल नंबर भी उपलब्ध कराया है।

नौ नवंबर को दर्ज कराया मुकदमा, किशोरी की तलाश में जुटी पुलिस

घटना के बाद काफी तलाश करने पर भी बेटी का पता नहीं चलने पर पिता नौ नवंबर 2026 को भोपा थाने पहुंचे और लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पांचों नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और किशोरी की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं। पिता ने पुलिस से अपनी बेटी को सुरक्षित बरामद कराने और आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

# पुरानी रंजिश में युवक पर लाठी-सरियों से जानलेवा हमला, सिर पर सरिया लगने से बाईं आंख गंभीर रूप से जख्मी

## चरथावल के कुटेसरा में चक्की वाली गली में घात लगाकर बैठे तीन युवकों ने दिया वारदात को अंजाम, दो आरोपियों ने पकड़े दोनों हाथ और तीसरे ने सिर पर किया सरिये से वार; मुजफ्फरनगर से मेरठ तक रेफर, घायल का उपचार जारी

मुजफ्फरनगर। चरथावल थाना क्षेत्र के गांव कुटेसरा में पैदल घूमने निकले एक युवक पर तीन लोगों ने लाठी-सरियों से हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने पहले युवक को गाली-गलौज करते हुए रोका और विरोध करने पर उसके साथ बेरहमी से मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान दो आरोपियों ने युवक के दोनों हाथ पकड़ लिए, जबकि तीसरे आरोपी ने उसके सिर पर सरिये से वार कर दिया। सरिया युवक की बाईं आंख के पास लगा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की हालत गंभीर होने पर उसे पहले चरथावल से मुजफ्फरनगर और फिर मेरठ रेफर किया गया। फिलहाल उसका उपचार चल रहा है। पीड़ित के भाई की तहरीर पर पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

चक्की वाली गली में पहले से घात लगाकर बैठे थे आरोपी

गांव कुटेसरा निवासी अमरीश कुमार पुत्र स्वर्गीय अतर सिंह ने चरथावल थाने में दी गई तहरीर में बताया कि घटना सात नवंबर 2026 की शाम करीब सात बजे की है। उनका भाई आदेश कुमार और गांव का प्रेम पुत्र फुल्ला पैदल घूमने के लिए निकले थे। दोनों जब गांव की चक्की वाली गली में प्रहलाद के मकान के सामने पहुंचे तो वहां पहले से घात लगाकर बैठे सत्यम कुमार, रितिक कुमार पुत्रगण अमित कुमार और जितेंद्र पुत्र राजेश्वर ने उन्हें देखकर गाली-गलौज शुरू कर दी।

विरोध करने पर तीनों ने शुरू कर दी मारपीट

तहरीर के अनुसार, तीनों आरोपी अपने हाथों में लाठी और सरिये लिए हुए थे। उन्होंने आदेश कुमार को देखते ही अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। जब आदेश ने इसका विरोध किया तो तीनों ने उस पर हमला कर दिया। आरोप है कि सत्यम कुमार और जितेंद्र ने आदेश के दोनों हाथ मजबूती से पकड़ लिए, जिससे वह अपना बचाव नहीं कर सका। इसी दौरान रितिक कुमार ने उसके सिर पर सरिये से जोरदार वार कर दिया। हमले के दौरान सरिया आदेश कुमार की बाईं आंख के पास लगा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा। अचानक हुई मारपीट और शोर-शराबा सुनकर प्रेम पुत्र फुल्ला तथा मोहल्ले के कई लोग मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने किसी तरह बीच-बचाव कर आदेश को हमलावरों से बचाया। आरोप है कि इसके बाद तीनों हमलावरों ने घायल और उसके परिवार को धमकी दी कि आज तो बच गया, लेकिन भविष्य में मौका मिलने पर जान से मार देंगे।

गंभीर हालत में मेरठ किया गया रेफर

परिजन घायल आदेश कुमार को उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। उसकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने पहले उसे चरथावल से मुजफ्फरनगर रेफर कर दिया। मुजफ्फरनगर में भी हालत में सुधार नहीं होने पर उसे मेरठ के लिए रेफर किया गया। परिजनों के अनुसार, आदेश की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका उपचार जारी है। सिर और आंख के पास चोट लगने के कारण परिवार के लोग काफी परेशान हैं।

घायल के भाई अमरीश कुमार ने पुलिस को बताया कि घटना के बाद से वह अपने भाई के उपचार में व्यस्त था। गंभीर चोट लगने और लगातार अस्पतालों के चक्कर लगाने के कारण वह तत्काल थाने पहुंचकर शिकायत नहीं कर सका। भाई के उपचार के दौरान कुछ समय मिलने पर वह दस नवंबर को चरथावल थाने पहुंचा और पूरे घटनाक्रम की जानकारी देते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने अमरीश कुमार की तहरीर के आधार पर सत्यम कुमार और रितिक कुमार पुत्रगण अमित कुमार तथा जितेंद्र पुत्र राजेश्वर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 351(3), 352 और 3(5) के तहत अभियोग पंजीकृत किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# विद्युत विभाग की लापरवाही से टेंट कर्मचारी की दर्दनाक मौत, परिवार में मचा कोहराम

## पचेंडा रोड पर टेंट खोलते समय 11 हजार वोल्ट की लाइन से टकराई लोहे की नाल, मौके पर ही गई जान; सड़क से महज 15 फीट ऊंचाई पर गुजर रही विद्युत लाइन बनी हादसे की वजह

मुजफ्फरनगर। शहर के पचेंडा रोड स्थित बच्चन सिंह कॉलोनी की पुलिया के पास एक दर्दनाक हादसे में टेंट खोल रहे कर्मचारी की करंट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई।

मिली जानकारी के अनुसार गांधी कॉलोनी स्थित सरदार सतपाल सिंह के सरदार टेंट हाउस के कर्मचारी जनकपुरी निवासी एक व्यक्ति पचेंडा रोड पर बच्चन सिंह कॉलोनी की पुलिया के पास हलवाई की दुकान के सामने टेंट खोलने का काम कर रहे थे। इसी दौरान टेंट खोलते समय लोहे की नाल ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन से टकरा गई। लाइन के संपर्क में आते ही कर्मचारी को जोरदार करंट लगा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।



स्थानीय लोगों का आरोप है कि 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन सड़क से महज 15 फीट की ऊंचाई पर गुजर रही है। विद्युत लाइन की कम ऊंचाई के कारण यह गंभीर हादसा हुआ है। लोगों ने विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि लाइन निर्धारित सुरक्षित ऊंचाई पर होती तो शायद इस दर्दनाक हादसे को टाला जा सकता था। क्षेत्रवासियों ने विद्युत विभाग से मामले की जांच कराने, जिम्मेदारी तय करने तथा सड़क के ऊपर से गुजर रही कम ऊंचाई वाली विद्युत लाइनों को सुरक्षित ऊंचाई पर कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी अन्य व्यक्ति को इस तरह अपनी जान न गंवानी पड़े।

# चरथावल सीएचसी में भाई-बहन के प्रेम और स्नेह के साथ मनाया गया भैयादूज का पर्व

## महिला चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने अस्पताल के कर्मचारियों को तिलक लगाकर की दीघार्यु की कामना

मुजफ्फरनगर। चरथावल स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और समर्पण का प्रतीक भैयादूज का पर्व हर्षोल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अस्पताल की महिला चिकित्सकों और महिला स्वास्थ्यकर्मियों ने वहां कार्यरत कर्मचारियों को तिलक लगाकर भैयादूज की शुभकामनाएं दीं। महिला स्टाफ ने सभी कर्मचारियों की लंबी उम्र, उत्तम स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना करते हुए पर्व की खुशियां साझा कीं।

तिलक लगाकर मिठाई खिलाई, दीघार्यु की कामना की

भैयादूज के अवसर पर सीएचसी परिसर में उत्साह और आत्मीयता का माहौल देखने को मिला। महिला चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने परंपरागत रीति-रिवाज के अनुसार कर्मचारियों के माथे पर तिलक लगाया और उन्हें मिठाई खिलाई। इस



दौरान सभी ने एक-दूसरे को पर्व की बधाई देते हुए आपसी प्रेम और सद्भाव का संदेश दिया।

कर्मचारियों ने जताया महिला स्टाफ का आभार

महिला स्टाफ द्वारा आयोजित इस आत्मीय कार्यक्रम से अस्पताल के कर्मचारियों में भी खुशी देखने को मिली। कर्मचारियों ने महिला चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें भैयादूज की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान अस्पताल परिसर में कुछ समय के लिए पारिवारिक माहौल बन गया और सभी ने मिलकर त्योहार की खुशियां मनाईं।

आपसी भाईचारे और विश्वास का प्रतीक है भैयादूज

महिला स्टाफ ने कहा कि भैयादूज भाई-बहन के पवित्र प्रेम, विश्वास और समर्पण का प्रतीक है। यह पर्व रिश्तों में अपनत्व और एक-दूसरे के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि कार्यस्थल पर इस तरह के आयोजन से कर्मचारियों के बीच आपसी भाईचारा, सौहार्द और पारिवारिक जुड़ाव बढ़ता है।

कार्यस्थल पर दिखा परिवार जैसा अपनापन

सीएचसी में आयोजित भैयादूज कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि कार्यस्थल केवल जिम्मेदारियां निभाने का स्थान नहीं, बल्कि आपसी सहयोग, सम्मान और विश्वास से जुड़े रिश्तों को मजबूत करने का भी माध्यम है। महिला चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की इस पहल की कर्मचारियों ने सराहना की। पूरे आयोजन में उत्साह, आत्मीयता और भाईचारे का वातावरण बना रहा।

# राष्ट्रीय राजमार्ग पर घायल अवस्था में तड़प रहा था घोड़ा, चेहरे पर पड़ चुके थे कीड़े, समाजसेवी प्रतेप कुमार ने दिखाई इंसानियत

## भैसानी पुल के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल हुआ बेजुबान, पशु चिकित्सा हेल्पलाइन 1962 पर सूचना देकर बुलाई एंबुलेंस, मौके पर पहुंची टीम ने किया प्राथमिक उपचार

मुजफ्फरनगर/पुरकाजी। सड़क दुर्घटना में घायल होकर तड़प रहे बेजुबान पशु की मदद के लिए समाजसेवी एवं पशु प्रेमी प्रतेप कुमार ने इंसानियत की मिसाल पेश की। दिल्ली-हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-58 पर भैसानी पुल के पास एक आवारा घोड़ा घायल अवस्था में पड़ा था। उसकी हालत बेहद खराब थी और चेहरे पर कीड़े पड़ चुके थे। इसी दौरान वहां से गुजर रहे गांव खिर्दडिया, थाना छपार निवासी प्रतेप कुमार की नजर घोड़े पर पड़ी तो उन्होंने उसे अनदेखा करने के बजाय तत्काल मदद का प्रयास शुरू कर दिया।

घायल घोड़े को देखकर तुरंत उठाया मदद का कदम

प्रतेप कुमार ने बताया कि वह अपने किसी काम से रास्ते से गुजर रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर भैसानी पुल के पास घायल अवस्था में पड़े घोड़े पर पड़ी। घोड़ा उठने की स्थिति में नहीं था और उसके चेहरे पर कीड़े चल रहे थे। उसकी दयनीय हालत देखकर उन्होंने तत्काल उसकी मदद करने का निर्णय लिया और पशु चिकित्सा विभाग से संपर्क किया।

हेल्पलाइन 1962 पर कॉल कर बुलाई पशु एंबुलेंस



प्रतेप कुमार ने पशु चिकित्सा हेल्पलाइन नंबर 1962 पर दूरभाष के माध्यम से सूचना देकर घायल घोड़े के उपचार के लिए सहायता मांगी। सूचना मिलने के बाद पशु एंबुलेंस संख्या 3399 मौके पर पहुंची। एंबुलेंस में मौजूद पशु चिकित्सा टीम ने घायल घोड़े की स्थिति का जायजा लिया और उसे प्राथमिक उपचार दिया। समय रहते सहायता मिलने से बेजुबान को उपचार मिल सका।

पुल से नीचे गिरने की भी जताई आशंका

प्रतेप कुमार ने बताया कि घोड़े की हालत देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था कि किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मारी होगी। उन्होंने यह आशंका भी जताई कि संभवतः घोड़ा पुल से नीचे गिरकर घायल हुआ हो। हालांकि दुर्घटना किस प्रकार हुई, इसकी वास्तविक जानकारी सामने नहीं आ सकी। मोटरसाइकिल में हमेशा रखते हैं पशुओं के उपचार का सामान

प्रतेप कुमार का पशु प्रेम केवल इस घटना तक सीमित नहीं है। उन्होंने बताया कि वह अपनी मोटरसाइकिल में हमेशा बेजुबान पशुओं की प्राथमिक सहायता के लिए जरूरी सामान रखते हैं। इसमें बेटाडीन दवा, टॉर्च, पट्टी, रुई और कैंची सहित अन्य आवश्यक सामग्री शामिल रहती है। रास्ते में कहीं भी कोई पशु दुर्घटनाग्रस्त या घायल दिखाई देता है तो वह अपनी क्षमता के अनुसार उसकी मदद करते हैं और संबंधित विभाग को सूचना देकर उपचार की व्यवस्था कराने का प्रयास करते हैं।

बेजुबानों की सेवा को मानते हैं अपनी जिम्मेदारी

प्रतेप कुमार का कहना है कि बेजुबान पशु अपनी पीड़ा किसी को बता नहीं सकते। सड़क दुर्घटनाओं में घायल होने के बाद कई बार उन्हें समय पर उपचार नहीं मिल पाता, जिससे उनकी हालत और बिगड़ जाती है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए घायल पशुओं की मदद के लिए आगे आना चाहिए। समय पर दी गई सूचना और थोड़ी सी संवेदनशीलता किसी बेजुबान की जान बचा सकती है। भैसानी पुल के पास घायल घोड़े की मदद कर प्रतेप कुमार ने पशु प्रेम और मानवता की सराहनीय मिसाल पेश की। उनकी इस पहल से यह संदेश भी मिला कि इंसानियत केवल इंसानों की मदद तक सीमित नहीं है, बल्कि बेजुबान जीवों के प्रति संवेदना और उनकी सेवा करना भी हमारा नैतिक दायित्व है।

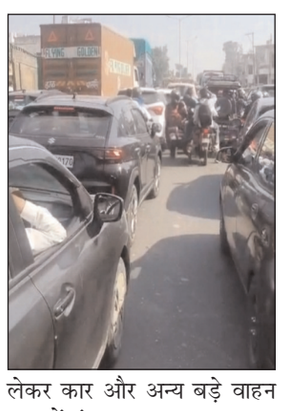
# भैया दूज पर पीनना गांव की मुख्य सड़क पर लगा जाम, घंटों रेंगते रहे वाहन

## त्योहार पर उमड़ी भीड़ के चलते मेन रोड पर बिगड़ी यातायात व्यवस्था, जाम में फंसे राहगीर और वाहन चालक हुए परेशान

मुजफ्फरनगर। भैया दूज के पर्व पर पीनना गांव की मुख्य सड़क पर वाहनों की भारी भीड़ के चलते लंबा जाम लग गया। सड़क पर वाहनों की संख्या अचानक बढ़ने से यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई। मुख्य मार्ग पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जाम के कारण राहगीरों, वाहन चालकों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। त्योहार की खुशियों के बीच लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए काफी देर तक जाम में फंसे रहना पड़ा।

मुख्य मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें, निकलने की जगह नहीं मिली

भैया दूज के अवसर पर बड़ी संख्या में लोग अपने वाहनों से बहनों के घर जाने और परिवार के साथ त्योहार मनाने के लिए निकले। इसके चलते पीनना गांव के मेन रोड पर वाहनों का दबाव बढ़ गया। देखते ही देखते सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। दोपहिया वाहनों से



लेकर कार और अन्य बड़े वाहन जाम में फंस गए। सड़क पर जगह कम होने और वाहनों की अधिकता के चलते यातायात की रफ्तार थम गई।

राहगीरों और स्थानीय लोगों को उठानी पड़ी परेशानी

जाम की स्थिति ऐसी रही कि वाहन चालकों को थोड़ी दूरी तय करने में भी काफी समय लग गया। अपने जरूरी कामों से निकले लोगों के साथ ही त्योहार पर आवागमन करने वाले परिवारों को भी परेशानी झेलनी पड़ी। दोपहिया वाहन चालक भी वाहनों के बीच फंसकर निकलने का रास्ता तलाशते नजर आए। जाम के कारण सड़क से गुजरने वाले अन्य राहगीरों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

त्योहारों पर यातायात व्यवस्था संभालने की जरूरत

भैया दूज जैसे प्रमुख त्योहारों पर सड़कों पर वाहनों का दबाव सामान्य दिनों की अपेक्षा काफी बढ़ जाता है। ऐसे में मुख्य मार्गों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए पहले से इंतजाम किए जाने की जरूरत है। पीनना गांव के मुख्य मार्ग पर लगे जाम ने भी यातायात प्रबंधन को लेकर सवाल खड़े कर दिए। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने त्योहारों के दौरान ऐसे मार्गों पर यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने की आवश्यकता जताई, ताकि लोगों को जाम की समस्या से निजात मिल सके।

# ऑनलाइन बिजनेस में मोटी कमाई का झांसा देकर सेना के जवान को 13.50 लाख की चपत, पत्नी के नाम पर भी कराया कर्ज

## क्यूनेट विहान डायरेक्ट सेलिंग कंपनी के नाम पर ठगी और दबाव बनाने का आरोप, जवान के वेतन से कट रही 22 हजार से अधिक की ईएमआई

मुजफ्फरनगर। भारतीय सेना में तैनात एक जवान को नौकरी के साथ ऑनलाइन कारोबार कर हर महीने तीन से चार लाख रुपये कमाने का लालच देना भारी पड़ गया। आरोप है कि सेना में प्रशिक्षण के दौरान हुई जान-पहचान का फायदा उठाकर कुछ लोगों ने जवान को क्यूनेट विहान डायरेक्ट सेलिंग कंपनी से जोड़ लिया। इसके बाद उसकी पत्नी के नाम पर बैंक से 10 लाख रुपये और जवान के नाम पर 3.50 लाख रुपये का ऋण कराकर पूरी रकम अपने कब्जे में ले ली। इतना ही नहीं, विरोध करने पर जवान और उसके परिवार को जान से मारने तथा छह माह की बच्ची के अपहरण की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। परेशान जवान ने आत्महत्या का प्रयास तक किया। मामले में नई मंडी कोतवाली पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सेना की ट्रेनिंग के दौरान हुई थी आरोपी से पहचान

ग्राम तिगरी निवासी पाहुल कुमार भारतीय सेना में जवान हैं। पुलिस को दी गई शिकायत में उन्होंने बताया कि वर्ष 2019 में सेना के प्रशिक्षण के दौरान उनकी मुलाकात शामली जिले के लोकेन्द्र नामक युवक से हुई थी। इसी दौरान लोकेन्द्र ने उन्हें निजी कारोबार के बारे में बताया और नौकरी के साथ अतिरिक्त कमाई का प्रस्ताव रखा। शुरूआत में आर्थिक तंगी का हवाला देते हुए उन्होंने इससे इनकार कर दिया था, लेकिन प्रशिक्षण पूरा होने के बाद असम में तैनाती होने पर भी लोकेन्द्र लगातार उनके संपर्क में बना रहा।

तीन से चार लाख रुपये प्रतिमाह कमाने का दिखाया सपना

शिकायत के अनुसार, सितंबर 2026 में लोकेन्द्र के लगातार संपर्क करने और कारोबार के फायदे बताने पर पाहुल कुमार उसके साथ काम करने के लिए तैयार हो गए। लोकेन्द्र ने उन्हें बताया कि नौकरी के साथ प्रतिदिन केवल दो घंटे ऑनलाइन काम करना होगा और इससे तीन से चार लाख रुपये प्रतिमाह तक कमाई हो सकती है। उन्हें कंपनी से जुड़े लोगों के वीडियो भी दिखाए गए, जिनमें महंगी जीवनशैली, विदेश यात्राएं और बड़े-बड़े सेमिनार दिखाकर कारोबार की सफलता का दावा किया जाता था। जवान के अनुसार, कंपनी का नाम क्यूनेट विहान डायरेक्ट सेलिंग बताया गया। कंपनी से जुड़े कौशिक सर और बृजेश सर का भी जिक्र किया गया, जो कथित तौर पर विदेश में रहकर सिंगापुर और दुबई जैसे स्थानों पर सेमिनार आयोजित करते थे।

जूम बैठकों में 200 से अधिक लोगों के शामिल होने का दावा

जवान ने आरोप लगाया कि कंपनी की ऑनलाइन बैठकों में 200 से अधिक लोग शामिल होते थे, जिनमें 90 प्रतिशत से ज्यादा सेना के जवान होते थे। आरोप है कि कंपनी से जुड़े लोग सेना के जवानों को नौकरी छोड़कर इस कारोबार से जुड़ने और मोटी कमाई करने के लिए प्रेरित करते थे। कुछ दिन ऑनलाइन प्रशिक्षण देने के बाद भी उन्हें कोई मानदेय नहीं दिया गया।

पत्नी के नाम पर दस लाख का ऋण कराने का आरोप

शिकायत में बताया गया कि कंपनी में पंजीकरण के नाम पर लोकेन्द्र ने जवान से उनकी व्यक्तिगत जानकारी हासिल कर ली। सरकारी नौकरी में होने के कारण जब पाहुल कुमार ने अपने नाम पर ऋण लेने में असमर्थता जताई तो आरोपियों ने उनकी पत्नी के नाम पर योनो एप के माध्यम से बैंक खाता संबंधी प्रक्रिया पूरी कराई। आरोप है कि 10 सितंबर 2026 को जम्मू स्थित एसबीआई शाखा से उनकी पत्नी के नाम पर मात्र एक घंटे में 10 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत करा लिया गया। इसके बाद कंपनी की ओर से ओटीपी आने की बात कहकर जवान से ओटीपी प्राप्त किया गया और उनकी जानकारी के बिना ऋण की पूरी रकम निकालकर दूसरी जगह स्थानांतरित कर दी गई।

साढ़े तीन लाख का दूसरा ऋण भी कराया

जवान के अनुसार, इसके बाद उन्हें बताया गया कि कंपनी में बेहतर पद और लाभ प्राप्त करने के लिए अन्य लोगों को भी जोड़ना होगा। ऐसा नहीं करने पर उनके काम की कमाई दूसरे लोगों को मिलने की बात कही गई। जब उन्होंने रुपये नहीं होने की बात कही तो लोकेन्द्र और गणेश ने ऋण लेकर रकम देने का दबाव बनाया। आरोप है कि विरोध करने पर दोनों ने उनके परिवार को जान से मारने और छह माह की बच्ची का अपहरण करने की धमकी दी। इसके बाद एक वीडियो बनवाया गया, जिसमें जवान से कहलवाया गया कि वह अपनी मर्जी से ऋण ले रहा है और किसी प्रकार का दबाव नहीं है। शिकायत के मुताबिक, इसके बाद एसबीआई की जी-3 विकासपुरी दिल्ली शाखा से 3.50 लाख रुपये का एक और ऋण कराया गया। इस रकम को भी आरोपियों द्वारा अपने कब्जे में लेने का आरोप है।

वेतन से ईएमआई कटने पर खुला पूरा मामला

पाहुल कुमार को कथित तौर पर 10 लाख रुपये के ऋण की जानकारी तब हुई, जब उनके वेतन से 17,070 रुपये की मासिक किस्त कटने लगी। इसके बाद उन्होंने असम में एसबीआई शाखा जाकर खाते का ऑनलाइन विवरण निकलवाया तो 10 लाख रुपये के लेनदेन की जानकारी सामने आई। उन्होंने लोकेन्द्र और गणेश से रकम के बारे में पूछताछ की तो आरोप है कि दोनों ने पैसा लौटाने से इनकार कर दिया और बार-बार दिल्ली आने का दबाव बनाने लगे। जवान के मुताबिक, दूसरे ऋण की किस्त के रूप में 5,650 रुपये भी उनके वेतन से काटे जा रहे हैं। इस तरह दोनों ऋणों की कुल 22,720 रुपये मासिक किस्त का बोझ उनके परिवार पर पड़ रहा है। शिकायत में जवान ने अपनी पीड़ा बताते हुए कहा कि एक साधारण आर्थिक स्थिति वाले परिवार से होने के कारण इतनी बड़ी रकम का कर्ज उनके लिए असहनीय हो गया। आर्थिक नुकसान और लगातार दबाव के चलते वह मानसिक रूप से टूट गए।



# इन टिप्स को अपनाकर बन सकते हैं एक अच्छा मैनेजर

**किसी भी संस्थान में एक मैनेजर की अहम भूमिका होती है। अगर आप भी अपने करियर में आगे बढ़ते हुए इस पद पर पहुंच गए हैं या पहुंचना चाहते हैं तो आपको अपने कार्यक्षेत्र के अलावा और भी चीजों पर ध्यान देना होगा। आपको अपनी सॉफ्ट स्किल्स की असली परीक्षा यही देनी होती है। एक लीडर के रूप में आप सभी सफल हो सकते हैं जब आपके कर्मचारी आपके साथ खुश, प्रेरित और उत्साहित महसूस करें।**

### कर्मचारियों को प्रेरित करना

अगर आप अपनी टीम का सम्मान करेंगे तो वे आपका सम्मान करेंगे। आपको उनकी हर छोटी-बड़ी चीजों का एप्रिशियेट करना होगा। उनसे अपने काम की ही फीडबैक न लेते रहें, बल्कि उनकी व्यक्तिगत समस्याओं को शेयर करने के लिए भी प्रोत्साहित करें।

### फील गुड कराएं

कर्मचारियों से केवल काम लेना है, ऐसी सोच आपके अच्छे मैनेजर बनने का गुण नहीं है। एक सफल मैनेजर में अपने कर्मचारियों की अच्छी बातों और क्षमताओं को पहचाने की समझ होती है। उनका मनोबल बढ़ाने के साथ उन्हें ऐसा माहौल दें कि वे बेहिचक काम कर सकें।

### पीठ पीछे भी प्रशंसा

आपको उनके काम, व्यवहार, उदारता की तारीफ उनके सामने तो करनी ही चाहिए। साथ ही आपको उनके पीठ पीछे भी तारीफ करना चाहिए। एक कर्मचारी जो जानता है कि उसकी कितनी प्रशंसा की जाती है तो वह ज्यादा मेहनत करेगा, अपने काम में ज्यादा आनंद लेगा और इस मानसिक खुशी को वह दूसरे कर्मचारियों के साथ बांटेगा।

### जिम्मेदारी सौंपे

आप एक मैनेजर है क्योंकि आप अपने काम में एक्सपर्ट है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपको सारा काम खुद करना है। आपको यह समझ होनी चाहिए कि कौन सा काम,कौन सा कर्मचारी बखूबी पूरा कर सकता है। आपको अपने कर्मचारी को सीखने और नए अवसर देने की कोशिश करनी चाहिए। धीरे-धीरे जैसे आप उनकी सक्षमता और कमजोरियों को समझने लगें उन्हें ज्यादा जिम्मेदारी के काम सौपें।




# वैश्विक करियर बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार करता है विदेश में अध्ययन

**आज दुनिया पहले से कहीं ज्यादा एक-दूसरे से जुड़ गई है और विदेश में पढ़ाई करना इसका सिर्फ एक पहलू है। विदेश में पढ़ाई करना किसी के भी जीवन की महत्वपूर्ण अवधि है। इसमें बहुत सारे जोखिम, समझ और व्यक्तिगत विकास शामिल हैं। यह छात्रों पर गहरा प्रभाव डालता है क्योंकि वे विभिन्न प्रकार की संस्कृतियों, विचारों के विभिन्न स्कूल, धर्मों और परंपराओं का अनुभव करते हैं जो जीवन के प्रति पूरी तरह से उदार रवैया रखते हैं। इसके अलावा, छात्रों के अध्ययन की देखरेख करता है और अध्ययन और अनुसंधान के नए तरीकों की खोज करता है जो उन्हें वैश्विक करियर बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार करता है।**

### अग्रिम शैक्षणिक तैयारी

शैक्षणिक उपलब्धि भविष्य की उपलब्धियों के लिए महत्वपूर्ण कदम और रोजगार में प्रतिस्पर्धा पर बढ़त हासिल कर सकती है। आप अपने आप को आराम क्षेत्र से बाहर चुनौती देने के लिए विभिन्न शिक्षण शैली से सीख पाएंगे जो आपको अपरिचित वातावरण के अनुकूल होने के लिए तैयार करता है।

### आजीवन अवसर

जैसा कि आप छात्रों को जीवनकाल में तेजी से बढ़ने और शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने का अवसर मिलता है, इसलिए नई दुनिया और सीखने के अनुभव का पता लगाने और खोजने के लिए इस अवसर को अवश्य पकड़े।

### लाइफटाइम कनेक्टिविटी

साथी छात्रों, शिक्षकों, पेशेवरों और परिवारों के लंबे समय तक चलने वाले संपर्कों के एक नेटवर्क पर टैप करें जो विदेशों में आपको प्रदान करता है, यह आपके जीवन को समृद्ध करता है, जो अक्सर महान अवसरों की ओर ले जाता है।

### नई जानकारी

अपने विदेश प्रवास के दौरान, आप दुनिया के बारे में बहुत सी नई चीजें सीखेंगे जो आपके देश में रहने के दौरान संभव नहीं थी। एक नए वातावरण में रहने से आपके सोचने के तरीके को एक नया दृष्टिकोण मिलता है।

### नई भाषा / संस्कृति

अलग-अलग देश में रहने से आपको एक अलग भाषा सीखने का मौका मिलता है। कई लोग नई भाषा और संस्कृति सीखने में रुचि रखते हैं, लेकिन जब आप देश में रहते हैं तो उनके सांस्कृतिक मूल्यों के साथ-साथ सीखना एक नया अनुभव होता है। सांस्कृतिक मतभेद भाषा, भोजन या आदतों के अंतर से अधिक हैं। बाजार में कई किताबें उपलब्ध हैं या कोई टीवी पर किसी देश और उसकी परंपरा के बारे में जानकारी देते हुए शो देख सकता है। लेकिन जब आप देश में रहते हैं और लोगों के साथ बातचीत करते हैं तो आप क्या सीखते हैं, तभी आप सही मायने में किसी अन्य संस्कृति को समझ सकते हैं।

### आत्म ज्ञान

अपनी पढ़ाई पूरी करने और घर लौटने के बाद, आप अपने व्यक्तित्व में बदलाव देखेंगे और अपने और जीवन के प्रति पूरी तरह से अलग दृष्टिकोण रखेंगे।

### अनुभव

जब आप बिल्कुल नए वातावरण में अध्ययन करते हैं, तो कभी-कभी आप ऐसी स्थितियों में हो सकते हैं जो बिल्कुल नए हैं और बहुत चुनौतीपूर्ण हैं। ऐसी स्थितियों को संभालने से आपको कुशलतापूर्वक सीखने, समायोजित करने और जवाब देने, अपनी ताकत और क्षमताओं को खोजने और शूटिंग कौशल को परेशान करने का एक शानदार अवसर मिलता है।

### सीखने की शैली

हर देश में पढ़ाने का अपना तरीका होता है। विदेशों में अध्ययन करना आपके द्वारा उपयोग किए जाने वाले तरीकों से बहुत भिन्न होने की संभावना है। शिक्षण की एक अलग शैली के माध्यम से सीखना बहुत उपयोगी साबित हो सकता है क्योंकि इससे यह समझने में मदद मिलती है कि कुछ करने के कई तरीके हो सकते हैं।

### पाठ्यक्रमों की विविधता

जो विकल्प आपको अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में मिलते हैं, वे आपको अपने देश में कभी नहीं मिलेंगे।

### व्यवसाय

पढ़ाई पूरी करने के बाद जब आप नौकरी की तलाश कर रहे होंगे तो, आपको हमेशा उन छात्रों पर फायदा होगा जिन्होंने राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में अपनी शिक्षा पूरी की है। दुनिया भर की कंपनियां दूसरे देशों में निवेश करना जारी रखती हैं, ऐसे लोगों की जरूरत पैदा करती हैं जो विविध संस्कृतियों से निपटने में सक्षम हैं। नियोक्ता के अनुसार, एक व्यक्ति जिसने विदेश में अध्ययन किया है वह आत्मनिर्भर है, आत्म-प्रेरित है, चुनौतियों को उठाना पसंद करता है। विदेशों में रहने और अध्ययन करने का आपका अनुभव, एक नई भाषा और संस्कृति का ज्ञान आपको अपने सपनों की नौकरी प्राप्त करने में ऊपर सेट करता है।

### ग्लोबल विचार

विदेशों में अध्ययन करने से देशों को आतंकवाद, ग्लोबल वार्मिंग और वैश्विक स्तर पर जनसंख्या वृद्धि जैसे मुद्दों से निपटने में भी मदद मिल सकती है। छात्र ऐसे मुद्दों पर बैठकर चर्चा कर सकते हैं और अन्य छात्रों को अपने देशवासियों के सामने आने वाली समस्या को समझने में मदद कर सकते हैं और खुद को अन्य देशों के लोगों द्वारा सामना की जा रही समस्या को भी समझ सकते हैं। विदेशों में अध्ययन करने से यह भी अधिक लाभ होता है कि यह साथी छात्रों के बीच सद्भाव और स्नेह बढ़ाता है और अपने देशवासियों के लिए भले ही उनकी जाति, रंग और पंथ के बावजूद ये चीजें एक वास्तविक समान वातावरण बनाती हैं जहां केवल मानवता किसी भी पूर्वाग्रह के साथ मायने रखती है।





# ऑफिस में आपके व्यवहार से प्रतिबिंबित होते हैं लीडरशिप के गुण

**जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है।**

किसी भी सेक्टर में या किसी भी ऑफिस में, ऐसे लोग होते हैं जो दूसरों को उनका काम करने में मार्गदर्शन देते हैं। जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है। कारण यह कि बैंक में किसी भी दिन ऐसी कई स्थितियां बन सकती हैं, जिनमें संभव है कि ब्रांच मैनेजर भी न समझ पाए कि क्या किया जाना चाहिए। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि ब्रांच में कोई तो हो, जो रास्ता दिखा सके। एक बैंकर को अच्छा लीडर बनाने वाले गुण इस प्रकार हैं -

### त्वरित बुद्धि

यह सबसे ज्यादा जरूरी है क्योंकि जब भी पैसों संबंधी कोई समस्या उठ खड़ी होती है, तो अक्सर लोगों का दिमाग काम करना बंद कर देता है। आखिर सवाल रुपए-पैसों का जो है! ऐसी स्थिति में एक लीडर की त्वरित बुद्धि के चलते उसके समक्ष एक नहीं, अनेक उपाय उठ खड़े होंगे। तब वह उनमें से श्रेष्ठ उपाय को चुनकर लागू करेगा।

### ठंडा दिमाग

लीडरशिप के लिए यह बहुत जरूरी होता है। बैंकिंग में आपका पाला कई लोगों से पड़ेगा और सब एक जैसे नहीं होंगे। ऐसे भी लोग होंगे, जो बैंक में आकर आपसे या स्टाफ के किसी अन्य सदस्य से बहस करेंगे लेकिन ऐसे में आपको अपना संतुलन नहीं खोना है। याद रखें, वह व्यक्ति तो अपना काम कराकर चला जाएगा लेकिन यदि आप गरम दिमाग से दिन भर काम करेंगे, तो आपसे जरूर कोई-न-कोई गलती हो ही जाएगी! इसलिए लीडर के लिए हर हाल में शांत बने रहना जरूरी है। वैसे भी ग्राहक तो ग्राहक होता है और बैंक कर्मचारी के तौर पर आपका काम उसकी सेवा करना ही है।

### लचीलापन

लीडर होने का यह मतलब नहीं कि आप अपनी मर्जी से लोगों को हांक लेंगे। यह संभव नहीं कि किसी के पास हर समस्या का समाधान हो। हो सकता है कि आपके पास किसी समस्या का समाधान न हो लेकिन किसी और के पास यह होगा। आपको उस शख्स की मदद लेनी होगी ताकि काम हो सके। एक सच्चा लीडर इतना लचीलापन हमेशा रखता है।

### अच्छे संबंध रखें

बैंकिंग में यह बहुत जरूरी है क्योंकि बैंकिंग का व्यवसाय मूल रूप से विश्वास पर ही टिका होता है। आपको ब्रांच के हर कर्मचारी तथा ग्राहक के साथ अच्छे संबंध बनाकर रखने होते हैं। इससे ब्रांच में माहौल सकारात्मक बना रहता है।

### दूसरों का सहारा बनें

गलती हर किसी से होती है और बैंकिंग में होने वाली गलती पैसे से जुड़ी ही होगी। बैंकर के रूप में, आपको जरूरत के समय अपने साथियों का साथ देना चाहिए। इससे उनकी नजरों में आप सच्चे लीडर होंगे।

### लगन व परिश्रम

लीडर होने का मतलब है दूसरों के लिए मिसाल पेश करना और लगनशील व परिश्रमी होने की मिसाल से बेहतर क्या हो सकता है? जब साथी आपको मेहनत कर परिणाम प्राप्त करते देखेंगे, तो वे भी ऐसा ही करने को प्रेरित होंगे।

### औरों से दो कदम आगे रहें

बैंकिंग जैसे प्रतिस्पधी क्षेत्र में यह बहुत जरूरी है कि लीडर अपनी सोच और अपने व्यवहार में दूसरों से हमेशा दो कदम आगे रहे। तभी तो वह अपने संस्थान को आगे ले जा पाएगा।



# वैज्ञानिक अध्ययनों का अनिवार्य अंग है गणित

गणित मनुष्य के ज्ञान की एक अत्यधिक उपयोगी तथा आकर्षक शाखा है। इसमें अध्ययन के कई विषय शामिल हैं। भारत में प्राचीन काल से ही गणित की एक सुदृढ़ परंपरा रही है और आज भी यहां गणित में विश्व स्तर के अनुसंधान करने वाले अनेक संस्थान हैं। गणनाओं में रुचि रखने वाले युवा बड़ी संख्या में गणित को करियर के रूप में चुनते हैं। गणित लगभग सभी वैज्ञानिक अध्ययनों का एक अनिवार्य अंग है। वैज्ञानिक गणित का उपयोग प्रयोगों की रूपरेखा बनाने, सूचना का विश्लेषण करने, गणित के सिद्धांतों द्वारा अपने निष्कर्ष उचित रूप में व्यक्त करने तथा इन निष्कर्षों के आधार पर सटीक भविष्यवाणी करने के लिए करते हैं। खगोल विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा भौतिक विज्ञान जैसे विषय तो गणित पर ही निर्भर हैं। सामाजिक विज्ञान, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, इंजीनियरिंग आदि भी गणित की ही शाखाओं पर निर्भर होते हैं। गणित में विशेषज्ञतापूर्ण कोर्स चलाने वाले देश के अन्य प्रमुख संस्थान इस प्रकार है -

- औद्योगिक गणित में पाठ्यक्रम पुणे विश्वविद्यालय, पुणे में उपलब्ध है।
- न्यूमेरिकल मैथमेटिक्स पाठ्यक्रम मदुरै कामराज विश्वविलय, मदुरै में उपलब्ध है।
- गणितीय अर्थशास्त्र में पाठ्यक्रम देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में उपलब्ध है।
- इसके अलावा एमएससी व पीएचडी कोर्स के लिए देश के प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं -
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर), मुंबई। लिखित परीक्षा तथा उसके बाद साक्षात्कार के माध्यम से इस संस्थान के पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), पुणे/ मोहाली/ कोलकाता/ तिरुवनंतपुरम/ भोपाल तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईएसईआर), भुवनेश्वर में भी गणित में एकीकृत एमएससी डिग्री कोर्स उपलब्ध है। आईआईएसईआर विद्यार्थियों को आईआईटी प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश देता है, जबकि एनआईएसईआर नेशनल एंट्रेंस स्क्रीनिंग टेस्ट (एनईएसटी) के माध्यम से प्रवेश देता है।
- हैदराबाद विश्वविलय द्वारा गणित में एकीकृत एमएससी पाठ्यक्रम चलाया जाता है। यह विश्वविद्यालय जून के आरंभ में आयोजित की जाने वाली लिखित परीक्षा के माध्यम से प्रवेश देता है।

## वैज्ञानिक अध्ययनों का अनिवार्य अंग है गणित

### गणितज्ञ

गणितज्ञों को गणित का अध्ययन अथवा अनुसंधान करना होता है। वे गणित के अनसुलझे रहस्यों को उजागर करने का प्रयास करते हैं।

### शिक्षण

गणित पूरी स्कूली शिक्षा में एक मुख्य विषय होता है। यदि आपमें संख्याओं के प्रति गहरा आकर्षण है और विद्यार्थियों को पढ़ाने में आपकी रुचि है, तो आप शिक्षण के क्षेत्र में भी करियर बना सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले गणितज्ञों का अध्यापन तथा अनुसंधान में खास योगदान होता है।

### सॉफ्टवेयर इंजीनियर

सॉफ्टवेयर इंजीनियर सॉफ्टवेयर के प्रयोग तथा उनकी प्रणाली का सृजन, परीक्षण, विश्लेषण व मूल्यांकन करने के लिए कम्प्यूटर विज्ञान और गणितीय विश्लेषण के सिद्धांतों को कार्यान्वित करते हैं।

### बैंकिंग

वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के चलते बैंक तेजी से अपनी शाखाएं बढ़ा रहे हैं, जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के हजारों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। गणित में महारथ रखने वाले युवा बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर सकते हैं।

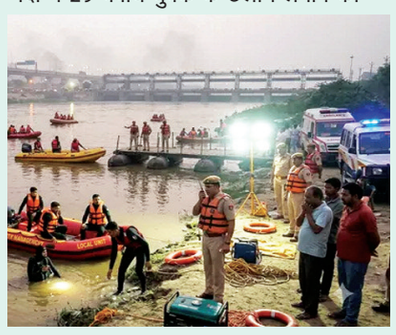
### चार्टर्ड अकाउंटेंट

उदारीकरण के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था के तीव्र विकास के चलते अकाउंट्स तथा फाइनेंस के क्षेत्र में करियर ने खूब लोकप्रियता अर्जित की है। इस क्षेत्र में चार्टर्ड अकाउंटेंट का एक अत्यधिक प्रतिष्ठित करियर विकल्प है। मैथ्स व कॉमर्स में रुचि रखने वाले युवा इस क्षेत्र में बढ़िया करियर बना सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

## कालिंदी कुंज के पास यमुना नदी में 29 वर्षीय युवक ने लगाई छलांग, तलाश जारी

**नईदिल्ली, एजेंसी।** कालिंदी कुंज के पास यमुना नदी में 29 वर्षीय युवक के छलांग लगाने का



मामला सामने आया है। सूचना मिलने के बाद से ही बचाव दल युवक की तलाश में जुटे हैं। अभी फिलहाल तलाश युवक का पता नहीं चल सका है। दक्षिण-पूर्वी जिले के उप मंडलीय वार्डन राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि सूचना मिलते ही संबंधित एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया था। बचाव दल लगातार यमुना में युवक की तलाश कर रहे हैं। युवक की पहचान रंजीत के रूप में हुई है। उनके भाई से संपर्क किया गया है। युवक का पता चलने तक तलाश अभियान जारी रहेगा।

## दिल्ली की अदालतों में 16 नवंबर को छठ की छुट्टी, हाईकोर्ट ने जारी किया नया शेड्यूल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली के सरकारी दफ्तरों में अवकाश की घोषणा के बाद हाई कोर्ट ने दिल्ली की अदालतों में भी छठ के अवसर पर अवकाश की घोषणा कर दी है। हाईकोर्ट प्रशासन द्वारा जारी एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, सोमवार, 16 नवंबर 2026 को दिल्ली उच्च न्यायालय और इसके अधीनस्थ (निचली) सभी अदालतों में छठ पूजा के उपलक्ष्य में छुट्टी रहेगी। अधिसूचना में जहां 16 नवंबर की छुट्टी की घोषणा है वहीं उसमें साफ लिखा है कि सोमवार की जगह शनिवार को हाई कोर्ट खुला रहेगा। तीसरे शनिवार यानी 21 नवंबर को दिल्ली हाई कोर्ट खुला रहेगा। वहीं अधीनस्थ अदालतें दिसंबर के दूसरे शनिवार को यानी 12 दिसंबर को खुली रहेंगी। 16 नवंबर के केस की सुनवाई 17 नवंबर को होगी नोटिफिकेशन के अनुसार, 16 नवंबर को जिन मामलों की सुनवाई होनी थी अब उन मामलों की सुनवाई 17 नवंबर को होगी। यह सुनवाई उस दिन पहले से सूचीबद्ध मामलों के अतिरिक्त होगी।

## दिवाली पर दिल्लीवाले गटक गए 589 करोड़ की शराब

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दीपावली पर रोशनी से संबंधित आइटम, मिठाइयों की खरीदारी के साथ दिल्ली में शराब की बिक्री भी खूब बढ़ी। त्योहार से पहले शराब की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ रही।आबकारी विभाग के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, दीपावली से पहले दो सप्ताह के दौरान दिल्ली में करीब 589.17 करोड़ रुपये की शराब का कारोबार हुआ। यह पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 70.20 करोड़ रुपये अधिक है। इस तरह शराब की बिक्री में 13.53 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

## दिल्ली के नांगली विहार में दर्दनाक हादसा, 4 साल का बच्चा खुले सीवर में गिरा

**नईदिल्ली, एजेंसी।** रणहौला थाना क्षेत्र में मंगलवार शाम एक चार साल का बच्चा खुले सीवर में गिर गया। हादसा खेड़ी बाबा पुल के पास गंदा नाला के किनारे सर्विस रोड पर हुआ। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, दमकल विभाग और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंच गईं। बच्चे को सीवर से बाहर निकालने के लिए बचाव अभियान चलाया जा रहा है। हालांकि, अभी तक बच्चे का कोई सुराग नहीं मिल सका है। पुलिस के अनुसार, चार वर्षीय बच्चा अपनी मां के साथ मोहन गार्डन स्थित सोम बाजार वाली गली से दास गार्डन पार्क आया था। इसी दौरान बच्चा शौच के लिए नाले की तरफ जाने लगा। वहां सर्विस रोड के किनारे बने सीवर के मैनहोल में वह गिर गया। घटना की सूचना मंगलवार दोपहर करीब 3:21 बजे रणहौला थाने को मिली। पुलिसकर्मी तत्काल मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू कराया। पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 106(1) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। दमकल विभाग और एनडीआरएफ की टीमें सीवर में बच्चे की तलाश कर रही हैं। उसे सुरक्षित बाहर निकालने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

# मुलायम सिंह यादव को पद्म विभूषण देने पर विवाद, हिंदू सेना ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र; सम्मान वापस लेने की मांग

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सपा के संस्थापक और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत मुलायम सिंह यादव को मरणोपरांत दिए गए पद्म विभूषण सम्मान को लेकर एक बार फिर राजनीति गर्मा गई है। हिंदू सेना ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र भेजकर दिवंगत नेता का पद्म विभूषण सम्मान तत्काल प्रभाव से रद्द करने की मांग की है। यह मांग ऐसे समय है जब सपा मुखिया और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सपरिवार 12 दिसंबर को अयोध्या जाकर रामलला और हनुमानगढ़ी के दर्शन करने का ऐलान किया है। इस दौरे से पहले उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में अयोध्या में भक्तों की संख्या में कमी और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले असर का जिक्र कर कहा है कि सपा सरकार आने पर पारदर्शी व्यवस्था से विश्वास बहाल किया जाएगा और अयोध्या को बाहरी ठेकेदारों से मुक्त कराया जाएगा। इसके पूर्व दान चोरी का मामला भी उन्होंने जोर शोर से उठाकर केंद्र और राज्य में भाजपा सरकारों को घेरने की कोशिश की थी। राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने राष्ट्रपति को भेजे पत्र

हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने राष्ट्रपति को भेजे पत्र में कहा कि देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान केवल उन्हीं विभूतियों को दिए जाने चाहिए जिनका जीवन राष्ट्र निर्माण, सामाजिक



समरसता और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के प्रति समर्पित रहा हो। संगठन द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में 1990 के अयोध्या गोलीकांड का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है।

**ज्ञापन में क्या लिखा है?:** ज्ञापन के अनुसार, राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान निर्दोष और शांतिपूर्ण कारसेवकों पर तत्कालीन सरकार के आदेश पर हुई पुलिस फायरिंग एक गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन था। इसके साथ ही, पत्र में मुलायम सिंह यादव पर अपने राजनीतिक कार्यकाल के दौरान श्रीराम मंदिर निर्माण के विरोध और तुष्टीकरण की राजनीति करने के भी आरोप लगाए गए हैं।

वैसे, यह विवाद नया नहीं है। केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2023 में जब मुलायम सिंह यादव को मरणोपरांत देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण देने की घोषणा की गई थी, तब से ही इस निर्णय को हिंदू संगठनों तथा मंदिर आंदोलन से जुड़े लोगों की ओर से आलोचना देखने को मिली थीं।

एक तरफ जहां समाजवादी पार्टी ने इसे 'नेताजी' के कद के मुकाबले छोटा सम्मान बताते हुए भारत रत्न देने की मांग की थी, वहीं दूसरी तरफ राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े कई संगठनों और विपक्षी नेताओं ने 1990 की घटनाओं का हवाला देते हुए इस फैसले का कड़ा विरोध किया था।

## शाहदरा डीसीपी ऑफिस का बदला पता, भोलानाथ नगर से थाने में हुआ शिफ्ट; एक ही छत के नीचे मिलेंगे 3 बड़े अफसर

**नईदिल्ली, एजेंसी।** शाहदरा थाने में 24 अक्टूबर को वकील और पुलिसकर्मियों के बीच विवाद हुआ था। जिसके बाद गांधी नगर के एसीपी मनस्वी वशिष्ठ ने पुलिस मुख्यालय पर प्रदर्शन किया था। वकीलों ने उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। जिसके बाद एसीपी को नौकरी से निलंबित कर दिया था। मंगलवार को उसी थाने में दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार पहुंचे। वजह विवाद नहीं थी। शाहदरा थाने से ही अब शाहदरा डीसीपी कार्यालय चलेगा। पुलिस आयुक्त ने नए डीसीपी आफिस का उद्घाटन किया। शाहदरा का डीसीपी कार्यालय भोलानाथ नगर क्षेत्र में चलता था। दिल्ली पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन लिमिटेड ने डीसीपी आफिस के भवन को जर्जर घोषित कर दिया था। जिसके बाद डीसीपी ऑफिस को भोलानाथ नगर से शाहदरा थाने की पहली मंजिल पर स्थानांतरित किया गया है। शाहदरा थाने की तीन मंजिला बिल्डिंग में डीसीपी, एसीपी कार्यालय और साइबर थाना चलेगा।



# दीपावली के बाद दिल्ली में प्रदूषण का कहर, अस्पतालों में श्वास रोगियों की भीड़ बढ़ी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दीपावली के बाद दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के प्रभाव ने अब अस्पतालों में श्वास और नेत्र संबंधी मरीजों की संख्या को बढ़ा दिया है। राजधानी के विभिन्न अस्पतालों में श्वास संबंधी समस्याओं की शिकायत लेकर पहुंचने वाले मरीजों की संख्या में करीब 10 से 15 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। पूर्वी, पश्चिमी, बाहरी और दक्षिणी दिल्ली के अस्पतालों में भी प्रदूषण से जुड़ी बीमारियों के मरीज पहुंच रहे हैं। सांस लेने में परेशानी, खांसी, अस्थमा, आंखों में जलन और एलर्जी की शिकायतें बढ़ रही हैं। बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों पर इसका अधिक असर दिखाई दे रहा है।

पश्चिमी दिल्ली के हरिनगर स्थित दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) अस्पताल में प्रदूषण से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर इमरजेंसी और ओपीडी में करीब 200 मरीज पहुंच चुके हैं। इनमें सांस लेने में तकलीफ, अस्थमा, आंखों में तेज जलन और एलर्जी की शिकायत वाले मरीज शामिल हैं। अस्पताल पहुंचने वालों में बुजुर्गों, बच्चों और पहले से बीमार लोगों की संख्या अधिक है।

बाबा साहेब आंबेडकर अस्पताल में श्वास और नेत्र संबंधी समस्याओं को लेकर करीब 200 से अधिक मरीज पहुंच रहे हैं। इनमें शामिल अस्पताल में पहुंच रहे बच्चों में ज्यादातर आंखों में जलन, अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और निमोनिया जैसी बीमारियों से पीड़ित हैं। डॉक्टरों ने बताया कि आने वाले दिनों में मरीजों की संख्या में और बढ़ोतरी हो सकती है। पूर्वी दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में सांस संबंधी समस्याओं को लेकर प्रतिदिन 100 से अधिक मरीज पहुंच रहे हैं। स्वामी दयानंद सरकारी अस्पताल के बाल रोग चिकित्सा विभाग के प्रमुख डॉ. सुरेंद्र बिष्ट ने बताया कि प्रदूषण से बच्चे गंभीर रूप से प्रभावित हो रहे हैं। अस्पताल में पहुंच रहे बच्चों में ज्यादातर अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और निमोनिया जैसी सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित हैं। उन्होंने बताया कि त्योहार के कारण ओपीडी में मरीजों की संख्या कम रही है। ऐसे में आने वाले दिनों में मरीजों की संख्या और बढ़ सकती है।

# एमसीडी राजस्व बढ़ाने के लिए एआई का सहारा, विज्ञापन स्थलों की होगी डिजिटल मैपिंग

**नई दिल्ली, एजेंसी।** 16 हजार करोड़ का कर्जा झेल रहे दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) अब अपना राजस्व बढ़ाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद लेगा। इसकी शुरुआत विज्ञापन विभाग से होगी। जहां पर सभी आउटडोर विज्ञापन स्थलों की डिजिटल मैपिंग होगी।

इसके तहत होर्डिंग, यूनिपोल, कियोस्क और स्ट्रीट फर्नीचर समेत विज्ञापन से जुड़ी सभी परिसंपत्तियों का डिजिटल रिकार्ड तैयार किया जाएगा। इससे अवैध विज्ञापनों की पहचान करने के साथ उन स्थानों का भी पता लगाया जा सकेगा, जहां विज्ञापन के जरिये अधिक कमाई की संभावना है।

पायलट प्रोजेक्ट के तहत प्रस्ताव तैयार...

एमसीडी की स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने बताया कि इस संबंध में एक निजी एजेंसी के साथ 180 दिन के पायलट प्रोजेक्ट का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसके तहत निजी एजेंसी अपने खर्च पर विज्ञापन स्थलों का सर्वे, जियो-टैगिंग और जीआईएस आधारित मैपिंग करेगी।

इस परियोजना पर निगम को कोई वित्तीय खर्च नहीं करना होगा। प्रस्ताव को स्थायी समिति के माध्यम से निगम की मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया गया है।

सत्या शर्मा ने कहा कि निगम के पास राजस्व अर्जित करने के कई संसाधन हैं, लेकिन उनका पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है। तकनीक की मदद से विज्ञापन परिसंपत्तियों की वास्तविक स्थिति और उनकी व्यावसायिक



क्षमता का आकलन किया जा सकेगा। इससे राजस्व के नुकसान को रोकने और विज्ञापन प्रबंधन में पारदर्शिता लाने में मदद मिलेगी।

उन्होंने बताया कि परियोजना के तहत एजेंसी अपने एआई आधारित विजुअल लोड इंडेक्स (वीएलआई) टूल का इस्तेमाल करेगी। यह टूल सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर विज्ञापनों की संख्या, दृश्यता और उनसे होने वाली दृश्य अव्यवस्था का विश्लेषण करेगा।

इसके आधार पर ऐसे विज्ञापन कॉरिडोर की पहचान होगी, जहां व्यावसायिक संभावनाएं अधिक हैं। इससे विज्ञापन स्थलों की नीलामी, मूल्यांकन और टेंडर प्रक्रिया को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। निगम अधिकारियों के अनुसार निजी एजेंसी 360 डिग्री वर्चुअल सर्वे के जरिये प्रत्येक विज्ञापन स्थल की तस्वीरें, लोकेशन, आकार, रोशनी और नियमों के अनुपालन की जानकारी जुटाएगी। जीआईएस मैपिंग के माध्यम से इनका डिजिटल डेटाबेस तैयार होगा। डैशबोर्ड और हीट मैप के जरिये अधिकारी विज्ञापन स्थलों की निगरानी कर सकेंगे।

# लाल किला बम धमाके की पहली बरसी पर पीड़ितों का छलका दर्द, न्याय और सहायता की गुहार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** वक्त बीत गया, जख्म नहीं भरे। लाल किला बम धमाके की पहली बरसी पर जब पीड़ितों के परिवार जुटे, तो मोमबत्तियों की रोशनी में सिर्फ आंसू और इंसाफ की अधूरी आस ही नजर आई। मंगलवार को लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास आयोजित एक बेहद गमगीन श्रद्धांजलि सभा में मृतकों के स्वजन और घायल लोग इकट्ठा हुए। हाथों में फूल और आंखों में अपनों को खोने की असहनीय टीस लिए, इन परिवारों ने दिवंगतों को याद किया। अपनों को खोने का दर्द आज भी उतना ही ताजा है, जितना एक साल पहले था। गम और गुस्से के बीच पीड़ित परिवारों ने सरकार से जल्द से जल्द न्याय और उचित सहायता की गुहार लगाई है।

मृतक मोहम्मद जुम्मन की बहन नजमा और अमर कटारिया के पिता जगदीश कटारिया ने कहा कि पीड़ित परिवार के किसी बच्चे या पत्नी को सरकारी नौकरी दी जानी चाहिए, ताकि वे अपना गुजर-बसर कर सकें और परिवार की आर्थिक स्थिति बेहतर हो सके। पीड़ितों के लिए उठी मुआवजे की मांग साउथ एशियन फोरम फार पीपल अगेंस्ट टेरर के




अध्यक्ष अशोक रंधावा ने पीड़ितों के लिए उचित मुआवजे की मांग की। उन्होंने कहा कि धमाके में जान गंवाने वालों के परिवारों और घायलों को पर्याप्त आर्थिक सहायता दी जानी चाहिए। धमाके में जलकर नष्ट हुई कार, ई-रिक्शा और अन्य वाहनों के नुकसान का मुआवजा देने की मांग भी की गई। साथ ही, पीड़ित परिवारों के लिए सरकारी नौकरियों में दो प्रतिशत आरक्षण की मांग उठाई गई। रंधावा ने बताया कि पीड़ितों को न्याय और राहत दिलाने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई थी। अदालत ने पहले सरकार के समक्ष मांगें रखने की सलाह दी थी। इसके बाद संगठन कई बार लिखित रूप में सरकार को मांगें सौंप चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि एक साल बाद भी परिवार सहायता का इंतजार कर रहे हैं।

## पिता खुद को विरासत में मिली संपत्ति से अपने बेटे को बाहर रख सकता है: सुप्रीम कोर्ट



**नई दिल्ली, एजेंसी।** दादा की संपत्ति पर पोते का दावा कितना जायज है, इस पर सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में साफ कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने साफ-साफ कहा कि पिता खुद को विरासत में मिली संपत्ति से अपने बेटे को बाहर रख सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने ताजा फैसले में बताया कि कोई व्यक्ति अपने पिता की पैतृक या स्वयं अर्जित संपत्ति में अपने हिस्से का पूर्ण मालिक बन जाता है और वह उस पर पूरी तरह से अपना अधिकार जता सकता है। इसके बाद पोते से जुड़ी अपनी अहम टिप्पणी में कहा कि यहां तक कि वो (पिता) अपने बेटों को भी इससे बाहर रख सकता है। 29 साल तक चली कानूनी लड़ाई को खत्म करते हुए, जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और जस्टिस सुनीता अग्रवाल की बेंच ने पिता की संपत्ति के बंटवारे के लिए बेटे की याचिका को खारिज कर दिया। बेटे ने 1997 में यह मुकदमा दायर किया था, जिसमें दावा किया गया था कि यह संपत्ति पैतृक या संयुक्त परिवार की संपत्ति है। कोर्ट ने बताया कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम के तहत पोते को क्लास-1 उत्तराधिकारी नहीं माना जाता है। इसलिए वह अपने दादा की संपत्ति में हिस्से का दावा नहीं कर सकता। धारा आठ का हवाला देते हुए बेंच ने कहा कि एक बेटा अपने पिता से विरासत में मिली संपत्ति का पूर्ण मालिक बन जाता है, जबकि उसके अपने बेटे का उस संपत्ति पर जन्म से कोई अधिकार नहीं होता। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि क्लास वन के उत्तराधिकारी एक साथ संपत्ति के हकदार बनते हैं। हालांकि इनके रहते अन्य किसी को अधिकार नहीं मिलता।

कोर्ट ने कहा कि अनुसूची के क्लास वन में पोते (बेटे के बेटे) का उत्तराधिकारी के रूप में कोई जिक्र नहीं है। इस वजह से उसे अपने दादा की संपत्ति में कोई अधिकार नहीं मिल सकता। कोर्ट ने बताया कि 1956 के कानून में, हिंदू पर्सनल लॉ के तहत पोते को अपने पिता के जीवित रहते हुए दादा की संपत्ति में हिस्सा मांगने का अधिकार नहीं दिया गया है। कोर्ट ने कहा कि धारा 8 को एक स्वतंत्र प्रावधान के रूप में पढ़ा जाना चाहिए, जो बिना वसीयत के मरने वाले हिंदू पुरुष की संपत्ति के हस्तांतरण को नियंत्रित करता है।

# छठ पूजा के बाद घर वापसी होगी आसान

**नई दिल्ली, एजेंसी।** छठ पर्व के बाद दिल्ली लौटने की टेंशन अब खत्म हो गई है। बिहार से दिल्ली आने वाले लोगों के लिए रेलवे ने दो जोड़ी वंदे भारत स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। ये ट्रेनें नई दिल्ली और पटना के बीच चलेंगी। इससे दिल्ली-हृष्टक्र में रहने वाले हजारों लोगों को फायदा होगा, जो छठ मनाने के लिए अपने गांव गए थे। रेलवे की ये दोनों ट्रेनें 16 कोच वाली नई वंदे भारत ट्रेन होंगी। इसमें सफर तेज भी होगा और बेहद आरामदायक भी होने वाला है। आम ट्रेनों में जहां घंटों भीड़ में खड़े रहना पड़ता है, वहीं इसमें बैठकर आराम से दिल्ली पहुंचा जा सकेगा।

**पहली ट्रेन कब चलेगी:** पहली वंदे भारत स्पेशल 11 नवंबर को नई दिल्ली से पटना जाएगी। यह ट्रेन सुबह 5 बजे नई दिल्ली स्टेशन से खुलेगी। इसका रूट अलीगढ़, कानपुर, प्रयागराज, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, बक्सर और आरा होते हुए पटना जाएगी।



वहीं, यही ट्रेन 12 नवंबर को पटना से वापस दिल्ली पहुंचेगी। पटना से यह सुबह 8 बजे चलेगी और रात 9:30 बजे नई दिल्ली पहुंच जाएगी। रास्ते में यह आरा, बक्सर, डीडीयू, कानपुर और अलीगढ़ पर रुकेगी। दूसरी वंदे भारत स्पेशल 13 नवंबर को नई दिल्ली से पटना के लिए चलेगी। यह सुबह 8:35 बजे दिल्ली से निकलेगी और रात 9:30 बजे पटना पहुंचेगी। ट्रेन का नंबर 02436 होगा। 14 नवंबर को यह ट्रेन पटना से वापस दिल्ली आएगी। पटना से सुबह 8 बजे चलकर रात 9:30 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। रास्ते में इसके भी वही स्टॉप होंगे। रेलवे ने कहा है कि अगर आपको इन ट्रेनों के ठहराव या टिकट के बारे में और जानकारी चाहिए, तो आप 139 नंबर पर कॉल कर सकते हैं।

## दिल्ली में दिवाली की रात 3,000 के पार पहुंचा पीएम स्तर, 36 स्टेशनों से डेटा हुआ था गायब; चिंता में एक्सपर्ट

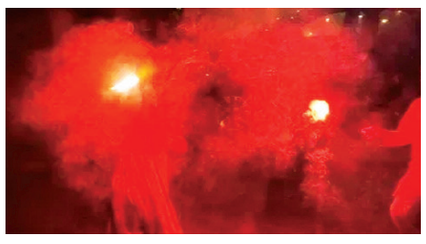
**नई दिल्ली, एजेंसी।** दीपावली की रात दिल्ली के अधिकांश प्रदूषण निगरानी स्टेशनों से आंकड़े गायब हो गए थे। इसे लेकर निगरानी केंद्रों की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े हो रहे थे।

दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) डीपीसीसी द्वारा न्यूनतम आंकड़े जारी किए गए हैं जिससे पता चलता है कि सोमवार तड़के पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) की सांद्रता निर्धारित सीमा से कई गुना अधिक बढ़ गई।

पीएम 2.5 की अनुमेय सीमा 60 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और पीएम 10 की 100 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर होती है। इसकी तुलना में यह स्तर तीन हजार तक पहुंच गया था।

आधी रात तक 36 स्टेशनों का डाटा हुआ गायब

रविवार शाम 7 बजे केवल एक निगरानी स्टेशन के आंकड़े नहीं आ रहे थे। लेकिन, मध्य रात्रि के बाद यह संख्या 36 हो गई थी। सेंटर फॉर रिसर्च आन एनर्जी एंड क्लीन एयर के विश्लेषक मनोज कुमार



का कहना है कि उस रात के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़े अभी भी उपलब्ध नहीं हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि कई अध्ययन के अनुसार पीएम2.5 के अधिक होने से दिल का दौरा और स्ट्रोक की संभावना बढ़ जाती है।

# अमित हत्याकांड का मुख्य आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में गोली लगने से घायल

**नोएडा।** नोएडा के नया बांस गांव के पास स्कूटी टकराने की मामूली सी बात पर हुए विवाद में 25 साल के युवक अमित की हत्या कर दी गई थी। इस हत्या के मामले में लगातार फरार चल रहे मुख्य आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। सेक्टर-3 में स्थित एक पार्क के पास पुलिस टीम और आरोपी का आमना-सामना हुआ, जहां आरोपी ने खुद को घिरता देख पुलिस पर गोली चला दी। इसके बाद पुलिस की तरफ से बचाव में की गई जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी और वह वहीं गिर पड़ा। पुलिस ने घायल आरोपी को तुरंत पकड़ लिया और इलाज कराने के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। नोएडा के एडीसीपी अभय कुमार मिश्रा ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि थाना फेस-1 पुलिस को स्थानीय खुफिया तंत्र से सूचना मिली थी। सूचना में बताया गया था कि अमित की हत्या के मामले में वांछित आरोपी



आफताब उर्फ तुस्सी सेक्टर-3 के एक पार्क में मौजूद है और वहां से कहीं दूर भागने की कोशिश में है। यह खबर मिलते ही थाना फेस-1 की पुलिस टीम तुरंत बताए गए स्थान पर पहुंच गई। पुलिस की टीम जब पार्क के बाहर पहुंची तो वहां आरोपी की एक मोटरसाइकिल खड़ी मिली। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने पार्क के अंदर जाकर आरोपी की तलाश शुरू की। तलाश के दौरान आरोपी अपने एक साथी के साथ पुलिस टीम को सामने से आता देखकर भागने लगा। पुलिस टीम ने तुरंत घेराबंदी करके उसे पकड़ने की कोशिश की।

**हथियार और मोटरसाइकिल बरामद:** जब आरोपी को लगा कि वह पूरी तरह पुलिस से घिर चुका है, तो उसने बच निकलने के लिए पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से सीधी फायरिंग कर दी। आरोपी द्वारा गोली चलाए जाने के बाद पुलिस टीम ने भी अपनी आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की। पुलिस की इस जवाबी कार्रवाई में एक गोली आरोपी के पैर में जा लगी, जिससे वह वहीं घायल होकर गिर गया। पुलिस ने मौके से घायल आरोपी को अपनी हिरासत में ले लिया और इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान आफताब उर्फ तुस्सी के रूप में हुई है। वह रियाजुद्दीन का बेटा है और सेक्टर-15 के नया बांस इलाके का रहने वाला है। पुलिस ने उसके पास से एक .315 बोर का अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस जब्त किया है। इसके साथ ही मौके से घटना में इस्तेमाल की गई हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। पुलिस के मुताबिक आफताब के खिलाफ पहले से भी तीन अलग-अलग मुकदमे दर्ज हैं।

**स्कूटी टकराने से शुरू हुआ था विवाद:** यह पूरी वारदात 8 और 9 नवंबर की दरमियानी रात को हुई थी। नया बांस गांव के पास एक पार्क में कुछ लोग जन्मदिन की पार्टी मना रहे थे। उसी दौरान अमित, शिवम, यशपाल, आकाश और विनोद नाम के कुछ युवक स्कूटी से अपने घर की तरफ लौट रहे थे। रास्ते में उनकी स्कूटी पार्क में जन्मदिन मना रहे एक युवक के पैर से टकरा गई। स्कूटी टकराने की इसी बात पर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई और देखते ही देखते मारपीट होने लगी। मारपीट के दौरान सिर में गंभीर चोट लगने की वजह से 25 वर्षीय अमित की मौत हो गई थी। इस झगड़े में अमित का साथी शिवम भी घायल हो गया था, जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस घटना को लेकर थाना फेस-1 में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) और 109 के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

## सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा सेक्टर-4 तक एक्वा लाइन मेट्रो के विस्तार को मिली मंजूरी



**नोएडा।** नोएडा और ग्रेटर नोएडा के विकास को नई गति देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा सेक्टर-4 तक एक्वा लाइन मेट्रो के विस्तार को मंजूरी दी है। इसके बाद खुशी जताते हुए नोएडा विधायक पंकज सिंह ने कहा कि इस मार्ग पर 5 नए मेट्रो स्टेशन बनेंगे और और सेक्टर-61 पर ब्लू लाइन से सीधे इंटरचेंज की सुविधा मिलने से लाखों दैनिक यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। यह परियोजना लाखों नागरिकों के जीवन को सुगम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे आवागमन आसान होगा, सड़कों पर यातायात का दबाव कम होगा और आवासीय क्षेत्रों, व्यावसायिक केंद्रों, शिक्षण संस्थानों तथा अस्पतालों तक बेहतर पहुँच सुनिश्चित होगी। डबल इंजन की सरकार में उत्तर प्रदेश में आधुनिक अवसंरचना और जनसुविधाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है। नोएडा को आधुनिक, सुगम और बेहतर कनेक्टिविटी से युक्त शहर बनाने की दिशा में लिए गए ऐतिहासिक निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का समस्त नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा वासियों की ओर से हृदय से आभार एवं धन्यवाद।

## यीडा के नए शहर में प्रदूषण रहित उद्योग लगेंगे

**ग्रेटर नोएडा।** यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे करीब 14 हजार हेक्टेयर में प्राधिकरण नया शहर बसाएगा। इसकी तैयारी तेज कर दी गई है। आधुनिक शहर के मास्टर प्लान को अंतिम रूप दिया जा रहा है। खास बात यह है कि यहां पर्यावरण के अनुकूल और प्रदूषण रहित उद्योग स्थापित किए जाएंगे। उद्योग के साथ- साथ यहां पर आवासीय और संस्थागत भू- उपयोग भी रखा जाएगा।

दरअसल यमुना प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में आगरा अर्बन सेंटर है। इसे 14 हजार हेक्टेयर में विकसित करने की योजना है। इसका मास्टर प्लान विशेषज्ञ एजेंसी से बनवाया जा रहा है। अधिकारी के मुताबिक इसे अंतिम रूप दिया जा रहा है। प्राधिकरण बोर्ड की मुहर के बाद इसे उत्तर प्रदेश सरकार को भेजा जाएगा। सरकार की हरी झंडी के बाद इसे लागू किया जाएगा। यह क्षेत्र ताजमहल के नजदीक है। ऐसे में इस नए शहर का काफी महत्व रहेगा। ताजमहल को औद्योगिक प्रदूषण से बचाने के लिए विशेष पर्यावरणीय क्षेत्र बनाया गया है, जिसे ताज ट्रेपेजियम जोन कहा जाता है। इसी क्षेत्र में उद्योग लगाने के लिए विशेष नियम लागू हैं। इसका उद्देश्य ताजमहल के संगमरमर को वायु प्रदूषण से होने वाले नुकसान से बचाना है। इसलिए अथॉरिटी यहां पर प्रदूषणरहित इंडस्ट्री को ही बढ़ावा देगी। मास्टर प्लान में भी इस बात का ध्यान रखा जा रहा है।

**रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे:** प्रस्तावित शहर में ऐसे उद्योगों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिनसे पर्यावरण को कम से कम नुकसान पहुंचे। इसके जरिए क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा करने और औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने की उम्मीद है। साथ ही शहर का विकास इस तरह करने की योजना है कि भविष्य में बढ़ती आबादी और औद्योगिक जरूरतों को पूरा किया जा सके। यह परियोजना धरातल पर उतरती है तो आगरा और आसपास के क्षेत्रों में विकास, निवेश और रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे।

## प्रवासी महासंघ नोयडा द्वारा धूमधाम से मनाया जाएगा छठ पूजनोत्सव का महापर्व

**नोएडा।** प्रवासी महासंघ के अध्यक्ष आलोक वत्स ने बताया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी प्रवासी महासंघ बहुत धूमधाम से छठ महापर्व का आयोजन करेगा जिसमें एन सी आर में रहने वाले सभी श्रद्धालु जो छठ मैया में आस्था रखते हैं सादर आमंत्रित हैं, यहां श्रद्धालुओं के लिए विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी एक अस्थायी कुंड बनाया जायेगा जिसे जल के साथ गंगाजल से भी भरा जाएगा और जिसमें व्रती अस्ताचल गामी एवं उगते हुए सूर्य को अर्घ देकर इस महाव्रत को सम्पन्न कर सकेंगे इसके साथ ही देश के अलग अलग हिस्से से आए कलाकार जिनमें डॉ (विदुषी) अनू सिन्हा 'कत्थक गुरु' एवं टीम कत्थक नृत्य, लोक गायक आलोक पांडेय 'गोपाल' एवं लोक गायिका अंशिका सिंह सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करेंगे।




प्रवासी महासंघ के कार्यकारी अध्यक्ष टी एन चौरसिया ने बताया कि प्रवासी महासंघ का मूल उद्देश्य अपनी माटी से दूर हर प्रवासी के दुख सुख में सहभागी होना है, दिल्ली एनसीआर में रह रहा कोई भी प्रवासी अपने को अकेला न समझे प्रवासी महासंघ हर परिस्थिति में उसके साथ खड़ा है। प्रवासी महासंघ के महासचिव अवधेश राय ने बताया कि कार्यक्रम में व्रतियों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाएगा एवं छठ घाट में श्रद्धालुओं के लिए चारों तरफ सीढ़ीनुमा घाट बनाया जाएगा जिससे किसी भी श्रद्धालु को अर्घ्य देने में परेशानी न हो।

महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं छठ घाट संयोजक विकास तिवारी ने बताया कि छठ घाट का आकार 60म120 फ़ीट का बनाया जा रहा है और इस में किसी प्रकार की अव्यस्था न हो इसके लिए हमारे लगभग 100 से अधिक वॉलेंटियर पूरे परिसर में रहेंगे जो व्यवस्था को बखूबी संभालेंगे एवं सुरक्षा के लिहाज से ड्रोन द्वारा परिसर की निगरानी की जाएगी इसके साथ ही छठ घाट में गंगा जल के साथ ताज़े गुलाब के फूल डलवाये जायेंगे।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने बताया कि पूरे घाट की निगरानी सीसीटीवी द्वारा की जाएगी एवं वॉलेंटियर्स के साथ प्राइवेट सुरक्षा कर्मी भी घाट पर तैनात रहेंगे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माननीय कलराज मिश्र (पूर्व सांसद एवं राज्यपाल) अतिविशिष्ट अतिथि डॉ महेश शर्मा जी (पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद गौतमबुद्धनगर) ,विशिष्ट अतिथि नोएडा विधायक पंकज सिंह, श्रीमती विमला बाथम जी पूर्व अध्यक्ष उत्तरप्रदेश महिला आयोग सहित कई गणमान्य व्यक्ति हिस्सा लेंगे ।

इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष आलोक वत्स, कार्यकारी महासचिव अवधेश राय, कोषाध्यक्ष श्रीमती छाया राय , वरिष्ठ उपाध्यक्ष जीतेन्द्र सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विकास तिवारी, मिथिलेश राय, विजय कुमार सिंह , मीनाक्षी साही, अभिनव पांडेय , अनुज त्रिपाठी ,कमलेश तिवारी, आकाश तिवारी, मृत्युंजय त्रिपाठी,नितांत चौधरी, सत्य रंजन कुमार, श्रवण तिवारी एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### बहनों ने पूजा-अर्चना कर भाइयों के माथे पर तिलक लगाया

**नोएडा।** शहर में बुधवार को भाई-बहन के प्रेम और स्नेह का प्रतीक भाई दूज का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में त्योहार की रौनक दिखाई दी। बहनों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भाइयों के माथे पर तिलक लगाया और उनकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर उनकी खुशियों और सुरक्षा का वचन दिया। त्योहार को लेकर भाई-बहनों में खासा उत्साह रहा। कई बहनें भाइयों के घर पहुंचीं तो कई भाइयों ने बहनों के घर जाकर पर्व मनाया। बहनों ने पूजा की थाली में रोली, अक्षत, दीपक और गोला सजाकर भाइयों का तिलक किया। इसके बाद उन्हें गोला भेंटकर मिठाई खिलाई। परिवारों ने एक साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं।बाजारों में सुबह से ही चहल-पहल रहीभाई दूज पर बाजारों में भी सुबह से खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी। मिठाई, फल और पूजा सामग्री की दुकानों पर विशेष रौनक रही। महिलाओं और युवतियों ने त्योहार के लिए जरूरी सामान की खरीदारी की। मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की भीड़ रही। पूरे शहर में त्योहार को लेकर उत्साह का माहौल दिखाई दिया।

### पिछड़ा वर्ग आयोग के आदेश के बाद भी नहीं मिला भूखंड

**ग्रेटरनोएडा।** ग्रेटर नोएडा के सेक्टर स्वर्ण नगरी आवासीय योजना में लॉटरी से आवंटित भूखंड को निरस्त करने के मामले में राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के आदेश का पालन न होने पर पीड़ित ने अब राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग का दरवाजा खटखटाया है।शिकायत के मुताबिक दादरी क्षेत्र के कोट गांव निवासी राम निवास बरहेला को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की स्वर्ण नगरी योजना में लॉटरी के जरिए भूखंड संख्या डी-13 आवंटित हुआ था।

## 13 नवंबर से नहाय-खाय के साथ शुरू होगा चार दिवसीय छठ महापर्व :डॉ. मुन्ना कुमार शर्मा

**नोएडा।** अखिल भारत हिन्दू महासभा एवं अखिल भारतीय प्रवासी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ?मुन्ना कुमार शर्मा ने नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी कृष्णा करुणेश,जिलाधिकारी मेधा रूपम तथा पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह से नोएडा,ग्रेटर नोएडा एवं गौतमबुद्धनगर के सभी छठव्रतियों के लिए पानी,प्रकाश,स्वच्छता,सुरक्षा,चिकित्सा एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने की मांग की है।डॉ?शर्मा ने कहा है कि छठ महापर्व भगवान सूर्य एवं छठी मैया की उपासना का अत्यंत पवित्र,महान एवं लोक आस्था का महापर्व है।विशेष रूप से बिहार,झारखंड एवं पूर्वांचल के लाखों लोग पूरी श्रद्धा,निष्ठा एवं पवित्रता के साथ यह पर्व मनाते हैं।इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु नदी,तालाबों एवं कृत्रिम छठ घाटों पर एकत्रित होकर भगवान सूर्य को



अर्घ्य अर्पित करते हैं। अतः प्रशासन का दायित्व है कि सभी छठव्रतियों एवं श्रद्धालुओं को सुरक्षित,स्वच्छ एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराया जाए।

उन्होंने बताया कि नोएडा के सेक्टर-75, 71, 66, 62, 82, 93, 110, 12, 19, 20, नोएडा स्टेडियम, सेक्टर-22, 31, 45, 55 सहित छीजारसी, चोटपुर, ममूरा, होशियारपुर, मोरना, छलेरा, सदरपुर एवं भंगेल आदि गाँवों में कृत्रिम तालाब एवं छठ घाट बनाकर छठ महापर्व मनाया जाता है।इसके अतिरिक्त हिंडन एवं यमुना नदी के किनारे भी हजारों छठव्रती भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं।उन्होंने सभी घाटों पर पर्याप्त स्वच्छ जल,प्रकाश व्यवस्था,महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम,साफ-सफाई,सुरक्षा,बैरिके डिंग,यातायात प्रबंधन,प्राथमिक चिकित्सा एवं आपातकालीन सेवाओं की व्यवस्था कराने की मांग की है। डॉ?शर्मा ने बताया कि इस वर्ष चार दिवसीय छठ महापर्व का शुभारंभ 13 नवंबर को नहाय-खाय के साथ होगा।इस दिन छठव्रती स्नान एवं घर की स्वच्छता के पश्चात शुद्ध सात्विक भोजन के रूप में चावल,चना दाल एवं घीया की सब्जी बनाकर प्रसाद ग्रहण करेंगे तथा परिवार के सदस्यों में वितरित करेंगे।

14 नवंबर को खरना एवं लोहंडा की पूजा होगी। इस दिन छठव्रती पूरे दिन उपवास रखने के बाद संध्या के समय गुड़ एवं दूध से बनी खीर, रोटी आदि का प्रसाद ग्रहण करेंगे तथा परिवार एवं परिचितजनों में वितरित करेंगे। खरना के साथ ही छठव्रतियों का 36 घंटे का निर्जला व्रत प्रारंभ हो जाएगा।

15 नवंबर,कार्तिक शुक्ल षष्ठी को संध्याकालीन अर्घ्य दिया जाएगा।इस अवसर पर छठव्रती जल में खड़े होकर अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे तथा परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि, आरोग्य एवं कल्याण की कामना करेंगे। 16 नवंबर,कार्तिक शुक्ल सप्तमी को प्रातःकालीन अर्घ्य दिया जाएगा।इस दिन उदीयमान भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही 36 घंटे का निर्जला व्रत संपन्न होगा और पारण के उपरांत चार दिवसीय छठ महापर्व का विधिवत समापन हो जाएगा।

इसी क्रम में नोएडा के सेक्टर-75 स्थित सेंट्रल पार्क में श्री सूर्यदेव पूजा समिति द्वारा आयोजित किए जा रहे नवम श्री छठ पूजा महोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।समिति के अध्यक्ष डॉ?मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया कि छठ पूजा के लिए घाट पूरी तरह तैयार हो चुका है।छठव्रतियों को भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के लिए गंगाजल मिश्रित शुद्ध जल उपलब्ध कराया जाएगा।उन्होंने कहा कि सेक्टर-75 के छठ घाट पर सभी छठव्रती एवं श्रद्धालु सादर आमंत्रित हैं।यहां आने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए फल-प्रसाद एवं भंडारे के प्रसाद की व्यवस्था की गई है।उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर छठी मैया एवं भगवान सूर्यदेव का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की।

## खेत की मेढ़ काटने के विवाद में फावड़े से हमला करने वाले दो भाई गिरफ्तार

**ग्रेटरनोएडा।** जारचा कोतवाली क्षेत्र में खेत की मेढ़ काटने को लेकर हुए विवाद में एक ही परिवार के चार लोगों पर फावड़े से जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने कहासुनी के बाद पीड़ित पक्ष के लोगों के साथ मारपीट की थी। विरोध करने पर फावड़े से वार कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल फावड़ा बरामद किया है। घटना में शामिल अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। एसीपी प्रशाली गंगवार ने बताया कि जारचा क्षेत्र में खेत की मेढ़ काटने को लेकर एक ही परिवार से जुड़े दो पक्षों के बीच विवाद हो गया था।

आरोप है कि इसी बात को लेकर प्रमोद और मनोज ने दूसरे पक्ष के लोगों के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर दोनों ने अपने साथियों के साथ मिलकर शिकायतकर्ता, उसके पिता और भाइयों पर हमला कर दिया।



आरोपियों ने लाठी-डंडों से मारपीट करने के साथ फावड़े से भी वार किए। हमले में चार लोग घायल हो गए। आरोपियों ने पीड़ित पक्ष को जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने नौ नवंबर को मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की थी। घटना के बाद से दोनों मुख्य आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर थे। बुधवार को पुलिस टीम को सूचना मिली कि आरोपी ग्राम दयानगर की ओर जाने वाले रास्ते पर मौजूद हैं। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जारचा क्षेत्र के छंयसा गांव निवासी 45 वर्षीय प्रमोद और 50 वर्षीय मनोज के रूप में हुई है। दोनों आपस में सगे भाई हैं। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल फावड़ा भी बरामद कर लिया है। एसीपी ने बताया कि मामले में अन्य नामजद आरोपियों की भूमिका की जांच की जा रही है। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

## स्वच्छता सर्वेक्षण में नोएडा का जलवा, देश में छठा स्थान

**नोएडा।** स्वच्छता के मामले में नोएडा ने एक बार फिर अपनी मजबूत स्थिति साबित की है। स्वच्छ सर्वेक्षण में नोएडा ने उत्तर प्रदेश में लगातार अपना पहला स्थान बरकरार रखा है। वहीं, ऑल इंडिया रैंकिंग में भी बड़ी छलांग लगाते हुए 2023 की 14वीं रैंक के मुकाबले इस बार छठा स्थान हासिल किया है। शहर ने देश के शीर्ष स्वच्छ शहरों में अपनी जगह मजबूत की है।

नोएडा प्राधिकरण के मुताबिक, वर्ष 2018 में स्वच्छ सर्वेक्षण में नोएडा 324वें स्थान पर था। इसके बाद शहर ने स्वच्छता के क्षेत्र में लगातार सुधार किया। वर्ष 2021 में नोएडा देश के शीर्ष पांच शहरों में शामिल रहा। वर्ष 2022 में 7500 में से 6332 अंक हासिल कर पांचवीं रैंक प्राप्त की। वहीं, 2023 में 9500 में से 8117 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया था।

**85 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए:** लगातार बेहतर प्रदर्शन के चलते नोएडा को सुपर स्वच्छ लीग (गोल्डन सिटी) में शामिल किया गया। इस श्रेणी में शहर ने स्वच्छता के सभी मानकों पर काम किया। इस साल भी नोएडा ने 85 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल कर सुपर स्वच्छ लीग में अपनी जगह बरकरार रखी है।

इसके अलावा नोएडा को 5-स्टार गार्बेज फ्री सिटी (जीएफसी) रेटिंग और वाटर प्लस प्रमाणन भी मिला है। इन उपलब्धियों के साथ नोएडा देश के 23 विशिष्ट सुपर स्वच्छ लीग (गोल्डन सिटी) शहरों में शामिल है।

**सफाई व्यवस्था में लगातार हो रहा सुधार:** प्राधिकरण के अनुसार, यह उपलब्धि शहर के नागरिकों की भागीदारी और अधिकारियों के प्रयासों का नतीजा है। सफाई व्यवस्था, कचरा प्रबंधन और अन्य स्वच्छता मानकों पर लगातार काम किया जा रहा है। प्राधिकरण ने आने वाले वर्षों में सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए तकनीक और कार्यप्रणाली में सुधार करने की बात कही है।

## नोएडा से ग्रेटर नोएडा का सफर होगा आसान, एक्वा लाइन मेट्रो के विस्तार को मंजूरी

**नोएडा।** नोएडा और ग्रेटर नोएडा में रहने वाले लोगों के लिए अच्छी खबर है। केंद्र सरकार ने नोएडा मेट्रो की एक्वा लाइन के विस्तार को मंजूरी दे दी है। इसके तहत नोएडा सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा सेक्टर-4 तक नई मेट्रो लाइन बनाई जाएगी। इस परियोजना से हजारों लोगों का रोजाना ऑफिस, स्कूल, कॉलेज और दूसरी जगहों पर आना-जाना आसान हो सकता है। नई मेट्रो लाइन बनने से सड़कों पर ट्रैफिक कम होने की भी उम्मीद है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को इस परियोजना को मंजूरी दी। सरकार के मुताबिक, नई मेट्रो लाइन की लंबाई 8.449 किलोमीटर होगी। इस रास्ते पर पांच नए मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे। ये सभी स्टेशन जमीन से ऊपर होंगे। सरकार के मुताबिक, नई लाइन शुरू होने के बाद नोएडा और ग्रेटर नोएडा में चालू मेट्रो नेटवर्क की कुल लंबाई 71.878 किलोमीटर पहुंच जाएगी। इस विस्तार का सबसे बड़ा फायदा उन लोगों को मिलने की उम्मीद है, जो रोजाना नोएडा और ग्रेटर नोएडा के बीच सफर करते हैं। नई लाइन से कई रिहायशी इलाकों, दफ्तरों, अस्पतालों और बाजारों तक पहुंचना आसान होगा। इस परियोजना के तहत नोएडा सेक्टर-61 पर ब्लू लाइन से मेट्रो बदलने की सुविधा भी मिलेगी। इससे लोगों के लिए दिल्ली और एनसीआर के दूसरे इलाकों तक जाना आसान हो सकता है।

**इन इलाकों के लोगों को मिलेगा फायदा:** नई मेट्रो लाइन से नोएडा सेक्टर-51, सेक्टर-60, सेक्टर-61, सेक्टर-70, सेक्टर-73 और सेक्टर-122 के आसपास के इलाकों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा ग्रेटर नोएडा सेक्टर-4 और गौर सिटी के आसपास रहने वाले लोगों को भी फायदा हो सकता है। सरकार के मुताबिक, इस परियोजना से कई बड़े बाजार और शॉपिंग मॉल भी जुड़ेंगे। इनमें गौर सिटी मॉल, ब्लू सफायर मॉल, ॥×स मॉल, सेक्टर-51 का ढ्ढचश्च और सेक्टर-73 का एंथुरियम मॉल शामिल हैं।

**ऑफिस जाने वालों का सफर होगा आसान:** नोएडा में बड़ी संख्या में



आईटी कंपनियां और दूसरे दफ्तर हैं। इनमें काम करने वाले हजारों कर्मचारी रोजाना सड़क के रास्ते सफर करते हैं। नई मेट्रो लाइन से नोएडा सेक्टर-60 स्थित टेक महिंद्रा और ञ्झष्टरुटेक जैसे दफ्तरों तक पहुंचना आसान हो सकता है। इसके अलावा सेक्टर-73 में ऑयल इंडस्ट्री डेवलपमेंट बोर्ड और ग्रेटर नोएडा सेक्टर-4 के गोल्डन आई कमर्शियल कॉम्प्लेक्स को भी बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी।

**स्कूल और अस्पताल पहुंचने में भी मिलेगी सुविधा:** नई मेट्रो लाइन का फायदा छात्रों और मरीजों को भी हो सकता है। सरकार के मुताबिक, नोएडा सेक्टर-122 स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल के आसपास आने-जाने वाले लोगों को बेहतर परिवहन सुविधा मिलेगी। इसके अलावा कैलाश अस्पताल, सेक्टर-70 के रामा अस्पताल, सेक्टर-51 के क्लाउड9 अस्पताल और सेक्टर-62 के रामा अस्पताल तक पहुंचना भी आसान हो सकता है।

**सड़कों पर ट्रैफिक कम होने की उम्मीद:** नोएडा और ग्रेटर नोएडा के कई रास्तों पर रोजाना भारी ट्रैफिक रहता है। खासकर ऑफिस आने-जाने के समय लोगों को जाम का सामना करना पड़ता है। सरकार का मानना है कि मेट्रो नेटवर्क बढ़ने से अधिक लोग निजी वाहनों की जगह मेट्रो से सफर कर सकेंगे। इससे सड़कों पर गाड़ियों की संख्या कम हो सकती है और लोगों का समय बचेगा। मेट्रो से सफर बढ़ने पर पेट्रोल और डीजल से चलने वाले वाहनों का इस्तेमाल भी कम हो सकता है। इससे प्रदूषण घटाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

**नए मेट्रो स्टेशनों के आसपास कारोबार को फायदा:** नई मेट्रो लाइन से सिर्फ यात्रियों को ही नहीं, बल्कि स्थानीय दुकानदारों और कारोबारियों को भी फायदा हो सकता है।

मेट्रो स्टेशन बनने से आसपास के बाजारों, दुकानों और दफ्तरों तक पहुंचना आसान होगा। इससे इन इलाकों में लोगों की आवाजाही बढ़ सकती है। सरकार का मानना है कि बेहतर परिवहन सुविधा मिलने से नए कारोबार और निवेश को भी बढ़ावा मिल सकता है। हालांकि, सरकार की ओर से जारी जानकारी में परियोजना की कुल लागत, पांचों नए स्टेशनों के नाम और निर्माण पूरा होने की तारीख नहीं बताई गई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address :
royalnoida@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

## नर्मदा किनारे मिला दांतों वाला रहस्यमयी पत्थर, ग्रामीणों ने की विशेषज्ञ जांच की मांग

**रायसेन, एजेंसी।** मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में नर्मदा नदी के पतई घाट पर मंगलवार शाम



मिली रहस्यमयी आकृति ने ग्रामीणों में कौतूहल पैदा कर दिया। पत्थर जैसी दिखने वाली इस आकृति की बनावट विशालकाय जीव के जबड़े जैसी है। इसके एक ओर 11 और दूसरी ओर सात दांत जैसी संरचनाएं उभरी हैं। ग्रामीणों को आशंका है कि यह हजारों वर्ष पुराने मैमथ हाथी के जबड़े का जीवाश्म हो सकता है। हालांकि, इसकी वैज्ञानिक पुष्टि नहीं हुई है। मंगलवार शाम कुछ बच्चे पतई घाट पर मिट्टी खोद रहे थे। करीब डेढ़ फीट गहराई में उन्हें जमीन में दबी यह आकृति दिखाई दी। ग्रामीणों के अनुसार, आकृति का बड़ा हिस्सा अब भी जमीन के भीतर है। आसपास पानी भर जाने के कारण इसे पूरी तरह बाहर नहीं निकाला जा सका। सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे। कुछ लोगों ने इसे प्राचीन जीव का अवशेष बताया, जबकि कुछ ने दैवीय स्वरूप मानकर पूजा-अर्चना की। देर शाम तहसीलदार और थाना प्रभारी भी मौके पर पहुंचे। बता दें कि पतई घाट से करीब तीन किलोमीटर दूर करीब 15 वर्ष पहले डायनासोर के अंडों जैसी आकृतियां मिली थीं। यदि यह संरचना विलुप्त जीव का जीवाश्म साबित होती है, तो महत्वपूर्ण खोज होगी। उन्होंने पुरातत्व, भूविज्ञान और जीवाश्म विज्ञान के विशेषज्ञों की टीम बुलाकर वैज्ञानिक जांच कराने की मांग की है।

## छत्तीसगढ़ में जंगली हाथी ने फिर तीन को मारा, छह महीनों में ली 17 की जान

**अंबिकापुर, एजेंसी।** छत्तीसगढ़ के सरगुजा, सूरजपुर और बलरामपुर जिलों में कबरा के नाम से कुख्यात जंगली हाथी ने दो दिन में तीन और लोगों को कुचलकर मार डाला है। इस हाथी ने पिछले छह महीनों में 17 लोगों की जान ले ली है। दीपावली की रात सूरजपुर जिले में कृष्णा राजवाड़े व मोहनलाल कंवर को इस हाथी ने कुचलकर मार डाला। इसके बाद उसने अंबिकापुर-मनेंद्रगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पार कर बिशुन राम को भी कुचल दिया। हालांकि, इन हादसों के बाद भी हाथी को ट्रेंक्यूलाइज कर कॉलर आइडी लगाने की अनुमति अब तक वन मुख्यालय से नहीं मिल सकी है। सरगुजा के मुख्य वन संरक्षक डॉ. प्रणय मिश्रा ने बताया कि योजना के तहत प्रशिक्षित हाथियों की मदद से कबरा को ट्रेंक्यूलाइज किया जाएगा और कॉलर आइडी लगाई जाएगी। फिर उसे ट्रक से हाथियों के समूह वाले घने वन क्षेत्र में छोड़ा जाएगा। कॉलर से उसकी लोकेशन और व्यवहार पर नजर रखी जाएगी। व्यवहार नहीं बदला, तो उसे रेस्क्यू सेंटर में रखा जाएगा। सभी संसाधन तैयार हैं और एक सप्ताह के भीतर अभियान शुरू होने की उम्मीद है। सूरजपुर के वनमंडलाधिकारी विपुल अग्रवाल ने बताया कि प्रस्ताव भेजा गया है और जल्द अनुमति मिलने की संभावना है।

## पहले दीवार पर दे मारा सिर फिर गला घोंटकर हत्या

**हैदराबाद।** हैदराबाद के नलगोंडा से एक हैरान करने वाली वारदात सामने आई है। यहां मंगलवार को एक पति ने अपनी होम गार्ड पत्नी की घरेलू विवाद के बाद कथित तौर पर हत्या कर दी। आरोप है कि बच्चों के स्कूल जाने के बाद, पति ने महिला का सिर दीवार पर दे मारा और फिर गला घोंटकर उसकी जान ले ली। मृतका, महबूब बी (43), जिला पुलिस मुख्यालय में काम करती थीं। उसने सतीश से शादी की थी, जो पहले होम गार्ड के तौर पर काम करता था और बाद में कांस्टेबल के पद पर चुना गया था। हालांकि, करीब 15 साल पहले उसने एक साल की नौकरी के बाद इस्तीफा दे दिया था और तब से वह बेरोजगार था। दंपति की दो बेटियां और एक बेटा है। पत्नी का सिर दीवार पर दे मारा और गला घोंट दिया डीएसपी के. शिवराम रेड्डी के अनुसार, मंगलवार सुबह बच्चों के स्कूल जाने के बाद पति-पत्नी के बीच बहस हो गई। इस दौरान, सतीश ने कथित तौर पर महबूब पर हमला किया, उसका सिर दीवार पर दे मारा और गला घोंट दिया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पूछताछ के लिए सतीश को हिरासत में लिया और उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया।

# हिमाचल में शुष्क मौसम से चिंतित किसान, वेस्टर्न डिस्टर्बेंस से बंधी बारिश की उम्मीद

**शिमला, एजेंसी।** हिमाचल प्रदेश की चोटियों पर हल्के हिमपात व तापमान में गिरावट के बीच मध्य व निचले इलाकों में लंबे समय से जारी शुष्क मौसम ने किसानों और बागवानों की चिंता बढ़ा दी है। प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में पर्याप्त वर्षा न होने से जमीन में नमी का स्तर घटा है। इससे रबी सीजन की मुख्य फसलों गेहूं, जौ, सरसों, चना, मटर और लहसुन की बुआई और शुरुआती विकास पर असर पड़ रहा है।

हालांकि, मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने 12 और 13 नवंबर को चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला में आंधी के साथ वर्षा तथा ऊंचे इलाकों में हिमपात की संभावना जताई है। यदि इस दौरान पर्याप्त वर्षा होती है तो मिट्टी में नमी लौट आएगी और गेहूं व जौ की बिजाई हो सकेगी। इससे शुष्क ठंड और पाले से फसलों को होने वाले नुकसान में कमी आएगी।

प्रदेश में लगभग 80 प्रतिशत कृषि क्षेत्र वर्षा आधारित है। गेहूं की बुआई के लिए मिट्टी में उपयुक्त नमी होना अनिवार्य है। अक्टूबर और नवंबर के पहले पखवाड़े में वर्षा होने के कारण बुआई नहीं हो पाई है। बुआई में देरी होने से आगे चलकर पौधों में फुटाव कम होगा, जिसका नुकसान अंतिम पैदावार पर पड़ेगा। शिमला, सोलन, सिरमौर, कुल्लू और मंडी



जिले में बड़े पैमाने पर अगेती मटर और लहसुन की खेती की जाती है। जिन किसानों ने हल्की नमी में बिजाई की थी, वहां शुष्क मौसम और तेज धूप के कारण बीज अंकुरित नहीं हो पा रहे हैं। जिन क्षेत्रों में अंकुरण हो चुका है, वहां नमी की कमी से पौधे पीले पड़ने और सूखने की कगार पर हैं। लगातार शुष्क ठंड पड़ने और नमी न होने से मिट्टी में दीमक और पौधों पर माहू जैसे रसचूसक कीटों का प्रकोप बढ़ जाता है।

रबी सीजन केवल फसलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समय सेब और अन्य गुठलीदार फलों (आड़ू, प्लम, खुबानी) के बगीचों में नई रोपाई, तौलिया बनाने और खाद डालने के लिए भी महत्वपूर्ण होता है। मिट्टी में शुष्कपन के कारण पेड़ों की जड़ें पोषक तत्व ग्रहण नहीं कर पातीं। पर्याप्त हिमपात व वर्षा के अभाव में सेब के पेड़ों के लिए आवश्यक चिलिंग आवर्स की प्रक्रिया भी प्रभावित हो सकती है। वर्षा आधारित क्षेत्रों के किसान जब तक पर्याप्त वर्षा न हो, तब तक बिना सिंचाई वाले खेतों में बीजों की बुआई करने से बचें। लहसुन और मटर की क्यारियों में सूखी घास या पत्तियों से मल्चिंग करें, जिससे जमीन की बची नमी सुरक्षित रहे। जिन किसानों के पास सिंचाई के साधन हैं वे शाम के समय हल्की सिंचाई करें, ताकि रात के पाले से पौधों की सुरक्षा हो सके।

## 12 नहीं... 6 दिसंबर को जाएं राम मंदिर', अखिलेश यादव के अयोध्या दौरे पर बीजेपी ने कसा तंज

**लखनऊ, एजेंसी।** सपा प्रमुख अखिलेश यादव के अयोध्या जाने की चर्चा को लेकर भाजपा हमलावर है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा है कि यदि अखिलेश को सच्चा पश्चाताप है तो उन्हें 12 की जगह छह दिसंबर को रामलला का दर्शन करना चाहिए। सैकड़ों रामभक्तों की हत्या के लिए माफी मांगनी चाहिए। पंकज चौधरी ने कहा कि भगवान श्रीराम के नाम पर राजनीतिक पैंतरेबाजी के बजाय अखिलेश को अपने अतीत और पार्टी के कारनामों का जवाब देना चाहिए। जनता रामभक्तों का बलिदान नहीं भूली है। उनका राजनीतिक दिखावा पुराने पापों को धो नहीं सकता। कहा कि अखिलेश रामभक्ति का स्वांग रचकर पुराने कृत्यों से पीछा नहीं छुड़ा सकेंगे।



## उत्तराखंड के जेनी प्रकरण ने लिया मोड़, सामने आया नया किरदार राजकुमार... गरमाई सियासत

**देहरादून, एजेंसी।** उत्तराखंड की सियासत में 23 साल बाद फिर सुर्खियों में आए जेनी प्रकरण की कहानी अब हर दिन नया मोड़ ले रही है। अब तक इस मामले में पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत और उन पर आरोप लगाने वाली इंदिरा देउरी उर्फ जेनी के दावों को लेकर चर्चा हो रही थी, लेकिन अब एक नया नाम सामने आया है।

दरअसल, जेनी ने नौ अगस्त, 2011 को नगर निगम देहरादून के स्वास्थ्य अनुभाग से अपने बच्चे का जन्म प्रमाणपत्र लिया। इस सिलसिले में दिए गए शपथ पत्र में उसने अपने बच्चे का नाम अंशु और पति का नाम राजकुमार तिवारी दर्शाया है। ऐसे में अब यह प्रश्न भी फिजां में तैरने लगा है कि नया किरदार राजकुमार आखिर है कौन।

असम के तिनसुकिया जिले की निवासी जेनी ने नौ जून, 2003 को दून अस्पताल के महिला चिकित्सालय में बच्चे को जन्म दिया था। तब वह नारी निकेतन देहरादून में रह रही थी। उस समय जेनी ने तत्कालीन मंत्री हरक सिंह रावत पर उसके बच्चे का पिता होने का आरोप लगाया था। इसके बाद तो उत्तराखंड की सियासत में भूचाल आ गया।

मामला विधानसभा में भी जोर-शोर से उठा। हरक सिंह ने जेनी के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए मंत्री पद से इस्तीफा दिया और घोषणा की कि जब तक वह बेदाग साबित नहीं होते, सदन में नहीं आएंगे। इसके बाद प्रकरण की सीबीआइ जांच हुई और हरक सिंह इसमें बेदाग होकर निकले।

23 साल बाद यह प्रकरण तब दोबारा से चर्चा में आया, जब देहरादून पहुंची जेनी ने सात नवंबर को पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया कि उसके बच्चे का पिता और कोई नहीं, बल्कि पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत हैं। इसके बाद हरक सिंह ने भी मीडिया से बातचीत में जेनी के आरोपों को सिरे से खारिज करते इसे भाजपा की साजिश करार दिया।

विगत दिवस हरक सिंह ने दावा किया था कि जेनी के बच्चे का पिता कोई बबलू नाम का व्यक्ति है। इस बीच इंटरनेट मीडिया में तैर रहे जेनी के वर्ष 2011 के शपथ पत्र में दर्ज राजकुमार तिवारी के नाम ने एक और नई कड़ी जोड़ दी है। ऐसे में यह प्रश्न उठना लाजिमी है कि राजकुमार कौन है? क्या उसका जेनी और उसके बेटे अंशु से कोई संबंध है? यदि ऐसा है तो पूर्व में सामने आए दावों के बीच उसकी भूमिका क्या है? आने वाले दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि इस कहानी की अगली कड़ी में कौन सी नई परत उधड़ती है।

## मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों को मिली नई पहचान, अब कहलाएंगे 'रीजनल इंस्टीट्यूट फॉर हैप्पीनेस एंड वेलनेस'

**कोच्चि, एजेंसी।** केरल सरकार द्वारा चलाए जा रहे मानसिक स्वास्थ्य केंद्रों को एक नई पहचान मिलने जा रही है। राज्य सरकार ने तिरुवनंतपुरम, त्रिशूर और कोझिकोड स्थित अपने तीन प्रमुख संस्थानों का नाम अब 'रीजनल इंस्टीट्यूट फॉर हैप्पीनेस एंड वेलनेस' (खुशहाली और कल्याण के लिए क्षेत्रीय संस्थान) तय कर दिया है।

मंगलवार को हाई कोर्ट को जानकारी देते हुए सरकार ने बताया कि हितधारकों (जिनमें वे चिकित्सा संगठन भी शामिल थे जिन्होंने पहले प्रस्ताव पर आपत्ति जताई थी) से विचार-विमर्श के बाद यह नाम अंतिम रूप से चुना गया है। **संस्थानों के नाम बदल देने से काम नहीं चलेगा: कोर्ट:** एडवोकेट जनरल के. जाजू बाबू ने जस्टिस देवन रामचंद्रन और जस्टिस बसंत बालाजी की बेंच को बताया कि इस संबंध में एक औपचारिक सरकारी आदेश जारी किया जा रहा है। अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि अगली सुनवाई में इस आदेश को रिकॉर्ड पर रखा जाए। हालांकि, उच्च न्यायालय ने यह साफ कर दिया कि केवल संस्थानों के नाम बदल देने से काम नहीं चलेगा; इसके लिए उनके बुनियादी ढांचे और कामकाज के तरीके में भी सुधार करना जरूरी है। बेंच ने चार ऐसे क्षेत्रों की पहचान की जहां सरकार के तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता है: अदालत ने बाउंड्री वॉल के निर्माण में हो रही देरी पर विशेष चिंता जताई और कहा कि परिसर की सुरक्षा सुनिश्चित करना संस्थान की अखंडता बनाए रखने के लिए आवश्यक है। बेंच ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ठोस कदम दिखाने में विफल




रहती है, तो उसके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू की जा सकती है। एडवोकेट जनरल ने अदालत को आश्वासन दिया कि दवाओं की आपूर्ति को सुव्यवस्थित कर दिया गया है और एक-दो सप्ताह के भीतर गाड़ियों की व्यवस्था हो जाने की उम्मीद है। कर्मचारियों की कमी के मुद्दे पर, सरकार ने दो सप्ताह का और समय मांगा। उन्होंने बताया कि हाल ही में नियुक्त स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सचिव को संबंधित फाइलों की समीक्षा करने के लिए अधिक समय की जरूरत है। इससे पहले, जब सरकार ने इन केंद्रों का नाम 'हैप्पीनेस एंड वेलनेस सेंटर्स' रखने का प्रस्ताव दिया था, तो इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी ने इस पर आपत्ति जताई थी। इसके बाद, उच्च न्यायालय ने दोनों संगठनों को अपनी चिंताएं संबंधित अधिकारियों के सामने रखने की अनुमति दे दी थी। इन परामर्शों के बाद, नया नाम 'रीजनल इंस्टीट्यूट फॉर हैप्पीनेस एंड वेलनेस' तय किया गया। यह पूरी कार्यवाही 1996 से चले आ रहे एक न्यायिक मामले से जुड़ा हुआ है। यह कार्यवाही मानसिक बीमारी से पीड़ित लोगों के अधिकारों और कल्याण से जुड़े 'शीला बारसे मामले' में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए निर्देशों के बाद शुरू हुआ था।

# हिमाचल सरकार हर स्कूल में बनाएगी करियर काउंसिलिंग कमेटी, छात्रों की रुचि और क्षमता का बनेगा रिकॉर्ड

**शिमला, एजेंसी।** दसवीं के बाद कौन सा संकाय चुनना है और 12वीं के बाद किस क्षेत्र में करियर बनाना है, विद्यार्थियों को अब इन फैसलों में स्कूल स्तर पर ही मार्गदर्शन मिलेगा। शिक्षा विभाग सरकारी स्कूलों में करियर काउंसिलिंग कमेटियों का गठन करने जा रहा है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को उनकी रुचि, योग्यता और क्षमता के अनुरूप विषय चयन से लेकर उच्च शिक्षा, छात्रवृत्ति, व्यावसायिक पाठ्यक्रमों और रोजगार के अवसरों की जानकारी दी जाएगी। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को दूसरों की देखा-देखी या अभिभावकों के दबाव में करियर चुनने के बजाय अपनी क्षमता के अनुसार भविष्य की राह तय करने में मदद करना है।

**तैयार होगा रिकॉर्ड:** इसके लिए प्रत्येक स्कूल को विद्यार्थियों की रुचि और योग्यता का विस्तृत रिकॉर्ड तैयार करना होगा। इसमें उनकी विषयगत दिलचस्पी, आगे चुने जा सकने वाले पाठ्यक्रम, उपलब्ध छात्रवृत्ति योजनाओं और रोजगार की संभावनाओं का ब्योरा शामिल रहेगा। व्यावसायिक विषय पढ़ने वाले विद्यार्थियों को भी संबंधित क्षेत्र में आगे करियर बनाने के विकल्प बताए जाएंगे।



**निदेशक का आदेश जारी:** निदेशक स्कूल शिक्षा विभाग आशीष कोहली ने इस संबंध में सभी जिलों के उपनिदेशकों को पत्र जारी किया है। स्कूलों में करियर काउंसिलिंग से जुड़ी गतिविधियों और उनकी समय-सारिणी भी निर्धारित की गई है। स्कूलों को निर्देशों के अनुसार गतिविधियां आयोजित कर रिपोर्ट शिक्षा निदेशालय को भेजनी होगी।

दसवीं के बाद रुचि के अनुसार चुन सकेंगे संकाय दसवीं के बाद विज्ञान, वाणिज्य और कला संकाय में से चयन करना विद्यार्थियों के लिए अक्सर चुनौती बन जाता है। कई विद्यार्थी दोस्तों की देखा-देखी या अभिभावकों के दबाव में विषय चुन लेते हैं और बाद में उन्हें अपनी रुचि के विपरीत पढ़ाई करनी पड़ती है। नई व्यवस्था के तहत कमेटी विद्यार्थियों की क्षमता और रुचि का आकलन कर उन्हें उपयुक्त संकाय चुनने में मार्गदर्शन देगी।

### 12वीं के बाद करियर के नए विकल्पों से होंगे परिचित

12वीं के बाद विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के विभिन्न पाठ्यक्रमों, प्रवेश परीक्षाओं, व्यावसायिक शिक्षा, छात्रवृत्तियों और रोजगार के अवसरों की जानकारी दी जाएगी। इससे वे परंपरागत पाठ्यक्रमों के अलावा अपनी रुचि के अनुरूप दूसरे क्षेत्रों में भी करियर तलाश सकेंगे। इसे गंभीरता से लागू नहीं किया गया। अब प्रत्येक स्कूल में कमेटी के गठन और नियमित रिपोर्टिंग से जवाबदेही तय होगी। शिक्षा निदेशालय स्कूलों की गतिविधियों पर निगरानी रखेगा, ताकि यह व्यवस्था केवल कागजों तक सीमित न रहे और विद्यार्थियों को इसका वास्तविक लाभ मिल सके।

## त्रिपुरा निकाय चुनाव में वोटिंग से पहले ही बीजेपी का जलवा, 77 सीटें निर्विरोध जीतीं

**अगरतला।** भारतीय जनता पार्टी ने 27 नवंबर को होने वाले चुनाव से पहले ही 77 सीटो पर जीत हासिल कर ली है। पार्टी ने ये शानदार




उपलब्धि चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने और कागजातों की जांच के बाद 77 सीटों पर निर्विरोध जीत हासिल की है। एक अधिकारी ने बुधवार को इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि त्रिपुरा के पांच नगर निकायों में भाजपा ने 77 सीटों पर निर्विरोध जीत हासिल का है। राज्य के 21 नगर निकायों (जिसमें अगरतला नगर निगम भी शामिल है) की 345 सीटों के लिए नामांकन दाखिल करने की समय-सीमा सात नवंबर को समाप्त हो गई थी। नामांकन पत्रों की जांच मंगलवार को हुई। अब 268 सीटों पर मतदान होगा। इस चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए, सीपीआई(एम) और कांग्रेस के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होगा। राज्य चुनाव आयुक्त पी.के. चक्रवर्ती ने बताया कि नगर निकायों की 268 सीटों के लिए 810 उम्मीदवार मैदान में हैं। मतदान 27 नवंबर को होगा और वोटों की गिनती तीन दिसंबर को तय की गई है। उन्होंने बताया कि भाजपा के सबसे ज्यादा 342 उम्मीदवार हैं, जबकि सीपीआई(एम) के 218 और कांग्रेस के 201 उम्मीदवार मैदान में हैं। राज्य चुनाव आयोग के अनुसार, भाजपा ने पांच नगर निकायों की 77 सीटों पर निर्विरोध जीत हासिल की। ये नगर निकाय मोहनपुर, कमलपुर, जिरानिया, रानीरबाजार और शांतिरबाजार हैं। चक्रवर्ती ने कहा कि नामांकन जबरन वापस कराए जाने के आरोपों के बाद हमने धलाई के जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक से रिपोर्ट मांगी। जमीनी रिपोर्ट से पता चलता है कि अंबासा या धलाई जिले में कहीं भी ऐसी कोई घटना नहीं हुई।

# भूजल बचाने की दिशा में कदम, 100 करोड़ की दो परियोजनाओं को मंजूरी मिली; 90 हजार एकड़ तक पहुंचेगा पानी

**चंडीगढ़, एजेंसी।** पंजाब में भूजल पर किसानों की निर्भरता घटाने और नहरी सिंचाई व्यवस्था मजबूत करने के लिए राज्य सरकार ने 100.65 करोड़ रुपये की दो परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनसे 90 हजार एकड़ से अधिक कृषि भूमि को नहरी पानी उपलब्ध होगा। जल संसाधन मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने सोमवार को पंजाब भवन में इसकी जानकारी दी।

पहली परियोजना के तहत करीब 60 वर्ष पुरानी 1-आर डिस्ट्रीब्यूटरी की 64.11 करोड़ रुपये की लागत से कंक्रीट लाइनिंग की जाएगी। इससे फतेहगढ़ साहिब और पटियाला जिलों के करीब 80 गांवों की 69,967 एकड़ कृषि भूमि को लाभ मिलेगा। डिस्ट्रीब्यूटरी की जल वहन क्षमता 154.50 क्यूसेक से बढ़ाकर 248.69 क्यूसेक की जाएगी। चालू वित्त वर्ष में इसके लिए 40 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं।

दूसरी परियोजना 36.54 करोड़ रुपये की कपूरी लिफ्ट सिंचाई योजना है। इसके तहत पटियाला जिले में हरियाणा



सीमा से सटे 20 गांवों के 20,719 एकड़ क्षेत्र को पहली बार नहरी पानी मिलेगा। इनमें कपूरी, सराला कलां, कमालपुर, सौंटा, रामपुर, चमारू, ताहिरपुर, झाड़वां, नारायणगढ़ और शेखूपुर सहित अन्य गांव शामिल हैं। पानी को लिफ्ट कर पाइपलाइन नेटवर्क के जरिए सीधे खेतों तक पहुंचाया जाएगा। पहले चरण में चार करोड़ रुपये खर्च करने का प्रस्ताव है। गोयल ने बताया कि भाखड़ा मेन लाइन प्रणाली में प्रति एक हजार एकड़ पानी का आवंटन 2.04 से बढ़ाकर 3.05 क्यूसेक किया गया है। इससे नहरों की क्षमता बढ़ाने की जरूरत है। 1-आर डिस्ट्रीब्यूटरी की लाइनिंग से पानी का रिसाव रुकेगा और आपूर्ति बेहतर होगी। मंत्री के अनुसार, सरकार नहरी सिंचाई ढांचे को मजबूत करने पर अब तक करीब 7,500 करोड़ रुपये खर्च कर चुकी है।

## अवैध कारोबार के खिलाफ डीआरआई की बड़ी कार्रवाई, मुंबई के न्हावा शेवा बंदरगाह पर 13 हजार ई-सिगरेट जब्त

**मुंबई, एजेंसी।** अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने मुंबई के जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह (जेएनपीटी) या न्हावा शेवा बंदरगाह पर करीब 13 हजार ई-सिगरेट जब्त की हैं। इनकी कीमत चार करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है। भारत में इलेक्ट्रानिक सिगरेट पर प्रतिबंध है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 में डीआरआई ने महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली और बंगाल में करीब 3,55,000 ई-सिगरेट जब्त की हैं। इनकी कीमत 135 करोड़ रुपये से अधिक है। अन्य कार्रवाई में डीआरआई अधिकारियों ने कोलकाता हवाईअड्डे पर विदेश भेजी जा रही 3.12 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा जब्त की और इस मामले में सात आरोपितों को गिरफ्तार किया। आरोपित छह नवंबर को बैंकॉक जा रहे थे। तलाशी में डॉलर और पाउंड समेत विदेशी मुद्रा मिली, जिसे नोटबुक, ट्राली बैग, जूतों और कपड़ों में छिपाया गया था।



अन्य कार्रवाई में, डीआरआई अधिकारियों ने पांच नवंबर को दिल्ली से भोपाल जा रही बस में यात्री के बैग से 6.642 किलोग्राम मादक पदार्थ बरामद किया। वहीं अन्य कार्रवाई में असम में हाथी के दो दांत जब्त किए गए।

## न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच मजेदार होंगे: रायन

**ऑकलैंड ।** भारत के फॉरवर्ड रायन विलियम्स न्यूजीलैंड में खेलने के अपने पिछले अनुभव का इस्तेमाल भारतीय पुरुषों के देश के पहले दौरे की तैयारी के लिए कर रहे हैं, क्योंकि नेशनल टीम गुरुवार को ऑकलैंड के गो मीडिया स्टेडियम में दो इंटरनेशनल फ्रेंडली मैचों में से पहले मैच में ऑल व्हाइट्स का सामना करने के लिए तैयार है। यह दोनों टीमों के बीच तीसरा अंतरराष्ट्रीय मुकाबला होगा। इससे पहले 1981 और 2018 में दोनों टीमें आमने-सामने हुई हैं।



यह दौरा भारतीय टीम के ज्यादातर सदस्यों के लिए नया है। विलियम्स ऑस्ट्रेलियाई क्लब पर्थ ग्लोरी के साथ अपने समय के दौरान न्यूजीलैंड में खेल चुके हैं। 33 साल के इस खिलाड़ी ने जनवरी 2023 में पामर्स्टन नॉर्थ में वेलिंगटन फीनिक्स के खिलाफ ग्लोरी के 2-2 से ड्रॉ मैच में हिस्सा लिया था, जिसे 'डिस्टेंस डर्बी' के नाम से जाना जाता है। तस्मान में यात्रा करने की जरूरतों का अनुभव होने के कारण, वह लंबी यात्रा और समय के अंतर से आने वाली चुनौतियों को जानते हैं।

विलियम्स ने कहा, 'हर बार जब मैं खेलने के लिए न्यूजीलैंड आया हूं, तो यह हमेशा मुश्किल रहा है क्योंकि यह हर चीज से बहुत दूर है। पर्थ से, यह बहुत दूर है। समय का अंतर भी एक ऐसी चीज है जिसे आपको मैनेज करना होता है।' ऑकलैंड भारत से साढ़े सात घंटे आगे है, इसलिए बॉडी क्लॉक में बदलाव को मैनेज करना टीम की पहली प्राथमिकताओं में से एक था।

विलियम्स ने कहा कि उन्होंने यात्रा के दौरान एक प्लान्ड स्लीप रूटीन का पालन किया, जिसमें ऑस्ट्रेलिया और यूनाइटेड किंगडम के बीच यात्रा करने के कई सालों के अनुभव का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा, 'मेरा प्लान फ्लाइट के पहले हिस्से में सोने का था, जो मलेशिया के लिए था। मैं कुछ घंटे सोया, फिर जब तक हम यहां नहीं पहुंच गए, तब तक लगभग सोया ही नहीं। यह आपकी पूरी बॉडी क्लॉक को एक तरह से रीसेट कर देता है, इसलिए आप यहां आ सकते हैं, सीधे सो सकते हैं और पूरी रात सोने की कोशिश कर सकते हैं।

## दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम में नंदिनी शर्मा का चयन



**चंडीगढ़ ।** चंडीगढ़ की तेज गेंदबाज नंदिनी शर्मा को दिसंबर में होने वाले भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल किया गया है। भारतीय टीम इस दौरे पर एक टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। दौरे की शुरुआत 9 दिसंबर को गेकेबरहा में होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से होगी। इसके बाद तीन वनडे मुकाबले पार्ल, केपटाउन और ब्लोमफोंटेन में खेले जाएंगे। दौरे का समापन बेनोनी और पोटचेफस्ट्रूम में होने वाली तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज के साथ होगा। इस साल की शुरुआत में भी नंदिनी शर्मा ने इतिहास रचा था। वह यूटी क्रिकेट एसोसिएशन (यूटीसीए) की पहली खिलाड़ी बनी थीं, जिन्हें ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर भारत की टेस्ट टीम में जगह मिली थी। हालांकि, उन्हें अभी टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू का मौका नहीं मिला है। नंदिनी के चयन पर यूटीसीए के अध्यक्ष सारांश टंडन ने कहा की दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टेस्ट और वनडे दोनों टीमों में नंदिनी का चयन चंडीगढ़ और यूटीसीए के लिए बेहद गर्व की बात है। घरेलू क्रिकेट से लॉर्ड्स तक का सफर और अब ऑल-फॉर्मेट विदेशी दौरे के लिए भारतीय टीम में चयन उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और लगातार शानदार प्रदर्शन का परिणाम है। हमें पूरा विश्वास है कि नंदिनी आगे भी चंडीगढ़ और देश का नाम रोशन करेंगी।

# हार्दिक को विदाई और अर्शदीप का स्वागत



**मुंबई ।** मुंबई आईपीएल 2024 से आईपीएल 2026 तक मुंबई इंडियंस (एमआई) के कप्तान रहे स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या का नाता अब इस टीम से टूट चुका है। एमआई ने सोशल मीडिया पर हार्दिक को उनके आगे के सफर के लिए शुभकामना भी दे दिया है। साथ ही एमआई ने अपने साथ जुड़े अर्शदीप सिंह का स्वागत किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एमआई ने कई पोस्ट साझा करते हुए अपने कप्तान हार्दिक को बधाई दी है। एमआई ने अपने सबसे पहली पोस्ट में लिखा, 'हार्दिक, ब्लू एंड गोल्ड को जोश और गर्व के साथ रिप्रेजेंट करने के लिए धन्यवाद। हम आपको आगे के सफर के लिए शुभकामनाएं देते हैं।'

### मुंबई इंडियंस ने सोशल मीडिया पर साझा किया पोस्ट

एक अन्य पोस्ट में हार्दिक की प्रशंसा में एमआई ने लिखा, 'उतार-चढ़ाव के बीच, मुंबई इंडियंस की कहानी का हिस्सा बनने के लिए धन्यवाद, हार्दिक।' हार्दिक पंड्या आईपीएल 2027 में पंजाब किंग्स की तरफ से खेलते हुए नजर आएंगे। वह ट्रेड डील के तहत 18 करोड़ में पंजाब से जुड़े हैं। 2019 से पंजाब किंग्स का हिस्सा रहे बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह अब मुंबई इंडियंस का हिस्सा हैं।

एमआई ने पंजाब किंग्स से हार्दिक के बदले अर्शदीप सिंह को अपने साथ जोड़ा है। अर्शदीप भी 18 करोड़ में एमआई से जुड़ें हैं। एमआई ने सोशल मीडिया पर अर्शदीप सिंह की एक छोटी वीडियो साझा करते हुए टीम में उनका स्वागत किया है। एक अन्य पोस्ट में एमआई ने जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह की फोटो साझा करते हुए लिखा है, 'प्रिय बल्लेबाजों, स्टंप उड़ेंगे, किनारे उड़ेंगे। उंगलियां ऊपर जाएंगी। और वो पैर की उंगलियां? बेहतर होगा कि उन्हें बचाकर रखें। यह कॉम्बो जल्द ही जोड़ों में शिकार करेगा, सिर्फ टी20 आई में ही नहीं बल्कि आईपीएल में भी।'

जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह की जोड़ी टी20 फॉर्मेट में भारतीय टीम के लिए गेंदबाजी की शुरुआत करती है और दुनिया की सबसे खतरनाक गेंदबाजी जोड़ी मानी जाती है। इन दोनों को साथ पाकर मुंबई इंडियंस बेहद खुश है। पंजाब किंग्स ने भी एक्स पर अर्शदीप सिंह के टीम से अलग होने की जानकारी देते हुए लिखा, 'एक युवा शेर से एक ऐसा नाम जिसने पंजाब को गर्व महसूस कराया। अर्शदीप, यहां हमेशा आपका घर रहेगा।'

## हार्दिक का आना आईपीएल खिताब की तरफ एक जरूरी कदम : पंजाब किंग्स सीईओ सतीश मेनन

**नई दिल्ली ।** नई दिल्ली पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के सीईओ सतीश मेनन ने बुधवार को प्रीमियर सीम-बॉलिंग ऑल-राउंडर हार्दिक पांड्या को साइन करने को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टाइटल जीतने की फ्रेंचाइजी की कोशिश में एक जरूरी कदम बताया।



बीसीसीआई ने बुधवार को आधिकारिक तौर पर घोषणा की कि पंड्या मुंबई इंडियंस (एमआई) से एक ट्रेड डील में पंजाब किंग्स में शामिल हुए। डील के तहत बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह मुंबई इंडियंस में शामिल हो गए। ट्रेड प्रक्रिया लगभग एक सप्ताह से चल रही थी। पंजाब किंग्स अभी तक कोई आईपीएल खिताब नहीं जीता है। उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन 2014 और 2025 में रहा है, जब टीम फाइनल में पहुंची थी।

मेनन ने बुधवार को एक बयान में कहा, 'हमें हार्दिक का पंजाब किंग्स परिवार में स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। वह एक साबित मैच-विनर है, जो जबरदस्त अनुभव, आत्मविश्वास और जीतने की सोच लेकर आए है। बैट और बॉल दोनों से गेम का रुख बदलने की उनकी काबिलियत उन्हें हमारी टीम के लिए एक कीमती बनाती है। हम आईपीएल के 20वें सीजन में कदम रख रहे हैं, हमारा फोकस एक ऐसी टीम बनाने पर है जो सबसे ऊंचे लेवल पर मुकाबला कर सके और ट्रॉफी पंजाब घर ला सके। हार्दिक का आना उस दिशा में एक जरूरी कदम है।'

मेनन ने अर्शदीप के पंजाब किंग्स से मुंबई इंडिया का हिस्सा बनने पर कहा, 'अर्शदीप कई सालों से पंजाब किंग्स का अहम हिस्सा रहे हैं, और यह हमारे लिए भी एक भावुक पल है। हमने उन्हें देश के सबसे बेहतरीन तेज गेंदबाजों में से एक बनते देखा है, और हमें उनके सफर पर बहुत गर्व है।

उन्होंने मैदान पर और मैदान के बाहर, दोनों जगह फ्रेंचाइजी के लिए बहुत योगदान दिया है, और पंजाब किंग्स परिवार में हमेशा एक खास जगह रखेंगे। हम उन्हें हर चीज के लिए धन्यवाद देते हैं और उनकी लगातार सफलता की कामना करते हैं।'





### डब्ल्यूटीए फाइनल्स

## नोस्कोवा ने गॉफ को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

इंडियन वेल्स लिंडा नोस्कोवा ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। नोस्कोवा ने कोको गॉफ को 75 मिनट तक चले मुकाबले में 6-3, 6-3 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। नोस्कोवा 2011 में पेट्रा क्वितोवा के बाद अपने पहले डब्ल्यूटीए फाइनल्स में सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं। डब्ल्यूटीए के आंकड़ों के अनुसार, वह 2024 में गॉफ के बाद अपने पहले दो राउंड-रॉबिन मैच जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी हैं और 2021 में एनेट कोंटावेइट के बाद ऐसा करने वाली पहली नंबर 8 सीड हैं। लिंडा नोस्कोवा ने पत्रकारों से कहा, मुझे तो यह भी नहीं पता था कि मैं सेमीफाइनल में हूं।

मैच खत्म होने के ठीक बाद, मैं पहले से ही इस बात पर फोकस कर रही थी कि मैं दो दिन में जेसी (पेगुला) के साथ कैसे खेलूंगी। इसलिए मेरे लिए ज्यादा कुछ नहीं बदला है। मैं अभी भी जीतना चाहती हूं। मैं अभी भी जो भी स्कोर, जो भी जीत मुमकिन हो, हासिल करना चाहती हूं। मैं यहां असल में मैच नहीं खेल रही हूं, इसलिए यह कुछ अलग नहीं होने वाला है।

नोस्कोवा ने गॉफ को पांच बार ब्रेक किया, जिसमें शुरुआती सेट में चार बार शामिल हैं। उसने नौ में से पांच ब्रेक-पॉइंट मौकों को कन्वर्ट किया और गॉफ की दूसरी सर्व पर 75 प्रतिशत (24 में से 18) पॉइंट जीते। रिटर्न पर नोस्कोवा ने जो दबाव डाला, उससे उन्हें दोनों सेट में 4-1 की लीड बनाने में मदद मिली। यह नोस्कोवा के लिए इस सीजन की छठी टॉप-10 जीत है, जिसने जुलाई में विंबलडन में अपना पहला ग्रैंड स्लैम जीता था।

गॉफ अपने तीसरे राउंड-रॉबिन मैच में मार्टा कोस्त्युक का सामना करेंगी। उन्हें सेमीफाइनल में आगे बढ़ने के लिए एक जीत की जरूरत है। गॉफ, जो 2006 में मारिया शारापोवा के बाद डब्ल्यूटीए फाइनल्स में अपने तीसरे सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनना चाहती हैं, ने छह में से चार हेड-टू-हेड मुकाबले जीते हैं। हालांकि, जेसिका पेगुला, कोस्त्युक पर एक घंटे और 29 मिनट में 6-2, 7-5 से जीत के साथ टूर्नामेंट के नॉकआउट स्टेज में आगे बढ़ने की दौड़ में बनी हुई हैं।

### आईसीसी टेस्ट रैंकिंग

## रहमत शाह ने रचा इतिहास, टॉप-10 में जगह बनाने वाले पहले अफगान खिलाड़ी बने

**दुबई।** दुबई अफगानिस्तान के कप्तान रहमत शाह ने इतिहास रच दिया है। वे आईसीसी पुरुष टेस्ट प्लेयर रैंकिंग में टॉप 10 में जगह बनाने वाले देश के पहले क्रिकेटर बन गए हैं। शारजाह में जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने शानदार प्रदर्शन के बाद वे सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। वह टेस्ट क्रिकेट की किसी भी श्रेणी में टॉप-10 में जगह बनाने वाले पहले अफगान क्रिकेटर बन गए हैं। दो मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में



173 रन बनाने के बाद रहमत छह पायदान ऊपर चढ़े, जिससे उन्हें करियर की सबसे अच्छी रेटिंग मिली और वे भारत के कप्तान शुभमन गिल, दक्षिण अफ्रीका के एडन मार्करम और श्रीलंका के कामिंदू मेंडिस जैसे बल्लेबाजों से आगे निकल गए। 33 साल के रहमत की यह पारी टेस्ट क्रिकेट में उनकी पांचवीं सेंचुरी और इस साल की दूसरी सेंचुरी थी। इस महीने की शुरुआत में, टीम आईसीसी मेन्स वनडे टीम रैंकिंग में अपनी अब तक की सबसे ऊंची जगह (छठे नंबर) पर पहुंच गई।

### बांग्लादेश महिला टीम की फिटनेस और अनुशासन पर पूर्व हेड कोच

## सरोवर इमरान ने सवाल उठाए

**नई दिल्ली।** बांग्लादेश महिला टीम के पूर्व हेड कोच सरोवर इमरान ने टीम के फिटनेस स्तर और ट्रेनिंग कल्चर पर सवाल उठाए हैं। उनका दावा है कि खिलाड़ियों को उनके कम्फर्ट जोन से बाहर निकालने और ज्यादा अनुशासन लाने की उनकी कोशिशों की वजह से उन्हें अपनी भूमिका से अलग होना पड़ा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने एशियन गेम्स के बाद अक्टूबर में सरोवर का कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने दिया और बाद में उनकी जगह डेविड हेम्प को नियुक्त किया।

एक रिपोर्ट के मुताबिक टीम के कुछ सीनियर खिलाड़ियों ने बीसीबी से सरोवर इमरान की शिकायत की थी और उनके तरीकों पर सवाल उठाया था। सरोवर ने पहले बांग्लादेश के एशियन गेम्स से बाहर होने के बाद ड्रेसिंग रूम में अशांति की बात कही थी, जिसके बाद बोर्ड ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने पर विचार किया। प्रस्तावित कार्रवाई को आखिरकार वापस ले लिया गया, जिसमें बीसीबी ने बांग्लादेश क्रिकेट के साथ उनके लंबे जुड़ाव को ध्यान में रखा।

सरोवर ने कहा कि बोर्ड ने उन्हें जारी रखने का फैसला करने से पहले कभी उनसे सफाई नहीं मांगी। उन्होंने कहा, एशियन गेम्स और एशिया कप के बाद बीसीबी ने मुझसे कोई बातचीत नहीं की। मुझे एक पत्र मिला कि मैं ऑस्ट्रेलिया टूर पर नहीं जा रहा हूं क्योंकि कोई दूसरा कोच जाएगा। बीसीबी के साथ मेरी बस इतनी ही बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि कोचिंग का माहौल बहुत ज्यादा संतुलन बनाने वाला हो गया था, जिससे सुधार की बहुत कम गुंजाइश बची थी।

महिला टीम में शामिल होने के बाद अपने अनुभव को याद करते हुए उन्होंने कहा, जहां तक ??मेरे गुस्से की बात है, जब मैं महिला टीम में आया, तो मैंने देखा कि गेंदबाजी कोच से लेकर स्पिन बॉलिंग कोच, बैटिंग कोच, ट्रेनर और फिजियो सभी बहुत शांत थे। वे महिला क्रिकेटरों की हर बात सुनते हैं और इस कम्फर्ट जोन में रहकर वे सुधार नहीं कर सकते। यही वजह है कि हमारी टीम आज भी वैसी ही है जैसी पांच साल पहले थी।



इमरान ने कहा, एक स्पिनर 30 गेंदें फेंकने के बाद कोच से कहती है कि वह अब और गेंदबाजी नहीं करेगी और कोच मान जाता है। एक या दो बल्लेबाज पूरे दिन बल्लेबाजी करते हैं। यह सब देखने के बाद मैंने दखल देना शुरू कर दिया। मैंने उनकी फिटनेस को लेकर भी दखल दिया।

उन्होंने कहा, जब मुझे उन्हें डांटने की जरूरत थी तो मैंने वैसा ही किया और अगर आप कहते हैं कि यह गुस्सा है तो मुझे नहीं लगता कि बांग्लादेश क्रिकेट सुधर सकता है। मुझे लगा कि मैं उन्हें सुधार सकता हूं और मैंने सात से आठ टूर किए और सब कुछ सिर्फ एक या दो टूर में फेल होने की वजह से खत्म हो गया।